NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-293

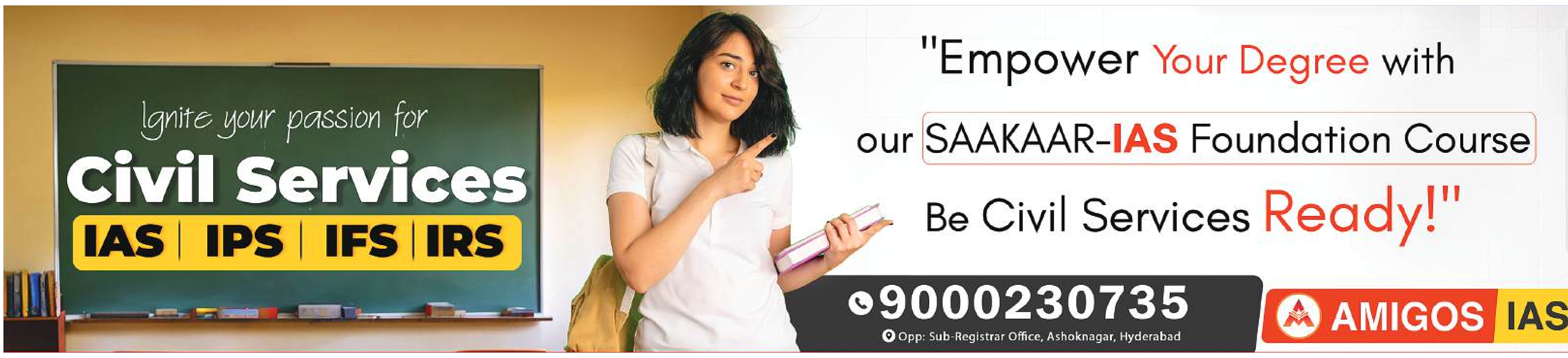

बांग्लादेश में फैली अराजकता के कारण विवशता में छोड़ा था देश

शेख हसीना अब भी बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री

ढाका/नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेख हसीना बांग्लादेश की निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री हैं। बांग्लादेश में फैलाई गई प्रायोजित हिंसा और अराजकता के कारण शेख हसीना ने विवशता में देश तो छोड़ दिया, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा नहीं दिया था। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने यह जानकारी देकर न केवल बांग्लादेश, बल्कि पूरी दुनिया को चौंका दिया है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति के इस आधिकारिक बयान से यह साबित हुआ कि शेख हसीना अब भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं। वे अभी निर्वासन में हैं और कभी भी अपने देश वापस लौट सकती हैं।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने कहा, शेख हसीना ने इस्तीफा कहां दिया?

निर्वासन की सरकारों की लंबी सूची है। कई निर्वासित प्रधानमंत्रियों या राष्ट्रपतियों के अपने देश वापस लौट कर सत्ता संभालने का इतिहास है। कई निर्वासित प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति अपने देश वापस नहीं भी लौट पाए, इसकी भी लंबी सूची है। लेकिन वे जब तक रहे, उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निर्वासित प्रधानमंत्री या राष्ट्रप्रमुख की प्रोटोकॉलिक प्रतिष्ठा और सुविधाएं प्राप्त होती रहीं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कहा है कि उनके पास इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि शेख हसीना ने देश छोड़ कर जाने से पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने देश के लोगों से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे को लेकर कोई और विवाद पैदा करने से बचने का आग्रह किया है। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि उन्होंने सुना है कि हसीना ने बांग्लादेश छोड़ने से पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उनके पास इसका कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि बहुत कोशिशों के बावजूद उन्हें कोई भी दस्तावेज नहीं मिल पाया। शहाबुद्दीन ने कहा, शायद शेख हसीना पास समय नहीं था।

पांच अगस्त की घटना का विवरण देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सुबह करीब 10:30 बजे हसीना के आवास से बंगभवन को फोन आया और बताया गया कि शेख हसीना उनसे मुलाकात करेंगी। राष्ट्रपति ने कहा, यह सुनकर बंगभवन में तैयारियां शुरू हो गईं। ▶10 पर

ब्रिक्स समिट में कजान पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की हुई अहम वार्ता

हमारी दोस्ती पारिवारिक रिश्ते की तरह है : मोदी/पुतिन

कजान, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए कजान पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय संबंधों और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को लेकर अहम वार्ता हुई। मोदी पुतिन वार्ता को काफी अहमियत की नजर से देखा जा रहा है। रूस-युक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर भारत ने सहयोग के लिए हमेशा तैयार और तत्पर रहने की फिर से याद दिलाई और कहा कि हर समस्या का समाधान शांति से संभव है।

कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे भारतवर्ष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस मुलाकत में रूस-यूक्रेन युद्ध को

हर समस्या का समाधान शांति से संभव

कजान में खुलेगा भारत का नया दूतावास

लेकर लंबी बात हुई। पीएम मोदी ने कहा, रूस के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं। हमारी गहरी मित्रता है। हमारे संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा, रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर हमारा संपर्क बना हुआ है। हर समस्या का हल शांति से ही हो सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत अपने रुख पर कायम है और शांति को लेकर हर संभव सहयोग करने के लिए तत्पर है। भारत मानवता को प्राथमिकता देने के लिए तैयार है। हम शांति और स्थिरता की बहाली का समर्थन करते हैं। मैं रूस की मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। ▶10 पर

चीन सरकार का आधिकारिक बयान जारी

सीमा पर गतिरोध खत्म होने की पुष्टि

बीजिंग, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर चली कवायद के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैन्य तनाव घटाने पर सहमति बन गई है। एलएसी पर गतिरोध खत्म होने को लेकर भारत के बाद अब चीन ने भी बयान जारी कर दिया है। चीन ने गतिरोध खत्म होने और भारत के साथ समझौता होने की पुष्टि करते हुए कहा है कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सहमति बनी है। गौरतलब है कि कल ही इसे लेकर भारत के विदेश सचिव ने भी बयान जारी किया था।

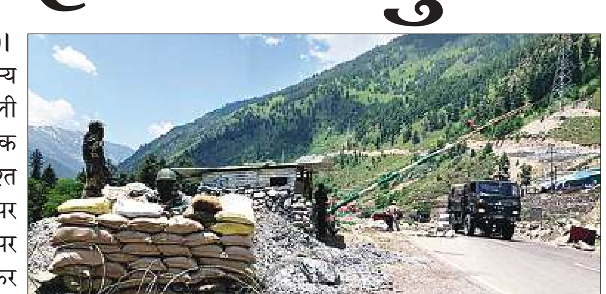

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि भारत और चीन दोनों देशों की सीमा से संबंधित मुद्दों पर राजनयिक और सैन्य माध्यमों के जरिए निकट संपर्क में रहे हैं। अब दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए हैं जिसकी चीन बहुत सराहना करता है। जियान ने कहा कि चीन इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेगा। हालांकि उन्होंने समझौते के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

पूर्वी लद्दाख में 2020 वाली स्थिति होगी बहाल

चीन की पुष्टि करने से एक दिन पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा था कि 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई घटनाओं के बाद से हम चीनी पक्ष के साथ सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर लगातार संपर्क में थे। डब्ल्यूएमसीसी और सैन्य कमांडर स्तर पर दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत हुई है। पिछले कुछ हफ्तों में हुई वार्ताओं के बाद भारत-चीन सीमा क्षेत्र में सैन्य गश्त की व्यवस्था को लेकर सहमति बन गई है। ▶10 पर

120 से अधिक विमानों को अबतक मिल चुकी हैं धमकियां

फिर 30 विमानों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले एक सप्ताह में भारतीय विमानन कंपनियों की 120 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि बम की धमकी अफवाह है, लेकिन इन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता।

देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। सोमवार रात को भी 30 विमानों में बम होने की धमकी दी गई। इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित 30 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को सोमवार रात बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ▶10 पर

अमेरिका को हथियार बेचने वाला पहला राज्य होगा यूपी

अमेरिका ने दिया 10 हजार वेब्ले रिवॉल्वर का ऑर्डर

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से देश में पहली बार अमेरिका को शस्त्रों का निर्यात किया जाएगा। ब्रिटेन की जगह उत्तर प्रदेश को केंद्र बनाने वाली दिग्गज शस्त्र कंपनी वेब्ले अपने एंटीक रिवॉल्वर वेब्ले-455 का यूपी में निर्माण करेगी। अमेरिका ने यूपी में बनने वाली इस रिवॉल्वर के 10 हजार पीस का बल्क ऑर्डर दिया है। अमेरिका के साथ इसकी भारी मांग साउथ अमेरिका, ब्राजील के अलावा यूरोप के 16 देशों में है। बेहद घातक इस रिवॉल्वर का उपयोग प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भी किया गया था।

आगरा में लगेगा जूतों के अंतरराष्ट्रीय कारोबारियों का जमावड़ा

ईस्ट इंडिया कंपनी इसे पहली बार यूरोप से निकाल कर भारत लाई थी। वेब्ले स्कॉट इंडिया के निदेशक मनिंदर स्याल ने बताया कि भारत में 455 बोर की रिवॉल्वर प्रतिबंधित है लेकिन अमेरिका में वेब्ले-455 की भारी मांग है। इसे देखते हुए यूपी में पहली बार अमेरिका को करीब 10 हजार वेब्ले-455 का निर्यात किया जाएगा। इसके निर्माण के लिए लाइसेंस जल्द जारी हो जाएगा।

वर्ष 1887 में ब्रिटेन की ग्लोबल कंपनी वेब्ले ने 455 रिवॉल्वर बाजार में उतारा था। 1924 तक इसे बनाया गया। इन 37 वर्ष में ये रिवॉल्वर दुनियाभर हुई क्रांति और युद्ध में प्रमुख हथियार के रूप में उभर कर सामने आई। 100 वर्ष पहले बंद हो चुकी ऐतिहासिक वेब्ले 455 का पुनर्जन्म उत्तर प्रदेश में होगा। ▶10 पर

महत्वपूर्ण सामरिक योजनाओं को ठप्प करने का कुचक्र

जेड मोड़ सुरंग का निर्माण रोकने के लिए हुआ हमला

वापस लौट रहे सुरंग निर्माण में लगे श्रमिक, काम रुका

जम्मू, 22 अक्टूबर (ब्यूरो) जम्मू कश्मीर में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण योजनाओं को ठप्प करने का आतंकी कुचक्र तेज हो गया है। प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार के गठन के बाद आतंकवादियों का हौसला एक बार फिर बढ़ गया है। गांदरबल के जेड मोड़ सुरंग के श्रमिक शिविर पर हुआ हमला सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में बाधा डालने के इरादे से किया गया। आतंकी हमले का नतीजा यह हुआ है कि श्रमिक काम छोड़ कर वापस जा रहे हैं और सुरंग का निर्माण फिलहाल रुक गया है।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने जिस जेड मोड़ सुरंग में काम कर रहे वर्करों की हत्या करके दहशत फैलाने का काम किया है, मालूम हो कि वो जेड मोड़ सुरंग केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है। इस सुरंग के बन जाने से न केवल वहां की जनता को फायदा मिलेगा बल्कि देश की सुरक्षा दृष्टि से भी ये सुरंग बहुत काम आएगी। इसलिए आतंकियों को ये बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने इसमें जुटे श्रमिकों में डर भरने के लिए यह हरकत की। ▶10 पर

अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की दोगलई उजागर

करवा चौथ व्रत से बिगड़ता है स्वास्थ्य, रोजा से होता है लाभ!

हिंदुओं के त्यौहारों को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास आजकल मीडिया का पसंदीदा काम हो गया है।

शुभ-लाभ चिंता

अभी पिछले ही दिन करवा चौथ का त्यौहार सम्पन्न हुआ है। ऐसे पवित्र मौके पर इंडियन एक्सप्रेस में जो लेख प्रकाशित हुआ है, उससे उस अखबार की दोगली नस्ल सार्वजनिक तौर पर उजागर हुई है। इस लेख में बताया गया कि करवा चौथ का व्रत रखने से महिलाओं के शरीर पर कितना घातक असर पड़ता है। यही इंडियन एक्सप्रेस मार्च में लेख प्रकाशित करता है कि रमजान में रोजा का व्रत रखने से स्वास्थ्य को कितना लाभ पहुंचता है। ये दोनों ही लेख इंडियन एक्सप्रेस में इसी वर्ष 2024 में प्रकाशित हुए हैं। करवा चौथ का लेख 20 अक्टूबर को प्रकाशित किया गया जबकि रमजान पर ज्ञान 11 मार्च को परोसा गया था। करवा चौथ वाले लेख में बताया गया कि लंबे व्रत से महिलाओं के हॉरमोन पर फर्क पड़ता है और मासिक धर्म में दिक्कतें आती हैं। वगैरह वगैरह। करवा चौथ का एक दिन का व्रत रखने से शरीर में तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोन उत्पन्न होते हैं। शुगर कम हो सकता है, बीपी गिर सकता है। साथ ही एनर्जी में कमी के साथ मूड स्विंग आदि भी हो सकते हैं और तो और प्रजनन क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। ▶10 पर

The Indian EXPRESS

Women, fasting for Karva Chauth may affect your hormones — here's how

Fasting, particularly when extended, can lead to fluctuations in key hormones that regulate critical bodily functions such as the menstrual cycle, metabolism, and stress responses

By Lifestyle Desk

The Indian EXPRESS

How Ramadan fasting can help you in weight loss, reduc[e] blood sugar, cholesterol

Dr Priyanka Rohatgi, Chief Nutritionist, Apollo Hospitals, on how to plan meals an[d] whether diabetics can follow this routine

Written by Dr Priyanka Rohatgi

इंडियन एक्सप्रेस के दो लेख, दोगलेपन की सनद हैं

कनिष्क विमान आतंकी बम विस्फोट के संदिग्ध रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के दो आरोपितों ने दोष स्वीकार किया

ओटावा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। **कनिष्क विमान आतंकवादी बम विस्फोट केस में बरी हो चुके संदिग्ध 75 वर्षीय रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के आरोपितों टैनर फॉक्स और जोस लोपेज ने ब्रिटिश कोलंबिया में न्यू वेस्टमिंस्टर स्थित सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हत्या का दोष स्वीकार कर लिया।**

दोनों ने रिपुदमन सिंह मलिक हत्याकांड की सुनवाई की पूर्व संध्या पर सोमवार को अपना गुनाह कुबूल किया। कनाडा के ग्लोबल न्यूज चैनल ने अपने प्रसारण में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की है।

आरोपित टैनर फॉक्स और जोस लोपेज की सजा पर अदालत में सुनवाई 31 अक्टूबर को शुरू होगी। गुनाह कुबूल करने के बाद फॉक्स और लोपेज आपस में उलझ गए। लोपेज ने फॉक्स के सिर पर मुक्के मारे। बड़ी मुश्किल से दोनों को अलग कराया जा सका। फॉक्स और लोपेज दोनों का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। दोनों ने सुपारी लेकर मलिक की जान ली थी। लाल रंग की टेस्ला की ड्राइवर सीट पर बैठे मलिक को गोलियों से भून दिया गया था। पुलिस ने इन आरोपितों से लगभग 16,000 डॉलर नकद बरामद किए थे।

मलिक की 14 जुलाई, 2022 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उल्लेखनीय है कि मलिक और सह आरोपित अजायब सिंह बागरी को 1985 में हुए दो बम विस्फोटों से संबंधित सामूहिक हत्या और साजिश के आरोपों से 2005 में बरी कर दिया गया था। इन विस्फोटों में 331 लोग मारे गए थे।

बम निर्माता इंद्रजीत सिंह रेयात को बाद में हमले में दोषी ठहराया गया। मुकदमे के दौरान ही कथित मास्टरमाइंड तलविंदर सिंह परमार की मृत्यु हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन युद्ध में सैनिकों की तैनाती पर अनिश्चितता

सियोल। हाल ही में रूस ने स्पष्ट किया कि वह उत्तर कोरिया के साथ अपने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियानों में उत्तर कोरियाई सैनिकों के इस्तेमाल के आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से कहा, इसमें बहुत सारी विरोधाभासी जानकारी है, और उन्होंने इन सवालों को रूस के रक्षा मंत्रालय से पूछने का सुझाव दिया। इस बयान के बाद, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में रूस का समर्थन करने के लिए लगभग 12,000 सैनिकों को भेजने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले ही करीब 1,500 सैनिकों को रूसी नौसैनिक जहाजों के माध्यम से रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक में भेजा जा चुका है। इस पर अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि वे इस सेना की तैनाती की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन अगर यह सच है, तो यह स्थिति चिंताजनक होगी।

हिजबुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों का इजरायल ने किया खुलासा, हिजबुल्लाह के पास कितने कैश-गोल्ड, कहां ठिकाना

गाजा। इजरायली सेना, आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों पर एक बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार लेबनान के अल साहेल अस्पताल के नीचे हिजबुल्लाह का एक बंकर है, जिसमें 50 करोड़ डॉलर से अधिक का सोना और नकद रखा गया है। इस बंकर को हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह का ठिकाना माना जा रहा है। आईडीएफ ने दावा किया है कि यह सीक्रेट बंकर दक्षिण बेरूत में स्थित है और यहाँ अरबों के सोने और नकद का भंडार है। भारतीय मुद्रा में इस खजाने की कीमत लगभग 4194 करोड़ रुपए है। आईडीएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली वायु सेना ने हिजबुल्लाह के इन वित्तीय ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसका उद्देश्य इस आतंकवादी संगठन की फंडिंग क्षमताओं को कमजोर करना था। हगारी ने बताया कि इस बंकर में लाखों डॉलर की नकदी और सोना है, जिसका उपयोग हिजबुल्लाह इजरायल पर हमलों के लिए करता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि हमले में यह धन पूरी तरह से नष्ट हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे अनुमान के मुताबिक इस बंकर में कम से कम 50 करोड़ डॉलर की नकदी और सोना रखा हुआ है। यह पैसा लेबनान के पुनर्निर्माण के लिए उपयोग किया जा सकता था। उन्होंने एक नक्शा भी पेश किया, जिसमें बंकर के स्थान को दिखाया गया है। इजरायल ने लेबनानी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपील की है कि वे हिजबुल्लाह को आतंक के लिए और इजरायल पर हमले के लिए फंडिंग करने से रोकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध कर रहा है, न कि लेबनानी लोगों के खिलाफ। यह भी कहा गया कि आईडीएफ अस्पताल पर हमला नहीं करेगा, लेकिन हिजबुल्लाह से जुड़े अन्य ठिकानों पर निगरानी रखी जाएगी। इससे पहले इजरायल ने एक बैंक पर हमला किया था, जिसका संबंध हिजबुल्लाह से था, जो इस संगठन की वित्तीय गतिविधियों पर नकेल कसने के इजरायल के प्रयासों का हिस्सा था।

चोरी के बाद घर की साफ-सफाई करने वाला चोर धराया

न्यूपोर्ट। न्यूपोर्ट शहर में एक चोर ने न केवल घर में घुसकर चोरी की, बल्कि घर को साफ–सुथरा भी

करके गया। जानकारी के मुताबिक इस अनोखे चोर का नाम डैमियान वोज्निलोविक्ज़ है, जिसकी उम्र 36 साल बताई जा रही है। डैमियान के खिलाफ दो घरों में चोरी के आरोप लगे हैं, और पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। उसने जो किया, वो आम चोरों से बिलकुल अलग था। सामान्य तौर पर, जब कोई चोर घर में घुसता है तो घर में तबाही मचा देता है और कीमती सामान चुरा लेता है। लेकिन डैमियान का तरीका बिल्कुल अलग था, वह घर को साफ–सुथरा करके छोड़ जाता था। पहली घटना पिछली गर्मियों में हुई जब डैमियान एक अकेली महिला के घर में घुसा, जब वह घर पर नहीं थी। डैमियान ने उस घर में सफाई की, झाड़ू लगाई, कपड़े धोए और सबकुछ व्यवस्थित कर दिया।

नेपाल : राजनीतिक दल विभाजन संबंधी अध्यादेश की संभावना से डरे,विपक्षी दलों ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

काठमांडू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। **प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार द्वारा राजनीतिक दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाने की तैयारी के बीच विपक्षी दलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर ऐसा नहीं करने के लिए दबाव बनाया है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख विपक्षी दल के नेता पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड के नेतृत्व में सभी विरोधी दल के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति रही। विपक्षी दलों को लक्षित करते हुए ही सरकार द्वारा यह अध्यादेश लाने की चर्चा जोरों पर है।**

सोमवार को दिन भर राजनीतिक दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाने की अटकलों के बीच देर रात को विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने प्रधानमंत्री ओली से मुलाकात कर इस बारे में अपनी चिंताओं से अवगत कराया। नेपाल के राजनीतिक गलियारों में चर्चा यह है कि विपक्षी दलों में विभाजन लाने के उद्देश्य से ही यह अध्यादेश लाया जा रहा है। ओली की नजर खास कर एकीकृत समाजवादी पार्टी के विभाजन पर है, जो कभी उनकी पार्टी को तोड़ कर बनाया गया था। अब उसी पार्टी के 10 में से 5 संसद ओली के संपर्क में हैं और वो चाहते हैं कि सरकार अध्यादेश लाकर उनके दल विभाजन करने के लिए कानूनी रास्ता बना दे।

प्रधानमंत्री से मुलाकात करने गए माओवादी के प्रचंड, एकीकृत समाजवादी के माधव कुमार नेपाल, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के राजेंद्र लिंगडेन और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के डीपी अर्याल ने प्रधानमंत्री से इस तरह का अध्यादेश नहीं लाने का आग्रह किया। जवाब में ओली ने कहा कि जिस समय आप लोग सत्ता में थे, उस समय मेरी पार्टी में विभाजन करने के लिए इसी तरह का अध्यादेश लेकर आए थे और मेरी पार्टी का विभाजन किया था तो अब किस नैतिकता के आधार पर आप लोग मुझसे अध्यादेश रोकने के लिए कह सकते हैं।

प्रचंड के विरोधी दल की तरफ से प्रधानमंत्री से कहा गया कि लगभग दो तिहाई वाली बहुमत की सरकार होने के बावजूद अध्यादेश के मार्फत कोई भी कानून बदलना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल संसद का अधिवेशन बुला कर संसद में इस संबंध में बिल पेश करना चाहिए। इसी तरह एकीकृत समाजवादी के अध्यक्ष माधव नेपाल ने कहा कि सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए राजनीतिक दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाकर आम लोगों की समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। जवाब में ओली ने कहा कि सरकार को किस रस्ते से कानून लाना है, यह उसे अच्छी तरह पता है। इस बैठक के बाद राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष डीपी अर्याल ने बताया कि सरकार की नीयत सभी विरोधी दलों में सेंध लगाने की है। बाहर से दिखने में यह एकीकृत समाजवादी पार्टी के विभाजन के लिए लाया जा रहा है परन्तु असंतुष्टि तो माओवादी पार्टी में भी है। इसी तरह जनता समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में भी असंतुष्टि है। यदि सरकार अध्यादेश लाती है तो कोई भी विरोधी दल टूटने से बच नहीं पाएगा।

इस समय नेपाल के कानून में किसी भी राजनीतिक दल के विभाजन करने के लिए 40 प्रतिशत केन्द्रीय सदस्य और 40 प्रतिशत सांसद की आवश्यकता होती है। विरोधी दलों का विभाजन करने के लिए ओली सरकार की तरफ से इस 40 प्रतिशत को घटाकर 20 प्रतिशत करने और सांसद तथा केंद्रीय सदस्य दोनों की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए केन्द्रीय सदस्य या सांसद में से कोई भी एक होने पर विभाजन को मान्यता दिए जाने का कानूनी प्रावधान बनाने के लिए अध्यादेश लाने की लगभग पूरी तैयारी है।

लगातार आफतों से जूझता बांग्लादेश बाढ़ ने मचाई तबाही, चावल के एक एक दाने को हुआ मोहताज

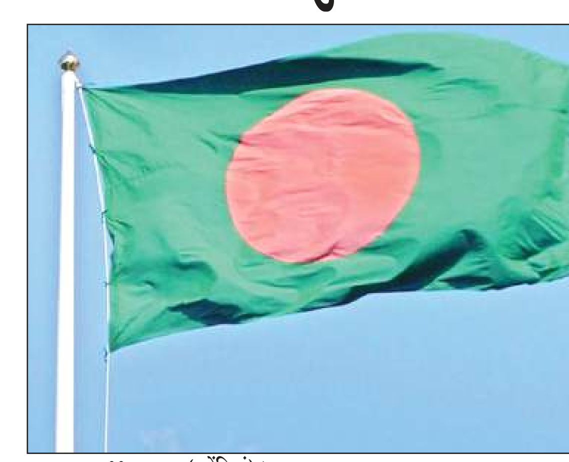

ढाका, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में भारी मानसूनी बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले पानी ने पूर्वी और उत्तरी बांग्लादेश में बाढ़ का गंभीर संकट पैदा किया। इस प्राकृतिक आपदा में लगभग 75 लोगों की मौत हो चुकी है, और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे चावल की पैदावार में लगभग 11 लाख टन की कमी आई है। अब हालात कुछ इस तरह के दिखाई दे रहे हैं कि आने वाले समय में बांग्लादेश चावल के एक एक दाने को मोहताज हो जाएगा। बांग्लादेश कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चावल की इस कमी के कारण खाने–पीने की वस्तुओं के दाम आसमान छूने लगे हैं। इस संकट को संभालने के लिए यूनुस सरकार चावल के आयात पर जोर दे रही है, लेकिन बांग्लादेश अब पूरी तरह से भारत पर निर्भर हो गया है। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक, बांग्लादेश की इस आवश्यकता को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। हाल ही में, भारत ने उबले हुए चावल के निर्यात पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया था, जिससे बांग्लादेश के लिए आयात करना थोड़ा आसान हो सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने 5 लाख टन चावल आयात करने की योजना बनाई है, और निजी क्षेत्र को भी जल्द ही आयात की अनुमति दी जा सकती है। देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं, क्योंकि हाल के महीनों में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण, बांग्लादेश को अपने कृषि उत्पादन में बार–बार बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाढ़ ने 2 लाख टन से अधिक सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों को भी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा के कारण कुल कृषि क्षति का अनुमान लगभग 45 अरब टका (38 करोड़ डॉलर) है।

नेपाल पुलिस ने मुंबई के दो युवकों को 20 लाख की नकदी के साथ हिरासत में लिया

काठमांडू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंबई से उत्तर प्रदेश होते हुए नेपाल में प्रवेश करने वाले दो युवकों को पुलिस ने 20 लाख की नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों के आपराधिक पृष्ठभूमि जानने के लिए नेपाल पुलिस ने मुंबई पुलिस से संपर्क किया है। उत्तर प्रदेश और नेपाल के बॉर्डर से जुड़े कृष्णानगर से कपिलवस्तु के रास्ते नेपाल में प्रवेश करने वाले इन दोनों युवकों को भारी मात्रा में नकद के साथ आने की सूचना प्राप्त होने के बाद चेकिंग के दौरान दोनों पकड़े गए। कपिलवस्तु जिला पुलिस के डीएसपी मोहन मणि अधिकारी ने बताया कि ये दोनों युवक अलग–अलग गाड़ियों से नेपाल में प्रवेश कर काठमांडू जाने की तैयारी में थे। डीएसपी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के नंबर प्लेट की गाड़ी लेकर आए इन दोनों युवकों की पहचान 33 वर्षीय सलमान कुरैशी और उमेश सखाराम खंडागले के रूप में की गई है। डीएसपी अधिकारी के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक किराये की एक गाड़ी (यूपी 45 ए.एस. 6663) से 8 लाख और दूसरी गाड़ी (यूपी 42 डी.टी.5721) से 12 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद किए गए।

पाकिस्तान के पंजाब सूबे में डीसी अब 30 दिन तक रैली पर प्रतिबंध लगा सकेंगे

लाहौर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। **पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने सूबे में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक बार फिर उपायुक्तों (डीसी) को अपने जिलों में सभाओं, रैलियों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों पर पीछे की सवारी पर 30 दिनों तक प्रतिबंध लगाने का अधिकार दिया है। गृह सचिव को अब किसी भी जिले या पूरे प्रांत में 90 दिनों तक धारा 144 लगाने का अधिकार दिया गया है। गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति में 90 दिनों से अधिक समय तक प्रतिबंध लगाने की शक्ति पंजाब सरकार के पास रहेगी।**

प्रांतीय विधानसभा के अनुमोदन के बाद आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1898 (पंजाब संशोधन) की धारा 144 में संशोधन के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दी गई। इससे पहले कानून और व्यवस्था की स्थिति के मामले में डिप्टी कमिश्नर पहले विरोध प्रदर्शनों, सभाओं, रैलियों, धरने और दोपहिया वाहनों की पीछे की सवारी पर प्रतिबंध लगाने के लिए गृह सचिव की अनुमति की प्रतीक्षा करते थे। हालांकि दो दशक पहले तक डिप्टी कमिश्नरों के पास यह अधिकार था। मगर परवेज मुशर्रफ के राष्ट्रपति बनने के बाद यह अधिकार जिला नाजिमों को हस्तांतरित कर दिए गए।

मुशर्रफ शासन के दौरान धारा 144 लगाने की शक्ति डीसी से जिला नाजिमों को हस्तांतरित करने के लिए सीआरपीसी की उप–धारा (1), (4), और (5) में संशोधन किया गया। इस संशोधन ने जिला नाजिमों/प्रशासकों को जिला पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त (डीसी) की सिफारिशों पर धारा 144 लगाने की अनुमति दी। बाद में जिला नाजिमों का पद समाप्त कर दिया गया तो यह अधिकार स्वत: डिप्टी कमिश्नर को प्राप्त हो गए।

संयुक्त वक्तव्य में क्वाड साइबर चैलेंज जारी रखने की घोषणा

वाशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। **संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सरकारों ने क्वाड साइबर चैलेंज-2024 को जारी रखने की घोषणा की है। इसका मकसद साइबर परिवेशी तंत्र को मजबूत करना, सार्वजनिक संसाधनों को बढ़ावा देने के साथ साइबर सुरक्षा जागरुकता को बढ़ाना है। क्वाड देशों ने संयुक्त वक्तव्य (ज्वाइंट स्टेटमेंट) में कहा कि इस वर्ष की चुनौती का विषय साइबर सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देना के साथ मजबूत कार्यबल का निर्माण करना है।**

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट की वेबसाइट ने क्वाड देशों के संयुक्त वक्तव्य को जारी किया है। इसमें कहा गया है कि क्वाड सीनियर साइबर ग्रुप के तत्वावधान में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के क्वाड भागीदारों ने जिम्मेदार साइबर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, सार्वजनिक संसाधनों को बढ़ावा देने और साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए संयुक्त अभियान के तहत क्वाड साइबर चैलेंज को जारी रखने की घोषणा की। इस वर्ष की चुनौती का विषय साइबर सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देना और एक मजबूत कार्यबल का निर्माण करना है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट की वेबसाइट पर उपलब्ध ज्वाइंट स्टेटमेंट के अनुसार, इस साल 10 अक्टूबर को संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्हाइट हाउस में क्वाड साइबर चैलेंज कार्यक्रम की मेजबानी की। इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के अधिकारी शामिल हुए। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साइबर और उभरते प्रौद्योगिकी के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर और शिक्षा विभाग के उप सचिव सिंडी मार्टन ने साइबर सुरक्षा में युवा प्रतिभा विकास के महत्व पर चर्चा की। साथ ही संघीय सेवा और निजी क्षेत्र के लिए शैक्षिक गतिविधियों को महत्व दिया। इसमें साइबर सुरक्षा पेशेवरों ने अपने करियर के किस्से साझा किए। जापान के तीन साइबर सुरक्षा पेशेवरों ने ने छात्रों और युवाओं को इस महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रमंडल के गवर्नर–जनरल सैम मोस्टिन एसी कैनबरा में एक क्वाड साइबर चैलेंज कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे। इसमें विशेष दूत डॉ. एंड्रयू चार्लटन एमपी, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक लेफ्टिनेंट जनरल मिशेल मैकगिनीज सीएससी और क्वाड देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा इसी माह अक्टूबर में भारत के साइबर स्पेस को सुरक्षित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक छात्र समुदाय को साइबर स्वच्छता अभियान पर संदेश देंगे। साइबर सुरक्षा जागरुकता माह में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ कार्यशाला में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदान किए राष्ट्रीय जल पुरस्कार

जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी का सामूहिक दायित्व

नई दिल्ली 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यहां पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पानी हर व्यक्ति की बुनियादी आवश्यकता और मौलिक मानव अधिकार है और सभी के लिए स्वच्छ जल सुनिश्चित किए बिना स्वच्छ और समृद्ध समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता और इसकी स्वच्छता में कमी से सुविधाहीन लोगों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर अधिक असर पड़ता है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि पृथ्वी पर सीमित मात्रा में जल संसाधन की उपलब्धता के सर्वविदित तथ्य के बाद भी हम जल संरक्षण और इसके प्रबंधन पर ध्यान नहीं देते। मानवीय उपेक्षा से ये संसाधन प्रदूषित और समाप्त हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अच्छी बात है कि केन्द्र सरकार ने जल संरक्षण और जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जल संरक्षण हमारी परंपरा रही है। हमारे पूर्वज गांवों के पास ही तालाब बनवाते थे। वे मंदिरों या उनके पास जलाशय बनवाते थे ताकि पानी की कमी होने पर संग्रहित जल का उपयोग किया जा सके। दुर्भाग्यवश हम अपने पूर्वजों की विवेकपूर्ण समझ को भुला रहे हैं। कुछ लोगों ने निजी स्वार्थवश जलाशयों का अतिक्रमण कर लिया है। इससे सूखे की स्थिति में पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है और अत्यधिक बारिश होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

श्रीमती मुर्मू ने ज़ोर देकर कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी का सामूहिक दायित्व है और हमारी सक्रिय भागीदारी के बिना देश को जल-सुरक्षा संपन्न बनाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने छोटे प्रयासों से भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उदाहरण स्वरूप हम अपने घरों के नल खुले न छोड़ें, ध्यान रखें कि ओवरहेड वॉटर टैंक से पानी भर कर बेकार न जाए, घरों में जल संचयन की व्यवस्था हो और पारंपरिक जलाशयों का सामूहिक रूप से जीर्णोद्धार किया जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों के प्रति प्रासंगिक दृष्टिकोण और इसके संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जाना सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल संरक्षण के लिए सम्मानित किए जाने वाले लोगों और इस आयोजन से सर्वश्रेष्ठ प्रचलन के उपाय लोगों तक पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय जल पुरस्कारों का उद्देश्य लोगों में पानी के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और उन्हें स्वच्छ जल के उपयोग के सर्वोत्तम प्रचलन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ स्कूल या कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल या कॉलेज के अलावा) और सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज सहित नौ श्रेणियों में प्रदान किए गए।

आदिवासी समाज के कल्याण में लगा है भारतीय आदिम सेवक संघ : मुर्मू

नई दिल्ली 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को यहां भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि ठक्कर बापा स्मारक सदन की उनकी यात्रा एक पवित्र स्थान की यात्रा की तरह है। उन्होंने ठक्कर बापा के प्रति सम्मान वयक्त किया और कहा कि यह अच्छी बात है कि भारतीय आदिम जाति सेवक संघ ठक्कर बापा के आदर्शों के साथ काम कर रहा है। यह आदिवासी समाज में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा और खराब स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करता है। उन्होंने कहा कि यह संघ लड़कियों और महिलाओं के कल्याण तथा सशक्तीकरण के लिए काम कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय आदिम जाति सेवक संघ से जुड़े लोग ठक्कर बापा द्वारा स्थापित जनसेवा के आदर्शों पर चलते हुए भविष्य में भी अपना समर्पण बरकरार रखेंगे।

26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की कोशिशें तेज

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।
मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को अमेरिका से जल्द ही प्रत्यर्पित किया जा सकता है। राणा को दिसंबर के आखिरी पखवाड़े में भारत लाया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों की केंद्रीय एजेंसियों और कानूनी विभाग के अधिकारियों के साथ में हाल ही में दिल्ली में मीटिंग हुई थी।

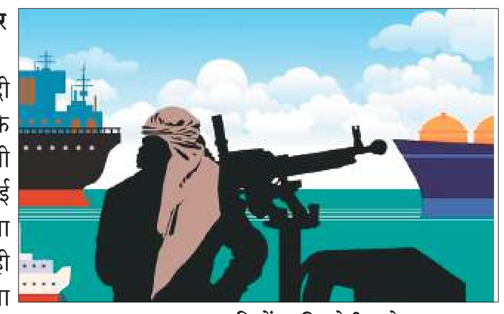

एक अधिकारी ने बताया कि यह मीटिंग लगभग करीब तीन घंटे तक चली थी। इस पूरी बातचीत का फोकस इस तरफ था कि प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए भारत सरकार की तरफ से क्या-क्या तैयारियां की गई हैं। साथ ही राणा के जेल में आने के बाद में क्या इंतजाम होगा। पिछले महीने ही कैलिफोर्निया में नौवें सर्किट के लिए अपील कोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका को खारिज करने की पुष्टि की थी।

अब राणा के पास सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए केवल 45 दिन का समय है। सुप्रीम कोर्ट से अपील खारिज होने के बाद प्रत्यर्पण में ज्यादा से ज्यादा 45 दिनों की देरी हो सकती है। अमेरिकी सरकार की अदालतों की वेबसाइट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट हर साल समीक्षा करने के लिए कहे जाने वाले सात हजार से ज्यादा मामलों में से केवल 100-150 को ही मंजूरी देता है।

तहव्वुर राणा डेविड हेडली का बचपन का दोस्त था। हेडली को अमेरिका के अधिकारियों ने अरेस्ट किया था और मुंबई हमलों में शामिल होने के लिए उसे 35 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

राणा ने पाकिस्तान के हसन अब्दल कैडेट स्कूल में पढ़ाई की थी। वहां पर हेडली ने भी पांच साल तक पढ़ाई की थी। पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करने के बाद राणा कनाडा चला गया और आखिरकार उसे कनाडा की नागरिकता मिल गई। बाद में उसने शिकागो में फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से एक कंसल्टेंसी फर्म की स्थापना की।

मुंबई में इस कारोबार की एक ब्रांच ने हेडली को पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के टारगेटों की पहचान करने और उन पर निगरानी रखने के लिए बेहतरीन कवर दे दिया। 26/11 के हमलों में 26 नवंबर, 2008 को 10 लश्कर आतंकवादियों ने मुंबई में धावा बोला और लगातार तीन दिनों तक शहर आतंक की चपेट में रहा। हिंसा में 6 अमेरिकियों समेत 166 लोगों की जान चली गई। हमलों को अंजाम देने वाले पाकिस्तानी नाव के जरिए भारत में पहुंचे। इस बात की जानकारी बाद में मिली थी।

अक्टूबर 2009 में शिकागो के ओहारे एयरपोर्ट पर हेडली की गिरफ्तारी के तुरंत बाद राणा को अमेरिकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

उसे 2011 में शिकागो में भारत पर हमले के लिए लश्कर-ए-तैयबा को मदद देने और और 2005 में पैगंबर के कार्टून छापने वाले डेनिश अखबार जाइलैंड्स-पोस्टेन पर हमला करने की कभी न अंजाम दी गई साजिश का समर्थन करने का दोषी ठहराया गया था। हालांकि, अमेरिका में जूरी ने राणा को मुंबई में हमलों के लिए मदद देने के ज्यादातर गंभीर आरोपों से मुक्त कर दिया है।

संचार तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-भूटान

नई दिल्ली 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को यहां अपने निवास पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच संचार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी चर्चा की।

सूत्रों के अनुसार श्री सिंधिया और भूटान के प्रधानमंत्री के बीच दो देशों के बीच दूरसंचार और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी बातचीत हुई। श्री सिंधिया ने भूटान के प्रधानमंत्री का विशेष स्वागत करते हुए उन्हें चंदेरी के बुनकरों द्वारा बनाया गया

अंगवस्त्र भेंट किया। यह अंगवस्त्र खासतौर से श्री तोबगे के लिए चंदेरी से कल दिल्ली मंगवाया गया था। लाल रंग के इस अंगवस्त्र पर हाथ से बाघ चित्रित किए गए थे, जो भूटान और ग्वालियर चम्बल क्षेत्र की बढ़ती बाघ संख्या का प्रतीक हैं। मुलाकात के बाद श्री सिंधिया ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भूटान के साथ दूरसंचार और आईसीटी क्षेत्रों में सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई।

भारत ने अपना स्वयं का 4जी स्टैक और यूपीआई विकसित करने और उन्हें सामाजिक विकास के लिए उपकरण के रूप में उपयोग करने में एक उदाहरण स्थापित किया है। इन प्रौद्योगिकियों पर काम करने और दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। भूटान के प्रधानमंत्री इस वक्त भारत दौरे पर हैं और सोमवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई।

जेपीसी में अमर्यादित आचरण के लिए टीएमसी सदस्य निलंबित

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।
संसदीय समिति में वक्फ विधेयक पर चल रही बैठक में अमर्यादित आचरण करने के कारण तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। वक्फ विधेयक पर संयुक्त समिति की बैठक में टीएमसी सदस्य कल्याण बनर्जी की भाजपा के अभिजीत गंगोपाध्याय के साथ तीखी बहस हो गई। इस दौरान बनर्जी ने कांच की बोतल तोड़कर अभिजित की तरफ फेंकी। इससे उनके खुद के अंगूठे और तर्जनी में चोट लग गई। टीएमसी सांसद को तुरंत प्राथमिक उपचार देना पड़ा। बाद में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आपा नेता संजय सिंह उन्हें बैठक कक्ष में वापस ले जाते हुए नजर आए।

भाजपा के जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और वकीलों के एक समूह के विचार सुन रही थी। तभी विपक्षी सदस्यों ने सवाल किया कि विधेयक में उनका क्या हित है। इसके बाद बहस बढ़ गई।

आतंकी भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़

जम्मू, 22 अक्टूबर (ब्यूरो)।
काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने कश्मीर में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देकर श्रीनगर, गंदरबल, बांडीपोरा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पुलवामा समेत कई जिलों में छापेमारी की और ऑपरेशन के दौरान, नए बने आतंकी संगठन श्तहरीक लबैक या मुस्लिम (टीएलएम) के भर्ती माड्यूल को ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों का मानना है कि यह समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक हिस्सा है, जिसे कथित तौर पर बाबा हमास नाम के एक पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर द्वारा संचालित किया जा रहा था। कश्मीर सीआईके ने कश्मीर में 10 स्थानों पर तलाशी ली। अब तक 14 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। 7 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस विंग कश्मीर ने पाकिस्तानी आतंकवादी हैंडलर से जुड़े एक भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह, काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने श्रीनगर, गंदरबल, बांडीपोरा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पुलवामा सहित जम्मू और कश्मीर के कई जिलों में कई स्थानों पर समन्वित तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में एक नए उभरे आतंकवादी संगठन, तहरीक लबैक या मुस्लिम (टीएलएम) द्वारा चलाए जा रहे भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ, जिसे कुख्यात लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक हिस्सा माना जाता है।

सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन पर बरसाई गोलियां

जम्मू, 22 अक्टूबर (ब्यूरो)। भारतीय सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास देखे गए एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं हैं। ड्रोन को नियंत्रण रेखा के आसपास मंडराते देखा गया, जिसके बाद जवानों ने खतरे को बेअसर करने के प्रयास में गोलियां चलाईं। ड्रोन का पता लगाने और किसी भी संभावित खतरे का आकलन करने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

गगनगीर आतंकी हमले के बाद प्रवासी श्रमिकों का कश्मीर से पलायन!

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 अक्टूबर।
गगनगीर में आतंकी हमले में एक डाक्टर समेत सात प्रवासी नागरिकों की मौत के बाद प्रवासी नागरिकों द्वारा कश्मीर त्यागने की खबरों पर बवाल मचा हुआ है। प्रवासी नागरिकों ने अपने घरों को लौटना आरंभ कर दिया है पर पुलिस ऐसा कुछ होने से इंकार करते हुए कहती है कि उन्हें किसी ने भी कश्मीर छोड़ने को नहीं कहा है। जबकि नागरिक प्रशासन के शब्दों में प्रवासी नागरिकों पर ऐसा कोई दबाव नहीं है।

यह सच है कि आतंकी हमले के बाद वहां प्रवासी मजदूरों में डर का माहौल है और वो जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के गंदरबल में हुए आतंकी हमले के बाद से वहां के प्रवासी मजदूर खुद को असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहे हैं। इसके बाद से बिहार और देश के अन्य राज्यों के मजदूरों ने कश्मीर को छोड़ना शुरू कर दिया है। हालांकि कश्मीर पुलिस का दावा है कि सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी खबरें झूठी हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन ने गैर-स्थानीय श्रमिकों को कश्मीर छोड़ने के लिए कहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ट्विटर पर लिखा है कि सभी व्यक्तियों को बिना किसी डर या भय के अपनी आजीविका चलाने के लिए सुरक्षा और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए वह प्रतिबद्ध है। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी झूठी सूचनाओं पर ध्यान न दें।

दरअसल, बारामुल्ला के रफियाबाद इलाके में बाहरी राज्यों के सैकड़ों मजदूर लेबर और राज मिस्त्री के तौर पर काम करते हैं। वहीं, कल देर शाम हुए भीषण आतंकी हमले के बाद वो डरे हुए हैं, उनके घर वालों के लगातार फोन आ रहे हैं और अब वो घाटी छोड़कर घर जाना चाहते हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से यहां काम कर रहे थे और शांति से अपनी आजीविका कमाते थे, लेकिन इस हमले ने उन्हें आतंकित कर दिया है और उनको अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है। एक प्रवासी मजदूर ने बताया कि हम यहां पर काम करने के लिए आए थे, जो बहुत अच्छे से हो रहा था। लेकिन जब से हम लोगों ने सुना है कि हमारे भाइयों को आतंकवादियों ने मार दिया, तब से हम लोग डर रहे हैं। घर में भी सभी को इस खबर की जानकारी लग गई है और घर वाले परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हमें बाहर निकलने से मना किया है, हम लोग कल से रुके हुए हैं। बाजार जाने, खाने-पीने और नहाने को लेकर कई समस्याएं हैं। इसलिए हमने बैग पैक कर जाने की योजना बना ली है, लेकिन रास्ते में क्या होगा पता नहीं।

एक अन्य प्रवासी मजदूर ने बताया कि कश्मीर के हालात बहुत खराब हैं। घर से बाहर निकलने से मना किया जाता है, खाने-पीने की चीज समय पर नहीं मिलती है। आतंकवादी हमले के बाद से घर वाले परेशान हो रहे हैं, इसलिए हम लोग घर जाने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार को आतंकी हमला हुआ था। इसमें अब तक सात लोगों के मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य घायल हैं।

इस बीच पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ़्ती ने उन रिपोर्टों पर चिंता जताई है कि स्थानीय प्रशासन सोनमर्ग में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गैर-स्थानीय मजदूरों पर जम्मू-कश्मीर छोड़ने का दबाव बना रहा है, जिसमें सात लोग मारे गए थे। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, मुफ्ती ने मजदूरों के बीच समझ में आने वाले डर को स्वीकार किया, लेकिन इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें छोड़ने के लिए मजबूर करने से स्थिति और खराब होगी और नकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां हाल ही में क्षेत्र में हुए शांतिपूर्ण और आतंक-मुक्त चुनावों को कमजोर कर सकती हैं, जिससे संभावित रूप से दूसरे राज्यों में काम करने और पढ़ाई करने वाले कश्मीरियों के खिलाफ प्रतिक्रिया हो सकती है।

पाकिस्तानी घुसपैठियों ने वारदात को दिया था अंजाम

जम्मू, 22 अक्टूबर (ब्यूरो)। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने खुद कहा है कि गगनगीर आतंकी हमले में शामिल विदेशी आतंकी ताजा घुसपैठ करके आए थे। इस रहस्योदघाटन के बाद सेना के उन दावों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है जिसमें वह कहती रही है कि एलओसी पर घुसपैठ पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। पर ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता है कि घुसपैठ पूरी तरह से थम गई है। यह सच है कि एलओसी पार से होने वाली घुसपैठ सुरक्षाबलों के लिए फिर से सिरदर्द बन चुकी है। उस पार से आने वाले आतंकी हिंसा को फैला रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण गगनगीर का आतंकी हमला है जिसमें आतंकियों ने यूटी के पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस कार्यकाल में पहले नरसंहार को अंजाम दिया था। उपराज्यपाल के बकौल, हमला करने वाले आतंकी बांदीपोरा के रास्ते से हाल ही में उस पार से घुसे थे जिन्हें जल्द ही मार गिराया जाएगा।

हालांकि सुरक्षाबल और एनआईए की टीमें इसके प्रति जानकारी एकत्र करने में जुटी हैं कि क्या स्थानीय आतंकियों ने ताजा घुसपैठ करने वाले आतंकियों का साथ दिया था या नहीं। आतंकियों को भी अनुमान नहीं था कि वे इतनी संख्या में नागरिकों को मारने में कामयाब रहेंगे। आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक नया मुखौटा संगठन है। इस हमले में सात लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक डाक्टर भी शामिल है।

नितिन गडकरी ने मणिपुर की 50 परियोजनाओं को दी मंजूरी

नागालैंड में कार्य प्रगति की समीक्षा की

नई दिल्ली 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मणिपुर में 1,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और नागालैंड में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की है।

श्री गडकरी यह जानकारी देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को कहा कि मणिपुर में 1,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग की 50 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है जिसमें 902 किमी की 44 परियोजनाएं राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में हैं। इन क्षेत्रों में 125 किमी की आठ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 12,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 777 किमी की शेष 36 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 की वार्षिक योजना में पर्वतीय क्षेत्र में 1,350 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 90 किलोमीटर है। केंद्रीय सड़क और अवसंचरना निधि के तहत मंत्रालय राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर दी गई राज्य की सड़कों पर कार्य की सूची को मंजूरी देता है। राज्य सरकार की प्राथमिकता सूची में कुल 111 कार्यों की परियोजनाएं हैं जिनमें से 57 को प्राथमिकता से मंजूरी दी गई है।

श्री गडकरी ने यह भी बताया कि सोमवार को नागालैंड के राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा की गई। उन्होंने एक्स पर लिखा, सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा, नागालैंड के उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में यहां नागालैंड में 545 किलोमीटर की 29 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में स्थिरता और लागत- दक्षता को प्राथमिकता देते हुए नागालैंड में गतिशीलता और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा, कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्त्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खड़ा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमड़ती रहेंगी
अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें
अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे.
आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी.
लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे.
थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 23 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 01:21 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु अहोरात्र
योग : शिव प्रात: 06:58 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:20 तक
चन्द्र राशि : मिथुन रात्रि 12:02 तक
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्वाति में रवि रात्रि 12:42 से , भद्रा दोपहर 01:18 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा हमेशा से किसान विरोधी रही है : अभय सिंह चौटाला

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने मंगलवार को हरियाणा की भाजपा सरकार पर किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध न करवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा वैसे तो किसान हितैषी होने का नाटक करती है, लेकिन वास्तव में हमेशा से किसान विरोधी रही है।

उन्होंने यहां जारी बयान में आरोप लगाया कि किसानों को कैसे प्रताड़ित करे, कैसे लाइन में खड़ा रखे और कैसे किसान अपने खेत में न जा सके, कैसे किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचा सके उसके लिये भाजपा हर संभव प्रयास करती है। आज हालत यह है कि खाद काला बाजार में खरीदना हो तो कोई कमी नहीं है, लेकिन किसानों को मिल नहीं रही। श्री चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने खाद के बैग का वजन भी कम कर दिया, कीमत भी बढ़ा दी और किल्लत भी कर दी। उन्होंने कहा कि एक तो किसानों को खाद कम मिल रही है, ऊपर से किसानों को खाद के साथ नैनो यूरिया, सल्फर, जिंक और अन्य सामान भी जबरदस्ती बेचा जा रहा है। खाद की कमी का एक कारण सरकार की मिलीभगत से खेती के लिये सब्सिडी वाले यूरिया का बड़े स्तर पर प्लाईवुड उद्योग में इस्तेमाल होना है। दरअसल प्लाईवुड उद्योग में टैक्रिकल खाद का प्रयोग करना होता है, लेकिन उसकी कीमत प्रति बैग तीन हजार रुपये है और सब्सिडी वाला बैग उन्हें 300 रूपये में मिलता है। यूरिया के लगभग आठ लाख बैग हर साल प्लाईवुड उद्योग में इस्तेमाल होता है।

इनेलो नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का पूरा ध्यान प्राइवेट कंपनियों को लाभ पहुंचाने और किसानों को बर्बाद करने पर है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को इस मामले संज्ञान लेते हुये किसानों को जल्द से जल्द खाद उपलब्ध करवाना चाहिये। पराली जलाने वाले किसानों की सरकार द्वारा दो सीजन तक फसल खरीद न करने और किसानों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेशों को किसान विरोधी और तानाशाही आदेश करार देते हुए श्री चौटाला ने कहा कि धान पराली को अगली फसल की बुआई से पहले गहरी जुताई द्वारा भूमि में मिलाना ही एकमात्र व्यावहारिक समाधान है, लेकिन इस पर किसान को 3000 रुपये प्रति एकड़ खर्च आता है। सरकार किसानों को पराली की गहरी जुताई के लिए 3000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दे तो पर्यावरण को पराली प्रदूषण से पूर्णतया मुक्त किया जा सकता है।

उन्होंने आम आदमी पार्टी की दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण के लिए हरियाणा के किसानों द्वारा खेतों में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराने पर कहा कि दिल्ली में आपा पूरी तरह से असफल है और अपनी नाकामयाबी का पूरा दोष हरियाणा के किसानों के ऊपर मढ़कर अपना पल्ला झाड़ रही है। उन्होंने कहा कि दरअसल दिल्ली में प्रदूषण का कारण इन महीनों में हवा की गति कम होने और ठंड बढ़ने से धुंआ न तो ऊपरी सतह पर जा पाता है और न ही कहीं दूर जा पाता है, बस एक जगह रूक जाता है और इसी कारण से वायु प्रदूषण बढ़ता है।

कांग्रेस एक पार्टी नहीं गुटों का समूह: विज

अंबाला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं है, बल्कि विभिन्न गुटों का समूह है। मीडिया से बातचीत में श्री विज ने अब तक कांग्रेस विधायक दल का नेता न चुने जाने के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि यह उनका अंदरूनी मामला है, लेकिन कांग्रेस कोई एक पार्टी नहीं है, यह विभिन्न गुटों का समूह है। उन्होंने कहा कि यह सब मिल बैठकर कोई एक फैसला नहीं कर सकते।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के चुनाव में गड़बड़ी की आशंकाओं को लेकर कांग्रेस के अदालत जाने के बयान पर श्री विज ने कहा कि अदालतें सबके लिये खुली हुई हैं, चाहे जहां जाएं। चुनाव हो गया है और चुनाव आयोग ने जवाब दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब हारती है, ईवीएम खराब होती है।

श्री विज ने बताया कि 25 अक्टूबर को सत्र सीमित अवधि का होगा, जिसमें विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी, नियमित सत्र दिवाली के बाद हो पाएगा।

महिला कैदियों को रोजगारपरक बनाने की दिशा में हो रहा काम : भाटिया

सिरसा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने मंगलवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया और कहा कि जेल में महिला कैदियों को रोजगारपरक बनाने की दिशा में काम हो रहा है।

श्रीमती भाटिया ने वहां रह रही महिला कैदियों की स्थिति के बारे में जेल अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महिला कैदियों को दी जा रही सुविधाओं के साथ–साथ साफ–सफाई व्यवस्था की भी बारिकी से जायजा लिया। श्रीमती भाटिया ने कहा कि सिरसा की जेल में 48 से 50 महिला बंदी हैं। यह बहुत ही अफसोस की बात है कि बहुत सी महिला कैदी हेरोइन (चीट्टे) के केस में बंद है। ऐसी महिला बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोडऩे के लिए आयोग की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हें रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि जब भी ये बाहर निकले तो समाज की मुख्यधारा से जुड़ें और दोबारा अपराध की ओर ना जाएं। इस संबंध में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के साथ बातचीत की गई है और जल्द ही इस दिशा में कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जेल अधीक्षक कैदियों को नशा से मुक्त करने व क्राइम लाइन से दूर करने की दिशा में बेहतर प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए कैदियों को स्पोर्टस, कुकिंग, पैकिंग आदि कार्य जोड़ा जा रहा है, जो कि बहुत ही सराहनीय पहल है। महिलाओं के मामले में ऐसी कई महिला बंदी है, जिन्हें उनके परिवार या सगे संबंधी स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे में ये महिलाएं दोबारा से अपराध की ओर चली जाती हैं। इसके लिए हमने महिलाओं की टीम बनाई है, जो कि इन महिला कैदियों को कानूनी सहयोग के साथ–साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडऩे की दिशा में कार्य करेंगी। इसी कड़ी में महिला कैदियों को ड्रोन प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम बनाया गया है, ताकि बाहर आने पर ये महिलाएं अपने स्वयं का रोजागर कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ सकें।

आंधी बरसात से मेले में भारी नुकसान

भरतपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में सोमवार को अपराह्न अचानक आंधी बरसात से उत्तर भारत के प्रसिद्ध मेलों में शुमार श्री जसवंत प्रदर्शनी एव पशु मेला तहस नहस हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मेले में लगे बड़े बड़े विशालकाय झूले ताश के पत्तों की तरह धराशायी होकर जमीन पर आ गिरे। दुकानों में से करीब 70 प्रतिशत दुकानों के टेंट फट गए या तेज अंधड़ में उड़ गए। ज्यादातर दुकानों में रखा सामान भीग कर खराब हो गया या नष्ट हो गया। सर्कस का टैंट उड़ गया। दुकानों की बल्लियां उखड़ गईं। सीसीटीवी कैमरे टूट गए।

प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि तेज अंधड़, बरसात और ओलावृष्टि की वजह से मेले में व्यापारियों का लाखों का नुकसान हुआ है जबकि धराशायी हुए झूलों के मालिक ने बताया कि उसे अकेले ही करीब 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। नुमाईश में अपनी दुकानें लगाने वाले व्यापारी इस तबाही से काफी सदमे में हैं और अभी वे अपने नुकसान का हिसाब भी नहीं लगा पा रहे। दूसरी तरफ मेला स्थल के अंदर एवं आसपास जलभराव हो जाने से श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला करीब तबाह नजर आ रहा है। एहतियात के तौर पर मेले की बिजली आपूर्ति काट दी गई है।

किसान, जवान और खिलाड़ियों के लिए जब तक जिंदा हूं लड़ती रहूंगी : विनेश

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहलवान और हरियाणा में जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने मंगलवार को कहा कि वह जब तक जिंदा हैं, किसान, जवान और खिलाड़ियों के लिए लड़ती रहेंगी। विनेश ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि किसानों के लिए जब वह राजनीति में नहीं थीं, तब भी आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा कि किसान, जवान और खिलाड़ी देश की नींव हैं और उनके लिए वह सदा लड़ेंगी। राजनीति में आने और विधायक बनने के बाद उन पर आई जिम्मेदारी के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी तो तब भी उनके ऊपर रहती थी जब वह देश के लिए खेलती थीं। अब विधायक बनने के बाद निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की तो आस है ही, देश की नजर उन पर है। उन्होंने कहा, मैं विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि हमने जो लड़ाई लड़ी थी, वह हर उस बहन–बेटी की लड़ाई है जो लड़ना जानती है, जो लड़ना चाहती है उसकी लड़ाई लड़ने का काम हम करेंगे।

साक्षी मलिक के इस बयान कि लड़ाई कमजोर हो गई है, विनेश ने कहा कि लड़ाई कमजोर नहीं हुई है, जब तक वह कमजोर नहीं होते, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि जब तक साक्षी, बजरंग और विनेश जिंदा हैं, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और और डटकर मैदान में रहना चाहिए, संघर्ष करना चाहिए, जिसके लिए वह तैयार हैं।

रोडवेज बस टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकराई, 15 से अधिक यात्री घायल

यमुनानगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में सवारियों से भरी रोडवेज बस तेजी से टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर कुछ को मामूली चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद वापस भेज दिया। हादसा थाना छप्पर क्षेत्र के मिल्क माजरा टोल प्लाजा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मंगलवार को हरियाणा रोडवेज बस यमुनानगर से सवारी लेकर अंबाला के लिए रवाना हुई थी। अंबाला रोड पर मिल्क माजरा टोल प्लाजा पर पहुंचने पर बस का प्रेशर पाइप फट गया। जिससे बस पर चालक का नियंत्रण नहीं रहा। चालक ने बस को कंट्रोल करने का प्रयास किया। लेकिन,

बस टोल प्लाजा के डिवाइडर से सीधी टकरा गई।

हादसे में चालक समेत करीब 20 यात्री घायल हो गए। कुछ को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को नागरिक अस्पताल जगाधरी में लाया गया। 15 घायलों का अस्पताल में उपचार किया गया। सभी को मामूली चोट लगी हैं। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। चिकित्सकों ने ज्यादातर घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

पराली जलने से रोकने में नाकाम 24 अधिकारी–कर्मचारी सस्पेंड

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में पराली जलाने के मामलों में कमी नहीं आ रहीं है। पराली जलाने से रोकने में नाकाम अलग अलग जिलों में तैनात 24 अधिकारियों/कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। हरियाणा कृषि विभाग की तरफ से आदेश जारी कर दिए गए है। सस्पेंड होने वाले कर्मचारियों में पानीपत के दो, हिसार के दो, जींद के दो, कैथल के तीन, करनाल के तीन, फतेहाबाद के तीन, कुरुक्षेत्र के चार, अंबाला के तीन और सोनीपत के दो कर्मचारी शामिल हैं। इन सभी की ड्यूटी पराली जलाने से रोकने के लिए अलग अलग जिलों में गठित विशेष टीम में लगाई गई थी।

फसल अवशेषों में लगाई जा रही आग की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर प्रदेश सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। किसानों पर ही नहीं कृषि अधिकारियों पर भी कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मंगलवार को विभाग के 24 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें चार अधिकारी कुरुक्षेत्र जिला के हैं। इनमें लाडवा के बीएओ अमित कंबोज, थानेसर के विनोद कुमार, शाहाबाद के ओमप्रकाश और पिपली के एडीओ प्रताप सिंह शामिल। इस कार्रवाई से विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खलबली मच गई है। उधर पुलिस प्रशासन ने शिकायतें मिलने पर जिला के 47 किसानों पर अलग–अलग थानों में मामला भी थी दर्ज कर लिया है। संभावना जताई जा रही है कि किसी भी समय किसानों की गिरफ्तारी हो सकती हैं।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में यूएई से तीन लाख करोड़ का ऐतिहासिक एमओयू

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक समझौता किया गया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और यूएई के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। श्री सुवैदी और राजस्थान में उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह निवेश प्रदेश के पश्चिमी जिलों में 60 गीगावाट क्षमता की सोलर, विंड एवं हाइब्रिड परियोजना की स्थापना के लिए किया जाएगा।

यह ऐतिहासिक एमओयू अक्षय ऊर्जा से संबंधित आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए एक दीर्घ अवधिक विद्युत परियोजना की स्थापना के माध्यम से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया। इस पहल के तहत यूएई एक योग्य एवं सक्षम डेवलपर की नियुक्ति भी करेगा जो प्रदेश में शासन–प्रशासन के स्तर पर समन्वय स्थापित कर परियोजना को तेजी से साकार रूप प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री द्वारा राइजिंग राजस्थान समिट के तहत किए जा रहे प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश में निवेश की विश्वसनीयता बढ़ी है। समिट के तहत अब तक निजी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश किया जा रहा था लेकिन अब एक कदम आगे बढ़कर संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा सरकारी फंड से प्रदेश में निवेश के लिए यह महत्वपूर्ण एमओयू किया गया है। इस ऐतिहासिक एमओयू के तहत राज्य में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। केन्द्र सरकार ने देश में 500 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान को 250 गीगावॉट के सोलर प्लांट लगाने होंगे। यूएई के साथ यह साझेदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। यह परियोजना ऊर्जा उत्पादन में वांछित बदलाव लेकर आएगी साथ ही, इससे राजस्थान

संवहनीय ऊर्जा नवाचारों के मॉडल के तौर पर भी उभरेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि अनुकूल निवेश नीतियों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की पसंद बना है। आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है। अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। लगभग 10 महीने के कार्यकाल में 32 हजार मेगावॉट के संयंत्र लगाने के एमओयू साइन किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में भारत और यूएई के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है। यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है जबकि भारत से होने वाले निर्यात में यूएई दूसरे पायदान पर है। यह दोनों देशों के संबंधों की प्रगाढ़ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में दोनों देशों के बीच हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) से द्विपक्षीय व्यापार के नए अवसर खुल रहे हैं।

यूएई के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी ने कहा कि नवीकरणीय संसाधनों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की ओर इस बदलाव में यूएई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियां ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के लिए सर्वथा उपयुक्त हैं। निश्चित रूप से ये नवाचार ही आगे चलकर ऊर्जा क्षेत्र की तस्वीर बदलेंगे।

इस दौरान श्री शर्मा ने आगामी नौ से ग्यारह दिसम्बर तक जयपुर में आयोजित होने जा रहे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 में श्री सुवैदी को आमंत्रित किया। श्री शर्मा ने उन्हें राजस्थान में अक्षय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा भंडारण, वितरण के साथ–साथ होटल एवं पर्यटन और अवसंरचना विकास परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पंप स्टोरेज ऊर्जा उत्पादन, सौर ऊर्जा, पेयजल परियोजनाओं एवं हाइवे निर्माण में वृहद स्तर पर परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। ऐसे में यूएई के सॉवरिन वेल्थ फंड और अन्य फंड्स के लिए राजस्थान में निवेश के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने यूएई की तरफ से व्यापारिक संगठनों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ की राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में अधिकाधिक भागीदारी के लिए भी अनुरोध किया। उन्होंने जयपुर से यूएई की सीधी एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के बारे में भी चर्चा की।

5 शुभ संयोग में कल रखा जाएगा

अहोई अष्टमी व्रत

सभी जगह दिपावली की तैयारी घरों सहित बाजारों में शुरू हो चुकी है। 24 अक्टूबर को गुरु पुष्य योग रहेगा। जिनमें प्रॉपर्टी, ज्वैलरी, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक खरीदना शुभ होगा। इस दिन अहोई अष्टमी व्रत भी रखा जायेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि दीपावली पर्व के अवसर पर नया सामान खरीदने की परम्परा शुरू से ही रही है। 24 अक्टूबर को गुरु पुष्य योग है। इसमें खरीदारी करना अत्यंत शुभ माना जाता है। गाड़ी, स्वर्ण, चांदी, वस्त्रत्, बर्तन की खरीदारी शुभ रहेगा। अहोई अष्टमी इस साल 24 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं । अहोई अष्टमी पर साध्य योग, पुष्य नक्षत्र, गुरु पुष्य योग, अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। वहीं, गुरु पुष्य योग को आभूषण, गाड़ी, भूमि, भवन, गृह सामग्री फ्रिज, टीवी आदि खरीदना शुभ साबित होगी। अपने पसंदीदा सामान की इस दौरान खरीदारी कर घरों में खुशियां ला सकते हैं। शनि को काल पुरुष की ऊर्जा और पुरुषार्थ की प्रेरणा का कारक माना जाता है। बृहस्पति को आध्यात्म, शिक्षा, ज्ञान और त्याग का कारक बताया गया है। पुष्य नक्षत्र के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी है। ऐसे में हर प्रकार के कार्य सिद्ध माने गए हैं। इसलिए सुख-सुविधा को देखते हुए खरीदी करने की मान्यता है ।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि यानी 24 अक्टूबर को खरीदी का महामुहूर्त 'पुष्य नक्षत्र' रहेगा। गुरुवार होने से यह 'गुरु पुष्य' नक्षत्र कहलाएगा। इस दिन खरीदारी स्थायी और सुख-समृद्धि देने वाली मानी जाती है। धन की देवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है। गुरु पुष्य नक्षत्र को 27 नक्षत्रों के समूह में राजा कहा जाता है। ज्योतिष गणना में पुष्य नक्षत्र का स्वामी शनि और उप स्वामी बृहस्पति है। अहोई अष्टमी व्रत का महत्व बहुत ही खास माना गया है। इस व्रत को करने से आपकी संतान खुशहाल होने के साथ ही दीर्घायु भी होती हैं। हर प्रकार के रोगों से उनकी रक्षा होता है और स्याऊं माता बच्चों का भाग्य बनाती हैं और उनको हर बुरी नजर से बचाती हैं। इस व्रत को करने से आपके घर में सुख समृद्धि बढ़ती हैं और आपके घर में बच्चे करियर में खूब तरक्की करते हैं। यह व्रत सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक रखा जाता है और बिना अन्न जल ग्रहण तारों को जल अर्पित करने के बाद ही यह व्रत खोला जाता है।

अहोई अष्टमी - अहोई अष्टमी इस साल 24 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं और इस साल यह तिथि 24 अक्टूबर को सुबह 1:18 मिनट पर शुरू होगी और 25 अक्टूबर को सुबह 1:58 मिनट पर खत्म होगी। उदया तिथि की मान्यता के अनुसार, अहोई अष्टमी का व्रत 24 अक्टूबर को रखा जाएगा।

5 शुभ संयोग- इस साल की अहोई अष्टमी पर 5 शुभ संयोग बन रहे हैं। अहोई अष्टमी पर साध्य योग, पुष्य नक्षत्र, गुरु पुष्य योग, अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। इन 5 शुभ संयोगों के कारण अहोई अष्टमी का दिन और भी अधिक शुभ फलदायी और महत्वपूर्ण है।

1. साध्य योग: प्रात:काल से लेकर अगले दिन सुबह 05:23 बजे तक
2. गुरु पुष्य योग: पूरे दिन
3. सर्वार्थ सिद्धि योग: पूरे दिन
4. अमृत सिद्धि योग: पूरे दिन
5. पुष्य नक्षत्र: पूर्ण रात्रि तक

गुरु पुष्य योग - ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को अतिशुभ माना जाता है। दीपावली से 7 दिन पहले 24 अक्तूबर को गुरुवार के दिन यह नक्षत्र रहेगा। जब भी गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होता है तो इसे गुरु पुष्य की संज्ञा दी जाती है। इस दिन सोना-चांदी और अचल संपत्ति खरीदने से बहुत लाभ मिलता है। माना जाता है कि, इस नक्षत्र में आप जो भी चीज खरीदते हैं वो बरकत देती है। उससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आती है और पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहता है। पंचांग के अनुसार 24 अक्टूबर सुबह 11:38 बजे से 25 अक्टूबर दोपहर 12:35 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। पुष्य नक्षत्र शनि प्रधान है, लेकिन इसकी प्रकृति गुरु जैसी होती है। इस दिन स्वर्ण आभूषण,
हीरा, देव प्रतिमा,
भूमि-भवन, वाहन, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन खरीदना चाहिए।

इसलिए आप गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह 11:45 से खरीदारी शुरू कर सकते हैं और अगले दिन भी दोपहर तक खरीदारी करना शुभ माना जाएगा। हालांकि अगर आप जमीन या किसी भी तरह की अचल संपत्ति खरीदना चाहते हैं तो, उसके लिए गुरुवार का दिन ही ज्यादा शुभ माना जाएगा।

हर प्रकार की खरीदी शुभ

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु पुष्य नक्षत्र में सोने, चांदी के आभूषण, चांदी की प्रतिमा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल्स, जमीन, प्लॉट, मकान, फैक्ट्री आदि में निवेश किया जा सकता है। यह समृद्धि देने वाला होगा। पुष्य नक्षत्र का स्वामी शनि होने से स्थायी संपत्ति की खरीदी यानी भूमि, भवन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान विशेष फलदायी माने जाते हैं।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन), इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

लक्ष्मी-नारायण की पूजा से समृद्धि

गुरु पुष्य योग में माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन माता लक्ष्मी को खीर, दूध से बनी मिठाई और भगवान विष्णु को तुलसी दल, पंचामृत, गुड़ आदि का भोग लगाने का विधान है। कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। लक्ष्मी-नारायण की कृपा से धन-संपत्ति में बढ़ोत्तरी होती है।

752 साल बाद बनेगा ऐसा संयोग

गुरुवार 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र रहेगा। गुरुवार को होने वाले पुष्य नक्षत्र को गुरु पुष्य या मिनी धनतेरस भी कहते हैं। इस योग में खरीदारी और नई शुरुआत करना शुभ माना जाता है। हर साल दीपावली से करीब 7 दिन पहले पुष्य नक्षत्र आता है। इसी दिन से दीपावली की खरीदारी भी शुरू हो जाती है। नया काम या बिजनेस भी शुरू किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार दीपावली से पहले गुरु पुष्य योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है। 24 अक्तूबर को पुष्य नक्षत्र की शुरुआत सुबह से हो जाएगी, जो पूरे दिन रहेगा। इसके अलावा इस दिन महालक्ष्मी, सर्वार्थसिद्धि, अमृतसिद्धि, पारिजात, बुधादित्य और पर्वत योग भी बनेगा। दीपावली से पहले गुरु पुष्य नक्षत्र के साथ इतने शुभ योग के बनने के कारण खरीदारी, नया काम शुरू करने और निवेश के लए अच्छा समय है।

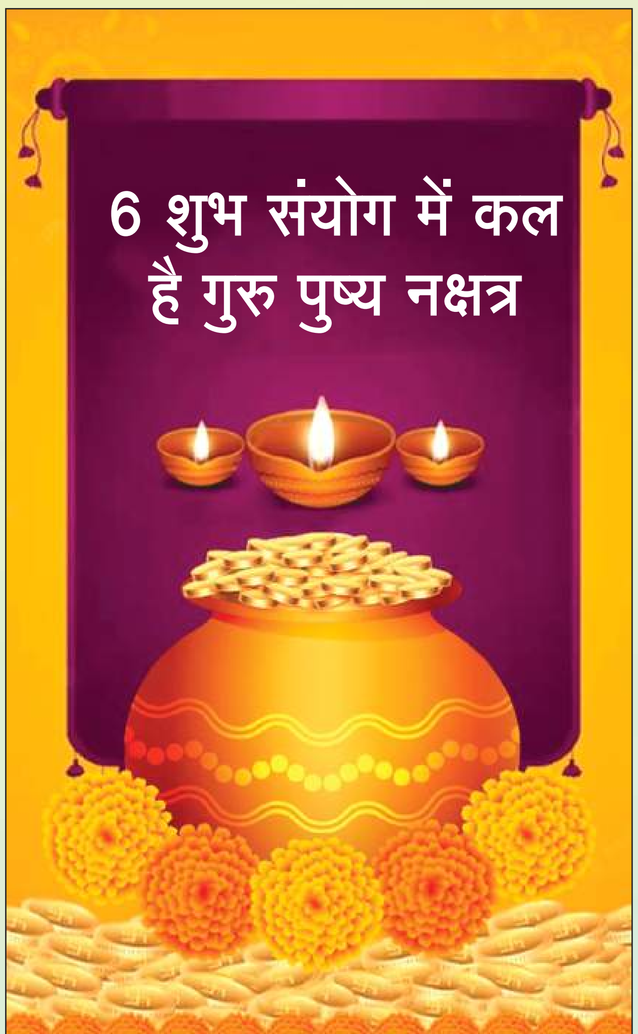

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पंचांग के अनुसार, 24 अक्टूबर को दोपहर 11.38 से 25 अक्टूबर को दोपहर 12.35 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। इतने शुभ योग के प्रभाव से लंबे समय तक धन लाभ, सुख और समृद्धि मिलेगी। इस संयोग में सोना-चांदी, बर्तन, कपड़े, फर्नीचर, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, व्हीकल और प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। रियल एस्टेट में किया निवेश भी लंबे समय तक फायदा देने वाला रहेगा। बिजनेस के बड़े सौदों के लिए भी यह दिन फायदेमंद रहेगा।

नक्षत्र का स्वामी शनि और इसके देवता बृहस्पति होते हैं। ये दोनों ग्रह अच्छी स्थिति में है। इन ग्रहों के प्रभाव से सोना-चांदी, मशीनरी और रियल एस्टेट में बड़े निवेश होने की उम्मीद है। इस शुभ योग में किए गए इन्-वेस्टमेंट से आने वाले दिनों में बड़ा फायदा होने की संभावना है। ग्रह-स्थिति के मुताबिक शेयर मार्केट में गिरावट होने की आशंका है। ऐसे समय में किया गया निवेश आने वाले दिनों में बड़ा फायदा दे सकता है। पुष्य नक्षत्र में किए गए काम दोषमुक्त होते हैं और जल्दी ही सफल हो जाते हैं। रविवार और गुरुवार को पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र बेहद शुभदायक माना जाता है। पुष्य अन्ध नक्षत्र है। इस नक्षत्र में खोई हुई चीज जल्दी मिल भी जाती है।

नए काम और व्यापार की शुरुआत करने के लिए गुरु पुष्य नक्षत्र का सबसे शुभ माना गया है। इस दिन प्रॉपट्री, नया घर या गृह प्रवेश के लिए शुभ माना जाता है। पुष्य नक्षत्र पर गुरु, शनि और चंद्रमा का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। ऐसे में इस दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इस दिन आभूषण और पीपल के बर्तन खरीदने का महत्व होता है। गुरु पुष्य नक्षत्र में छोटे बच्चों को विद्यारंभ करवाना अच्छा माना जाता है।

नक्षत्रों का राजा है पुष्य

27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र है पुष्य। इसे नक्षत्रों का राजा भी माना जाता है। यह धन, यश और वैभव का प्रतीक है, इसलिए पुष्य नक्षत्र में शुभ कामों की शुरुआत, प्रॉपर्टी, व्हीकल की खरीदारी और निवेश करने की परंपरा चली आ रही है। माना जाता है इस नक्षत्र में सोना खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। पुष्य को सबसे अच्छा नक्षत्र माना जाता है। इसे शास्त्रों में अमरेज्य भी कहा गया है। यानी वो नक्षत्र जो जीवन में स्थिरता और अमरता लाता है। इस दौरान लंबे समय तक चलने वाले स्थायी काम करने चाहिए। इस बार दीपावली से पहले 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। यह हर तरह की खरीदारी के लिए सर्वोत्तम दिन माना जाता है। कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर गुरुवार को पड़ने की वजह से इसे गुरु पुष्य नक्षत्र भी कहते हैं। पुष्य नक्षत्र पर कर्क राशि में मंगल और चंद्र साथ आ रहे हैं। साथ ही लक्ष्मीनारायण, सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग छोटी से बड़ी हर तरह की खरीदी के लिए इस समय को शुभ और फलदायी बना रहा है। दीपावली से पहले आने से इसका और महत्व बढ़ गया है।

सर्वार्थ सिद्धि व अमृत सिद्धि योग

शुभ कार्य के लिए 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे और शाम 4:30 से रात 9 बजे तक सबसे अच्छा योग बन रहा है। 24 अक्टूबर को दिनभर सर्वार्थ सिद्धि के साथ अमृतसिद्धि योग शुभता प्रदान करेगा। इस नक्षत्र का प्रतीक चिह्न गाय का थन माना जाता है। इस योग में किए गए कार्यों में सफलता निश्चित तौर पर मिलती है। साथ ही मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है। पुष्य नक्षत्र का स्वामी शनि होता है। देव गुरु बृहस्पति को पुष्य नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता माना गया है।

गुरु पुष्य योग का महत्व

तैत्रीय ब्राह्मण में कहा गया है कि, 'बृहस्पतिं प्रथमं जायमानः तिष्यं नक्षत्रं अभिसं बभूव। पुष्य नक्षत्र को बहुत ही शुभ माना गया है। जब गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग बने तो इसे गुरु पुष्य नक्षत्र योग के नाम से जाना जाता है, वहीं रविवार के दिन पुष्य नक्षत्र पड़ने के कारण इसे रवि पुष्य योग कहा जाता है। मुहूर्त ज्योतिष के यह श्रेष्ठतम मुहूर्तों में से एक है। नारदपुराण के अनुसार इस नक्षत्र में जन्मा जातक महान कर्म करने वाला, बलवान, कृपालु, धार्मिक, धनी, विविध कलाओं का ज्ञाता, दयालु और सत्यवादी होता है। आरंभ काल से ही इस नक्षत्र में किये गये सभी कर्म शुभफलदाई कहे गये हैं।

हर प्रकार की खरीदी शुभ

पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य पुण्यदायी और फल देने वाले होते हैं। पंचांग के अनुसार, 24 अक्टूबर को दोपहर 11.38 से 25 अक्टूबर को दोपहर 12.35 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र 27 नक्षत्रों में से 8वें स्थान में आता है। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। इसे 27 नक्षत्रों में से सबसे शुभ, पुण्य और पवित्र माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करने का प्रचलन है, इसलिए ही इसे शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में चल-अचल संपत्ति जैसे सोने, चांदी के आभूषण, सिक्के, महालक्ष्मी की प्रतिमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, फर्नीचर, बाइक-कार, उद्योग के लिए जमीन, प्लॉट की खरीदी सबसे ज्यादा शुभ मानी गई है। साथ ही पुष्य नक्षत्र में निवेश के लिए भी सबसे शुभ माना जाता है।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन),

इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

गुरु पुष्य नक्षत्र खरीदारी मुहूर्त

सोने-चांदी के आभूषण और वाहन खरीदने का मुहूर्त- सुबह 11.43 से दोपहर 12.28 तक

लाभ चौघड़ियां- दोपहर 12.05 से दोपहर 01.29 तक

शुभ चौघड़ियां- शाम 04.18 से 05. 42 मिनट तक

अहोई अष्टमी के दिन करें ये दान

बच्चे को लंबी उम्र के साथ मिलेगा ये वरदान

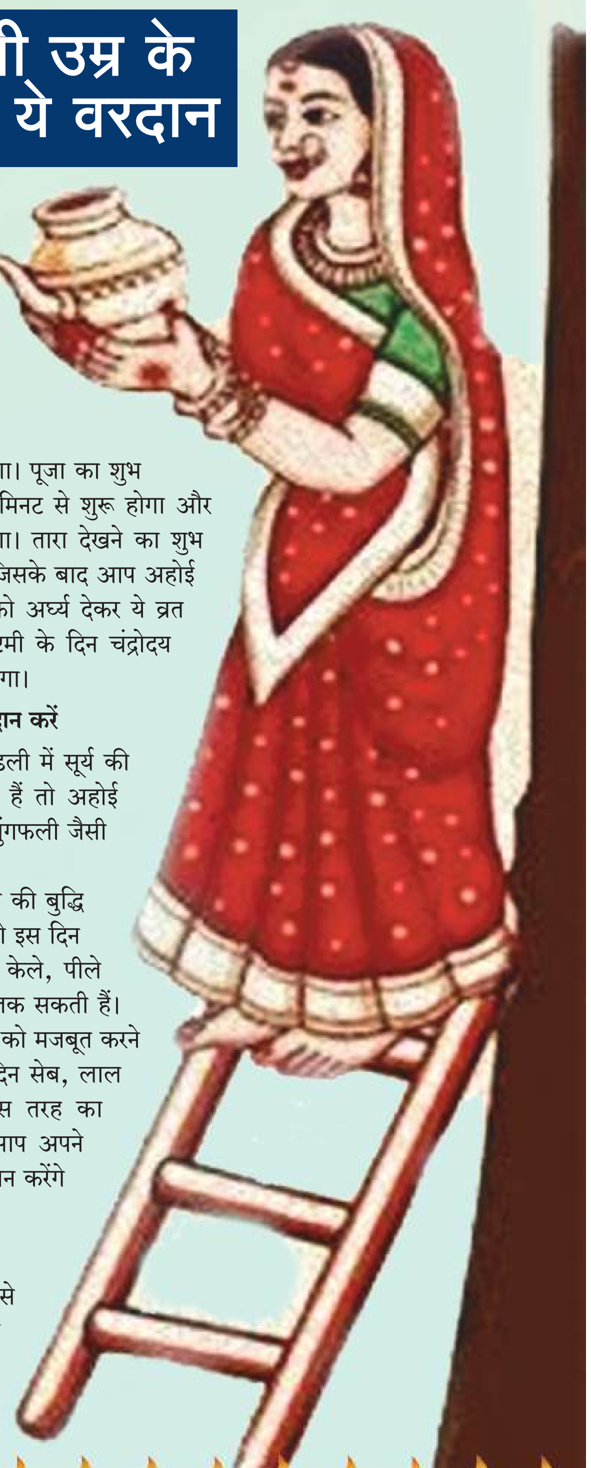

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का व्रत रखा जाता है । इस दिन माताएं अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। इस साल ये व्रत 24 अक्टूबर को रखा जाएगा। पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 42 मिनट से शुरू होगा और ये 6 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। तारा देखने का शुभ मुहूर्त 6 बजकर 6 मिनट का है, जिसके बाद आप अहोई माता की पूजा करते और तारों को अर्घ्य देकर ये व्रत खोल सकती हैं। वैसे अहोई अष्टमी के दिन चंद्रोदय रात 11 बजकर 55 मिनट को होगा।

अहोई अष्टमी पर क्या दान करें

अगर आप अपने बच्चे की कुंडली में सूर्य की स्थिति को मजबूत करना चाहती हैं तो अहोई अष्टमी के दिन गेहू, गुड़, शहद, मुंगफली जैसी चीज़ों का दान शुभ होगा।

भगवान विष्णु की कृपा से बच्चे की बुद्धि और समझ बढ़ती है। आप चाहें तो इस दिन पीली चीज़ें जैसे चने की दाल, केले, पीले रंग के कपड़े या मिठाई का दान तक सकती हैं।

कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए आप अहोई अष्टमी के दिन सेब, लाल मसूर की दाल, लाल कपड़े इस तरह का सामान दान कर सकते हैं। तो आप अपने बच्चे की कुंडली के अनुसार भी दान करेंगे तो इसके शुभ परिणाम मिलेंगे।

मनोकामना होगी पूरी

आप चाहें तो दान धर्म करने से पहले किसी विद्वान की राय ले सकते हैं, जो आपके बच्चे की कुंडली का गहन विश्लेषण कर आपको क्या दान करना चाहिए ये सही सलाह दे पाएगा।

डांसिंग वीडियो पर ट्रोलर्स ने किए भद्दे कमेंट्स तो भड़कीं दीपिका

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस दीपिका सिंह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपने डांस वीडियो को लेकर जमकर ट्रोल हो रही हैं। इसके बाद उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है।टीवी एक्ट्रेस दीपिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो हाल ही में शेयर किया, जिसमें वह फाल्गुनी पाठक के गाने अइयो रामा पर डांस करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह एक अनपॉलिश या बिना अभ्यास का वीडियो था।टीवी एक्ट्रेस दीपिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो हाल ही में शेयर किया, जिसमें वह फाल्गुनी पाठक के गाने अइयो रामा पर डांस करते हुए नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा कि यह एक अनपॉलिश, बिना तैयारी या बिना अभ्यास का वीडियो था।एक्ट्रेस को अपने अनपॉलिश वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। इस बीच एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स पर निशाना साधते हुए लिखा नफरत करने वाले नफरत करेंगे, मैं उन्हें ट्रोल करने जा रही हूं और यहां मैं आपको यह अनपॉलिश, बिना अभ्यास, बिना तैयारी, गंदे डांसिंग वीडियोज पोस्ट कर नीचा दिखाने का मौका दे रही हूं।ळटीवी जगत की खूबसूरत एक्ट्रेस ने आगे कहा कि नहीं मुझे ट्रोलर्स नहीं चाहिए, लेकिन, मैं अपने व्यस्त शेड्यूल के साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना चाहती हूं।उन्होंने आगे लिखा हां, मैं बेहतर कर सकती हूं। लेकिन, बेहतर करने के लिए हमें अभ्यास की जरूरत होती है और अभ्यास के लिए हमें समय की जरूरत होती है और मेरे पास बस इतना ही समय है।संध्या फेम एक्ट्रेस ने कहा कि अब आगे बढ़ो और कहो कि मैं यह जानबूझकर करती हूं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।टीवी एक्ट्रेस ने हैशटैग ट्रोलर्स स्ट्रेट टॉक आई लव माई सेल्फ दीपिका सिंह यूज कर अपनी बात रखी। दीया और बाती हम जैसे शो कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस अपने हालिया शो मंगल लक्ष्मी में काम करती नजर आ रही हैं।इस बीच एक्ट्रेस ने बताया कि ट्रोल होने और आलोचनाओं के बारे में उन्हें कैसा महसूस होता है।

दीपिका ने बताया कि इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आसपास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने शालीनता और जीवन तथा परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है, क्योंकि आप इससे बच नहीं सकते, चाहे कितनी भी सफलता क्यों न हो।एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि जब उन्हें बिना किसी कारण के ट्रोल किया जाता है, तो वह और भी अच्छा कर रही होती हैं। इस बीच दीपिका सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल वह कलर्स पर प्रसारित शो मंगल लक्ष्मी में नजर आ रही हैं।

दो पत्ती में कृति सेनन के डबल रोल को देख उलझीं काजोल

दो पत्ती बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बतौर निर्माता पहली फिल्म है। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति के अलावा काजोल भी हैं। लंबे इंतजार के बाद 14 अक्तूबर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था और इसे काफी पसंद किया गया। फिल्म की रिलीज से पहले दर्शकों के बीच और उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने दोनों अभिनेत्रियों का एक नया प्रोमो जारी किया है।नेटफ्लिक्स ने बहुप्रतीक्षित दो पत्ती का नया प्रोमो साझा किया। क्लिप में दर्शक काजोल को देख सकते हैं, जो एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो कृति सेनन के दोहरे अवतारों का सामना करते हुए भ्रमित हो जाती हैं।

कृति सौम्या सूद और शैली के रूप में नजर आएंगी। यह दृश्य निश्चित रूप से दर्शकों को हेमा मालिनी की 1972 में आई फिल्म सीता और गीता की याद दिलाएगा, जहां दिग्गज अभिनेत्री ने दोहरी भूमिकाएं निभाई थीं।प्रोमो शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, हम सब पड़ेंगे सीता और गीता के चक्कर में, 25 अक्तूबर को, दो पत्ती देखें नेटफ्लिक्स पर।

शहीर शेख ध्रुव सूद का किरदार निभा रहे हैं। कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित दो पत्ती काजोल द्वारा कृति और शहीर की प्रेम कहानी से जुड़े अपराध की जांच करने पर आधारित है। कहानी की एक बहन प्यार से घिरी एक सामान्य जिंदगी जीना चाहती है, जबकि दूसरी उसके सपनों और आकांक्षाओं को नष्ट करना चाहती है।इससे पहले ट्रेलर साझा करते हुए कृति ने एक भावुक नोट लिखा था, क्योंकि यह फिल्म निर्माता के तौर पर उनकी पहली फिल्म है।

अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, निर्माता के तौर पर मेरी पहली फिल्म, डबल रोल वाली मेरी पहली फिल्म, मेरी सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक.. यह तितली का कथा बहुत खास है, ट्विस्ट, टर्न, प्रतिद्वंद्विता, प्यार, चोट और एक महत्वपूर्ण विषय जिसके लिए पूरी टीम दृढ़ता से महसूस करती है। आप सभी द्वारा फिल्म देखने का इंतजार नहीं कर सकती। दो पत्ती का प्रीमियर 25 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर होने वाला है।

दुलकर सलमान की लकी भास्कर का ट्रेलर आउट

कॉमन बैंकर से करोड़पति बनने की मिस्ट्री में फंसे दिखे एक्टर

दुलकर सलमान स्टारर अपकमिंग ड्रामा थ्रिलर लकी भास्कर का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर रिलीज किया गया। वेंकी एटलुरी द्वारा लिखित और निर्देशित, इस फिल्म को एस नागा वामसी और साई सौजन्या ने सीथारा एंटरटेनमेंट, फॉर्च्यून फोर सिनेमा और श्रीकारा स्टूडियो के बैनर तले बनाया है।

फिल्म का ऑफिशियल अनाउंसमेंट इस साल की शुरुआत में फरवरी में किया गया था और मेकर्स ने दर्शकों के लिए मोस्ट अवेटेड ट्रेलर रिलीज कर दिया है।ट्रेलर में बास्कर को एक बैंकर के रूप में दिखाया गया है।

जो रोजमर्रा की जिंदगी की नीरस दिनचर्या जी रहा है। भास्कर के कैरेक्टर को एक आम आदमी की तरह दिखाया गया है। लेकिन फिर उसकी लाइफ में एक नया मोड़ आता है जब उसे एकदम से बहुत सारा पैसा मिलता है। एक्ट्रेस मीनाक्षी चौधरी भास्कर की लवर का रोल प्ले करती है। कहानी में कई अलग और रहस्यमयी मोड़ आते हैं जिससे पता चलता है कि ये एक सिंपल स्टोरी से कहीं ज्यादा होने का वादा करती है।

यह फिल्म 31 अक्टूबर को तेलुगु, मलयालम, तमिल और हिंदी सहित कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लकी भास्कर के अलावा, दुलकर सलमान की पाइपलाइन में कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें सुधा कोंगरा द्वारा निर्देशित एक फिल्म है जिनमें दुलकर, सूर्या, विजय वर्मा और नाजरिया नाजिम फहाद जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

सामंथा बनीं जेम्स बॉन्ड, वरुण धवन के दिखे खतरनाक स्टंट

एक्शन से भरपूर है सिटाडेल, हनी बनी का ट्रेलर

सिटाडेल: हनी बनी के मेकर्स ने शो का ट्रेलर रिलीज किया। वरुण धवन और सामंथा द्वारा एक्शन से भरपूर इस शो का निर्देशन द फैमिली मैन फेम राज और डीके ने किया है। ट्रेलर काफी मजेदार है क्योंकि शुरूआत से ही इसमें ड्रामा, मस्ती, एंटरटेनमेंट और ढेर सारा एक्शन नजर आता है। सामंथा-वरुण के अलावा इसमें के के मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिशर और काशवी मजूमदार खास रोल प्ले कर रहे हैं।हनी के रूप में सामंथा एक छोटी लड़की नादिया की मां की भूमिका निभाती हैं और जानती हैं कि कैसे एक प्रोटेक्टिव मदर और खतरनाक एजेंट बनना है। एक सीन में वह उनकी बेटी को बताती हैं कि वे एक सीक्रेट उसे बताना चाहती हैं। जिसके बाद वह कहती है कि वे एक एजेंट थीं तब उनकी बेटी कहती हैं मतलब जेम्स बॉन्ड की तरह। वहीं दूसरी ओर वरुण एक अनाथ बनी का रोल प्ले करते हैं और एक सीधा-सादा जासूस बनते हैं।रूसो ब्रदर्स द्वारा बनाई गई यह स्पाई थ्रिलर प्रियंका की सिटाडेट से जुड़ी है। दरअसल ट्रेलर लॉन्च के दौरान यह पता चला कि इस सीरीज में सामंथा की बेटी नादिया वही नादिया (प्रियंका चोपड़ा) है जिससे हम सिटाडेल सीरीज के पहले पार्ट में मिले थे, जो पहले से ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। बैकग्राउंड म्यूजिक, किरदारों के बीच की नोकझोंक और पीछा करने वाले सीन शो के लिए टोन सेट करते हैं, जिससे सिटाडेल की दुनिया में और भी मजा आता है और भरपूर एक्शन देखने को मिलता है।इस सीरीज को सीता आर मेनन ने राज और डीके के साथ मिलकर लिखा है।

इसे डी2आर फिल्म्स, अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है और रूसो ब्रदर्स के एजीबीओ ने इसका निर्माण किया है। एंथनी रूसो, जो रूसो, एंजेला रूसो-ओटस्टोट और एजीबीओ के स्कॉट नेमेस, डेविड वील (हंटर्स) के साथ मिलकर सिटाडेल: हनी बनी और सिटाडेल यूनिवर्स की सभी सीरीज को बनाया है। यह शो 7 नवंबर को भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और में प्रीमियर के लिए तैयार है।

शरवरी वाघ ने बैडमिंटन खेलते हुए शेयर की तस्वीरें

शरवरी वाघ का मंडे मोटिवेशन फैंस को रास आ रहा है। नीले कोर्ट पर ब्लैक ड्रेस में मुंज्या स्टार पसीना बहाती देखी जा सकती हैं। एक्टर ने तस्वीरें फैंस से शेयर की है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की सीरीज साझा कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा पेश है मंडे मोटिवेशन (सोमवार की प्रेरणा)।तस्वीरों में अभिनेत्री पैडल खेलते देखी जा सकती हैं। उन्होंने ऑल ब्लैक स्पोर्ट वियर में हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। उनके प्रशंसकों ने तारीफ कर कमेंट बॉक्स को भर दिया है।एक यूजर ने लिखा शरवरी मैम ऑन फायर। दूसरे ने कहा माई क्रशळ। तीसरे यूजर ने लिखा सुपर फिट अल्फा के लिए शुभकामनाएं।शरवरी वाघ निखिल आडवाणी की वेदाळ में नजर आई थीं। फिलहाल, वह वाईआरएफ की अपकमिंग प्रोजेक्ट अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हैं।इस फिल्म में शरवरी के साथ आलिया भट्ट भी हैं। फिल्म का निर्देशन द रेलवे मैन फेम शिव रवैल ने किया है।

आलिया और शरवरी दोनों ही कश्मीर की खूबसूरत वादियों में शूटिंग कर रही हैं।फिल्म में शरवरी, आलिया के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी हैं। बॉबी देओल कथित तौर पर फिल्म में विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अनिल कपूर भी फिल्म में अहम रोल में नजर आएंगे। अल्फाळ 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी।शरवरी ने साल 2015 में संजय लीला भंसाली और लव रंजन के लिए सहायक निर्देशक के रूप में करियर की शुरुआत की थी। वहीं, एक्टिंग में डेब्यू साल 2020 में किया। उन्होंने कबीर खान की एक्शन फिल्म द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी के लिए से शुरुआत की थी।

इसके बाद अभिनेत्री यशराज फिल्म की कॉमेडी बंटी और बबली 2 में नजर आई थीं। शरवरी को साल 2021 में फिल्म फेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिल चुका है। 2024 में ही वो कॉमेडी-हॉरर फिल्म मुंज्या में दिखाई दीं।

परिवारवाद की ओछी राजनीति का बड़ा भौकाल

तेज प्रताप के नामांकन में जुटा सैफई-यादव परिवार

मैनपुरी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैनपुरी की विधानसभा क्षेत्र करहल के उप चुनाव के लिए सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश में परिवारवाद की ओछी सियासत की विरासत वाला पूरा सैफई-यादव परिवार यानी बृहत्तर मुलायम परिवार तेज प्रताप के साथ नजर आया।

मुलायम के भाई शिवपाल के अखिलेश यादव के आगे सरेंडर करने के बाद सैफई परिवार में आई दरार अब धीरे-धीरे पट चुकी है। भतीजे का अपमान और नेतृत्व स्वीकार करने वाले चाचा शिवपाल को इसके एवज में बेटे आदित्य यादव का सांसद बनना देखना नसीब हुआ। करहल सीट से तेज प्रताप यादव के नामांकन के मौके पर चाचा शिवपाल और भतीजा अखिलेश यादव के साथ पूरा यादव कुनबा जमा हुआ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल यादव, बेटी अदिति और सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ पहुंचे। चाचा शिवपाल सिंह यादव अपने सांसद बेटे आदित्य यादव के साथ पहुंचे। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और मुलायम सिंह के छोटे भाई अभयराम यादव और अन्य रिश्तेदार भी पहुंचे।

परिवार प्रेम में सराबोर प्रोफेसर रामगोपाल ने तो यहां तक कह दिया कि करहल में चुनाव एकतरफा होगा। सैफई परिवार की एकजुटता का लाभ उन्हें करहल चुनाव में भी मिल सकता है। दरअसल, पहले से ही करहल विधानसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण सपा के हक में रहे हैं।

इस बीच, अब सैफई परिवार के एकजुट होने के चलते गुटबंदी पर भी लगाम लग जाएगी। पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव 2014 के उप चुनाव में मैनपुरी से पहली बार सांसद चुने गए थे। तब मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी सीट से जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, उन्होंने आजमगढ़ से सांसद रहने का निर्णय लिया था।

उप चुनाव में उन्होंने अपने पौत्र तेजप्रताप यादव को चुनाव लड़ाकर जीत दिलाई थी। वहीं, अब करहल सीट अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। ऐसे में अब तेज प्रताप पर अपने चाचा अखिलेश यादव की सीट की जिम्मेदारी है। यहां से बात भी दिलचस्प है कि 1996 में मुलायम ने मैनपुरी सीट से पहला लोकसभा चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी, वहीं अखिलेश ने करहल सीट से 2022 में पहला विधानसभा चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ही परिवारवाद की राजनीति की जीती जागती तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। यह उनके लिए गौरव करने वाला विषय था। भले ही प्रदेश के आम नागरिक इसे लोकतांत्रिक राजनीति की विद्रूपता की प्रामाणिक तस्वीर के रूप में देखते हों।

फिल्म द ताज स्टोरी की ताजमहल में हुई शूटिंग

गाइड की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता परेश रावल

आगरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ताजमहल पर आधारित फिल्म द ताज स्टोरी की शूटिंग ताजमहल परिसर में हुई। इस फिल्म में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता परेश रावल गाइड बने हैं। ताज के रॉयल गेट पर परेश रावल और अन्य कलाकारों के साथ कई दृश्यों की शूटिंग हुई। परेश रावल ने शूटिंग से पहले ताजमहल में पर्यटकों के साथ गाइडों का व्यवहार, उनकी बातें और अंदाज को देखा। उसी के अनुरूप उन्होंने सीन में गाइड का किरदार निभाया।

फिल्म द ताज स्टोरी गाइडों के जीवन पर ही आधारित है। ताजमहल के साथ-साथ फिल्म की शूटिंग दशहरा घाट और ताजगंज के कटरों में भी हुई। शूटिंग के दौरान ताजमहल में पर्यटकों को रॉयल गेट पर रोक दिया गया। बाउंसरों ने पर्यटकों से धक्का-मुक्की की और वीडियो बनाने वाले पर्यटकों के मोबाइल छीन लिए। कई पर्यटकों ने दुर्व्यवहार पर आपत्ति जताई। लेकिन, बाउंसरों ने उन्हें शूटिंग के पास नहीं जाने दिया। फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा कर रहे हैं। जबकि, लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर लग्जरी कार में मिला 12 किलो सोना

मथुरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेस-वे पर पुलिस ने चेकिंग के दौरान लग्जरी कार को पकड़ा, जिसमें 12 किलो सोना बरामद हुआ। मथुरा के मांठ क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर जाबरा टोल प्लाजा पर चेकिंग के दौरान दिल्ली से देवरिया जा रही एक लग्जरी कार से 12 किलो से अधिक सोना बरामद किया। बरामद सोने से संबंधित कोई दस्तावेज उनके पास नहीं था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सूचना मिलने पर सीओ गुंजन सिंह मौके पर पहुंची और पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। उसके बाद जीएसटी, सेल टैक्स सहित अन्य टीमों को जांच के लिए बुलाया गया। मांठ के थाना प्रभारी निरीक्षक राजीत वर्मा ने इतना ही बताया कि सोना को देवरिया ले जाया जा रहा था।

योगी सरकार की नायाब पहल

परिवार से बिछड़े 93 हजार बच्चे मां-बाप से मिले

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में बाल संरक्षण के लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रयासरत हैं। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज बाल संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश सरकार लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। योगी सरकार की सक्रियता और जनहितकारी नीतियों के चलते अब तक 93,658 से अधिक बिछड़े हुए बच्चों को उनके माता-पिता या अभिभावकों से मिलाने में सफलता प्राप्त की है। इस अभूतपूर्व प्रयास ने हजारों परिवारों में खुशियां लौटाई हैं।

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही योगी सरकार यूपी में विकास को एक नया आयाम दिया है। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश आज हर क्षेत्र में प्रगति की नई इबारत लिख रहा है। उत्तर प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत बाल संरक्षण के तहत राज्य सरकार ने 1645 बच्चों को गोद लेकर पुनर्वासित किया है। यह पहल न केवल इन बच्चों को सुरक्षित और प्रेमपूर्ण वातावरण में पलने-बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उनके भविष्य को नई दिशा भी दे रही है। इस कदम से प्रदेश के अनेक बेसहारा बच्चों को एक नई जिंदगी मिली है।

इसके अलावा, योगी सरकार ने सभी जनपदों में टास्क फोर्स का गठन कर 1707 बाल विवादों का त्वरित निपटारा किया है। इन टास्क फोर्स ने विवादित मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए बच्चों को न्याय दिलाने में मदद की है।

इस पहल से प्रदेश में बाल अधिकारों को सशक्त किया गया है और बच्चों के जीवन में सुधार लाने के प्रयासों को बल मिला है। योगी सरकार की बाल संरक्षण नीति के अंतर्गत 11,860 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ मिला है, जबकि 2 बच्चों को फॉस्टर केयर के जरिए सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया है। यह योजना बच्चों की सुरक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए एक बड़ा कदम साबित हो रही है। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के तहत भी प्रदेश में 1015 किशोर-किशोरियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें से 29 किशोरों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इसका उद्देश्य किशोरों को स्वावलंबी बनाना और उन्हें समाज में एक सम्मानजनक स्थान दिलाना है। प्रदेश में चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) सेवा भी 75 जनपदों में सक्रिय रूप से कार्यरत है, जिससे बाल संरक्षण के लिए त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बाल संरक्षण के लिए योगी सरकार की नीतियां और उनके क्रियान्वयन से बाल अधिकारों की सुरक्षा और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

शानदार जल प्रबंधन के लिए यूपी को मिला दूसरा स्थान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से मिला राष्ट्रीय जल पुरस्कार

नई दिल्ली/लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से नवाजा गया है। ग्रामीण इलाकों में घर-घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में शानदार काम के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरा स्थान मिला है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार कार्यक्रम में इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश को सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उड़ीसा को पहला और गुजरात-पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की मुहिम में किए गए कार्यों और जल संरक्षण की दिशा में किए गए अभिनव प्रयोगों की तारीफ की। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भी उत्तर प्रदेश द्वारा बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में घर-घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने और जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों को सराहा। जल संरक्षण और जल प्रबंधन के साथ-साथ उत्तर प्रदेश ने 2023 में सबसे तेजी से 17,900 गांवों को हर घर नल से जल पहुंचाने का कीर्तिमान स्थापित किया था। योगी सरकार के निर्देश पर 2023 में डायरेक्टर ग्राउंड वॉटर-सचिव नमामि गंगे रहते हुए डॉ. बलकार सिंह ने जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए कई अभिनव प्रयोग किए थे। जिसका लाभ जल प्रबंधन के साथ-साथ किसानों को सिंचाई में भी मिला। प्रदेश में सिंचाई की व्यवस्था बेहतर करने के लिए कुल 6000 से अधिक चेक डैम और 1000 तालाबों का निर्माण किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण के लिए 31360 सरकारी भवनों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण किया गया। 2022 से 2023 में पांच ब्लॉक अतिदोहित और क्रिटिकल श्रेणी से हटाए गए। साथ ही 34 शहरों के औसत भूजल स्तर में सुधार हुआ। प्रदेश में 27,368 पारंपरिक जल निकायों का पुनरोद्धार किया गया। 17279 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया। यही वजह थी कि राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार ग्रहण करने के लिए अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे के साथ तत्कालीन डायरेक्टर ग्राउंड वॉटर, सचिव नमामि गंगे डॉ बलकार सिंह मौजूद थे।

गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश 22 अक्टूबर, 2024 तक 2 करोड़ 27 लाख 77 हजार 194 ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचा चुका है। इससे 13.66 करोड़ ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो रहा है। इससे पहले हाल ही में राज्य स्वच्छता एवं पेयजल मिशन को इंटरनेशनल ट्रेड शो में बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

पूरे देश में जल संरक्षण में बांदा को जनपदों की श्रेणी में पहला पुरस्कार मिला। बांदा की तत्कालीन जिलाधिकारी (वर्तमान में लखीमपुर डीएम) दुर्गाशक्ति नागपाल ने मंगलवार को राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। जल संरक्षण व हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए उन्होंने वहां शानदार कार्य किया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आज नई दिल्ली में पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2023 के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को द्वितीय स्थान तथा जनपद बांदा को बेस्ट जनपद (नॉर्थ जोन) के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में जल शक्ति की दिशा में अनेक अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण, प्रबंधन और जनसहभागिता को प्राथमिकता देने का ही प्रतिफल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों एवं जल संरक्षण-संवर्धन के इस पवित्र कार्य में संलग्न सभी जन को हार्दिक बधाई दी।

सिल्क एक्सपो 2024 में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी की प्रगति संतोषजनक है पर पर्याप्त नहीं

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में सिल्क एक्सपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसानों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि यूपी की प्रगति पहले की तुलना में संतोषजनक है पर यहां की संभावनाओं को देखते हुए अपर्याप्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक नारा हमेशा प्रचलित रहा है, रोटी कपड़ा और मकान। कपड़ा जीवन की आवश्यकता है और किसान की आमदनी बढ़ाने के साथ रोजगार का सशक्त माध्यम है। यूपी की प्रगति पहले की तुलना में संतोषजनक हो सकती है लेकिन यूपी की संभावनाओं को देखते हुए अपर्याप्त है। सिल्क एक्सपो भी इसका माध्यम बने इसलिए आह्वान करूंगा। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को लखनऊ के इंदिरानगर में सिल्क एक्सपो के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर वाराणसी और भदोही के आसपास आजमगढ़ से मुबारकपुर तक के कई जिलों में सिल्क क्लस्टर डेवलप करने के लिए केंद्र ने कदम बढ़ाए हैं। काशीधाम बनने के बाद बनारसी साड़ियों की मांग में बहुत वृद्धि हुई है। पीएम मित्र पार्क टेक्सटाइल पार्क एक हजार एकड़ में विकसित होने जा रहा है लेकिन कच्चा माल हमें ही तैयार करना होगा। किसान के लिए असीम संभावनाएं हैं। बस्ती, गोरखपुर और देवीपाटन सही कई मंडलों में रेशम उत्पादन बढ़ेगा।

यूपी का क्लाइमेट जोन अलग अलग है। ऐसे में यहां हर तरह के रेशम उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं। अगर बनारसी साड़ी सहित अन्य रेशम उत्पाद को प्रदेश में सस्ता कच्चा माल मिलेगा तो बहुत विकास होगा। मार्केटिंग से लेकर डिजाइनिंग तक के लिए सरकार आपके साथ है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने अपने परंपरागत उत्पाद के लिए नई पॉलिसी बनाई, जिसे एक जिला एक उत्पाद का नाम दिया। सरकार ने इसे उत्पादन, पैकेजिंग, मार्केटिंग और डिजाइनिंग से जोड़ा है। यूपी में 75 से ज्यादा उत्पादों को जीआई टैग मिला है।

पिछली सरकारों की उपेक्षा का दंश यूपी के पारंपरिक उत्पादों को झेलना पड़ा। आज अलग जिलों के अलग उत्पाद ग्लोबल प्लेटफार्म में यूपी की पहचान मजबूत कर रहे हैं। सिल्क क्लस्टर यूपी में बनाना होगा। किसानों को रेशम मित्र के रूप में पहचान दिलाएंगे। सरकार हर संभव सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क इन संभावनाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। रेशम पारंपरिक तकनीक पर है लेकिन तकनीक के साथ खुद को बदलना पड़ेगा। चरखा अब बिजली का आ गया है। रेशम के उत्पादों को जब प्रोसेसिंग से जोड़ रहे हैं तो आधुनिक तकनीक की मदद लेनी पड़ेगी।

बहराइच हिंसा में बुधवार तक बुलडोजर कार्रवाई पर रोक

आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ/नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय बहराइच हिंसा के तीन आरोपियों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। तब तक सुप्रीम कोर्ट ने ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट को बुधवार तक कोई कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया है। दरअसल आरोपियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी ध्वस्तीकरण नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई किए जाने की अपील की। वकील ने कहा कि राज्य सरकार ने नोटिस का जवाब देने के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है।'

सिंह ने कहा कि याचिकाकर्ता संख्या-एक के पिता और भाइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और नोटिस कथित तौर पर 17 अक्टूबर को जारी किए गए और 18 की शाम को चिपकाए गए। उन्होंने कहा, 'हमने रविवार को सुनवाई का अनुरोध किया था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।' उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने अदालत से कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले पर विचार किया है और नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

नामीबिया अंडर-18 फिस्टबॉल विश्व चैम्पियनशिप के लिए तैयार

विंडहोक, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नामीबिया की अंडर-18 राष्ट्रीय फिस्टबॉल टीम शुक्रवार को अंडर-18 विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए चिली के लंगक्विह्यू के लिए रवाना होगी। यह आयोजन 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक लंगक्विह्यू में आयोजित किया जाएगा।

फिस्टबॉल एसोसिएशन ऑफ नामीबिया के मीडिया अधिकारी हेल्मो मिंज ने सोमवार को सिन्हुआ को बताया कि टीम ने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें मार्च में तीन ऑस्ट्रियाई कोचों के सहयोग से एक सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर भी शामिल है। नौ खिलाड़ियों की अंतिम टीम का चयन मुख्य कोच और नामीबिया के अनुभवी माइकल बास और उनके सहायक, स्विस राष्ट्रीय स्टीफन ग्रोगली ने किया। इसके अलावा, कोचिंग टीम को ऑस्ट्रिया के फैबियन ग्रीफ़ेनेडर का समर्थन प्राप्त होगा।

मिंज के अनुसार, टीम 31 अक्टूबर को शुरू होने से दो दिन पहले स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के खिलाफ दो दोस्ताना मैच खेलेगी।

मिंज ने कहा, प्रतियोगिता के पहले दिन, नामीबिया डेनमार्क, स्विटजरलैंड, यूरोपीय और विश्व चैंपियन जर्मनी और दक्षिण अमेरिकी पावरहाउस ब्राजील के खिलाफ मुकाबला करेगा। 1 नवंबर को नामीबिया अर्जेंटीना और भारत से भिड़ने से पहले ऑस्ट्रिया से खेलेगा। उसके अगले दिन मेजबान चिली का सामना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक दौर में अपने प्रदर्शन के आधार पर, नामीबिया संबंधित प्लेसमेंट मैचों में आगे बढ़ेगा। टीम का लक्ष्य कम से कम 6वां स्थान हासिल करना है। 2014 के बाद से यह पहली बार होगा जब नामीबिया की अंडर-18 राष्ट्रीय टीम विश्व चैंपियनशिप में भाग लेगी।

न्यूज ब्रीफ

केन विलियमसन भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर, रिहैबिलिटेशन जारी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन, कमर की चोट से उबरने के लिए पुणे में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को एक मीडिया विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विलियमसन को बेंगलुरू में शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा क्योंकि वह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी चोट से उबर रहे थे। वह अपनी रिकवरी पर काम करने के लिए न्यूजीलैंड में ही रहे और पूरी तरह से फिट होने के लिए ऐसा करना जारी रखेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने उम्मीद जताई कि विलियमसन तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्टीड ने कहा, हम केन पर नज़र रख रहे हैं और वह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी 100न्न फिट नहीं हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनमें और सुधार होगा और वह तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। हम उन्हें खुद को तैयार करने के लिए जितना संभव हो उतना समय देंगे, लेकिन निश्चित रूप से सतर्क रुख अपनाना जारी रखेंगे। न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट 8 विकेट से जीतकर भारत में टेस्ट जीत का 36 साल का इंतजार खत्म किया। दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से शुरू होगा जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट 1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: पुणे टेस्ट में वापसी की उम्मीदें

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम के लिए अब पुणे में होने वाला दूसरा टेस्ट मैच करो या मरो का हो गया है। 24 अक्टूबर से होने वाले इस मैच में मेज़बान टीम को हर हाल में जीत हासिल करनी होगी, ताकि सीरीज जीतने की उम्मीदें जीवित रहें और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में बने रहें। इस बार भारत ने काली मिट्टी की पिच तैयार कराई है, जिस पर घास का नामोनिशान नहीं है। यह पिच न केवल ज्यादा टर्न देने वाली है, बल्कि उछाल भी कम होगी। ऐसे में स्पिनर अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को नचाने का पूरा अवसर पाएंगे। यह बदलाव बेंगलुरू में मिली हार के मद्देनजर किया गया है, जहां भारत महज 46 रन पर ढेर हो गया था और न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। पहले मैच में हार के बाद, भारतीय टीम ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। अब यह संभावना है कि भारत पुणे टेस्ट में तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा। बेंगलुरू टेस्ट में भारत ने तीन तेज और दो स्पिनरों का संयोजन अपनाया था, लेकिन इस बार स्पिन गेंदबाजी को प्राथमिकता दी जा रही है। भारतीय टीम के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी पुरानी ताकत, यानी स्पिनरों की क्षमता, एक बार फिर देखने को मिलेगी। अगर भारत इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो यह न केवल सीरीज में वापसी का एक अवसर होगा, बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भी उनकी संभावनाएं कायम रखेगा। इस प्रकार, पुणे टेस्ट मैच में भारतीय टीम की रणनीति स्पष्ट है: अपनी स्पिन गेंदबाजी का लाभ उठाकर विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालना और जीत के साथ सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत करना।

पुजारा टीम में होते तो शायद स्थिति कुछ और होती, सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा में चेतेश्वर

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट के पहले दिन टीम इंडिया की हालत देखकर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेतेश्वर पुजारा टीम में होते तो शायद भारत की स्थिति कुछ और होती। हालांकि, पुजारा इस मैच का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उन्होंने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करके अपनी काबिलियत को साबित किया। बता दें कि भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट के पहले दिन जब टीम इंडिया 46 रन पर सिमट गई। वहीं 16 अक्टूबर को पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ दोहरा शतक जमाया। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए 23 रन की शानदार पारी खेली, जो फैंस के लिए उम्मीदों की किरण बनी। हालांकि, इस बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद सौराष्ट्र को मैच में जीत नहीं मिल पाई। छत्तीसगढ़ ने 578 रन बनाकर पारी घोषित की, और सौराष्ट्र ने 478 रन के साथ मैच बराबरी पर खत्म किया। पुजारा के साथ-साथ श्रेयस अय्यर ने भी रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने मुंबई की ओर से खेलते हुए महाराष्ट्र के खिलाफ 142 रन बनाए।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों से हटाए गए हॉकी, निशानेबाजी, क्रिकेट, बैडमिंटन और कुश्ती

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को हटा दिया है। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने मंगलवार को आयोजन को बजट के अनुकूल बनाए रखने के लिए 10 विषयों की एक संक्षिप्त सूची का अनावरण किया। लागत को सीमित करने और लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वैश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। ग्लासगो में केवल चार स्थान ही पूरे राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेंगे। 2022 बर्मिंघम संस्करण की तुलना में इस बार कुल 9 खेल कम होंगे। 2014 संस्करण के बाद 12 साल बाद ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। मेगा-इवेंट के 23वां संस्करण का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होगा।

सीजीएफ ने एक बयान में कहा, खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, और 3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल,शामिल होंगे।

बयान में आगे कहा गया, खेल चार स्थानों स्कॉट्सटाउन स्टेडियम, टोलक्रॉस इंटरनेशनल स्विमिंग सेंटर, एमिरेट्स एरिना और स्कॉटिश इवेंट कैंपस (एसईसी) में होंगे। एथलीटों और सहायक कर्मचारियों को होटल आवास में रखा जाएगा।

यह रोस्टर भारत की पदक संभावनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि पिछले संस्करणों में देश के अधिकांश पदक हटाए गए खेलों से आए थे। हालांकि चार साल पहले लॉजिस्टिक्स के कारण बर्मिंघम खेलों से हटा दिए जाने के बाद शूटिंग की वापसी की कभी उम्मीद नहीं थी। ग्लासगो ग्रीन और स्कॉटिश प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र, जिसने 2014 में हॉकी और कुश्ती की मेजबानी की थी, को आयोजन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है, जबकि सर क्रिस होय वेलोड्रोम, जहां उस वर्ष बैडमिंटन आयोजित किया गया था, इस बार केवल साइकिल चलाने के लिए उपयोग किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया 2026 संस्करण का मूल मेजबान था, लेकिन बढ़ती लागत के कारण पिछले साल उसने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद स्कॉटलैंड मेजबानी के लिए आगे आया।

पैरा-एथलीट 2002 मैनचेस्टर संस्करण से खेलों का हिस्सा रहे हैं और 2026 संस्करण में भी बने रहेंगे।

सीजीएफ ने कहा, पैरा खेल को एक बार फिर खेलों के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता और अंतर के बिंदु के रूप में पूरी तरह से एकीकृत किया जाएगा, जिसमें छह पैरा खेलों को खेल कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

सीजीएफ ने कहा कि खेलों से शहर में 100 मिलियन पाउंड से अधिक का आंतरिक निवेश आएगा और इस क्षेत्र के लिए 150 मिलियन पाउंड से अधिक का आर्थिक मूल्य जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संस्था ने दावा किया कि यह सब एक ऐसे मॉडल की बदौलत संभव होगा जिसे विशेष रूप से खेलों के आयोजन के लिए सार्वजनिक धन की आवश्यकता नहीं होने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ केटी सैडलेयर ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,2026 के खेल कल के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक पुल होंगे - भविष्य के लिए खेलों को वास्तव में सहयोगी, लचीले और टिकाऊ मॉडल के रूप में रीसेट और फिर से परिभाषित करने की हमारी यात्रा में एक रोमांचक पहला कदम जो लागत को कम करता है, पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करता है, और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाता है।

पूर्व विश्व नंबर 1 ओसाका चोट के कारण हांगकांग ओपन से हटीं

हांगकांग,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है। हालांकि वह खेलेंगी नहीं, लेकिन टूर्नामेंट की अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हांगकांग, चीन टेनिस संघ ने एक बयान में कहा, हालांकि, नाओमी ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान कई गतिविधियों में भाग लेंगी, जिसमें अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलना भी शामिल है।

नाओमी के हवाले से कहा गया, मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेल न पाने की स्पष्ट निराशा के बावजूद, मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं अभी भी इस आयोजन में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

ओसाका, जिन्होंने 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2018 और 2020 में यूएस ओपन जीता, ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली जापानी खिलाड़ी हैं और एकल की शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली एशिया की पहली खिलाड़ी हैं, उन्होंने जनवरी 2019 में नंबर 1 स्थान हासिल किया, जिसे उन्होंने 21 सप्ताह तक अपने पास रखा।

27 अक्टूबर से 3 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में रूस की डायना श्नाइडर और अनास्तासिया पोटापोवा, कनाडा की गत चैंपियन लेयला फर्नांडीज, दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और रोमानिया की पूर्व विश्व नंबर 1 सिमोना हालेप और ब्रिटेन की सर्वोच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी केटी बौल्टर जैसे सितारे शामिल होंगे।

सरफराज खान को जन्मदिन पर मिला नन्हा मेहमान, बने पिता

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज सरफराज खान को उनके जन्मदिन पर एक बड़ा तोहफा मिला है। बेंगलुरु टेस्ट में शानदार 150 रन की पारी खेलने वाले सरफराज अब बेटे के पिता बन गए हैं।

उनकी पत्नी, रोमाना जहूर ने हाल ही में एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया। सरफराज खान का जन्म 22 अक्टूबर 1997 को मुंबई में हुआ था, और इस साल उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घर पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की। सरफराज ने अपने बेटे की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर इस खुशी को सभी के साथ बांटा।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने बच्चे को गोद में लिए एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी खुशी साफ नजर आ रही है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर, सरफराज ने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया था।

पहले मैच में उन्होंने 62 रन बनाए, लेकिन दुर्भाग्यवश रन आउट हो गए। दूसरी पारी में उन्होंने 68 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

हालांकि, बांग्लादेश के साथ हुई सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शुभमन गिल के अनफिट होने की वजह से उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया।

इस मौके का फायदा उठाते हुए सरफराज ने दूसरी पारी में शानदार 150 रन बनाए, जिससे उनकी प्रतिभा और काबिलियत साबित हो गई। सरफराज का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट में एक नई पहचान दिलाने में सफल रहा है। अब, उनके लिए पिता बनने की खुशी इस नए सफर का एक और महत्वपूर्ण मोड़ है।

क्रिकेट प्रेमियों को सरफराज की और भी शानदार पारियों का इंतजार है, जबकि इस नए अध्याय के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं।

अनुशासन और फिटनेस के मुद्दे पर मुंबई की टीम से बाहर हुए पृथ्वी शॉ

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अखिल हेरवाडकर को शामिल किया गया है, जिन्होंने 41 रणजी मैच खेले हैं।

सोमवार को घोषित टीम में एक और उल्लेखनीय बदलाव तनुश कोटियन का बाहर होना है, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने वाली भारत ए टीम में चुना गया है। उनकी जगह 28 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर करश कोठारी को लाया गया है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा टीम के चयन के बारे में जारी मीडिया विज्ञप्ति में शॉ की अनुपस्थिति का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसे 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक सूक्ष्म चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जिसका अनुशासन संबंधी मुद्दों का इतिहास रहा है। माना जाता है कि संजय पाटिल (अध्यक्ष), रवि ठाकर, जीतेंद्र ठाकरे, किरण पोवार और विक्रांत येलिगेटी वाली मुंबई चयन समिति ने महसूस किया है कि शॉ को कम से कम एक मैच के लिए बाहर रखा जाना चाहिए।

यह अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी कि उन्हें अगले मैच के लिए वापस बुलाया जाएगा या नहीं, लेकिन चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन दोनों का मानना है कि यह बहिष्कार सलामी बल्लेबाज के लिए एक सबक हो सकता है, जो जाहिर तौर पर नेट्स और अभ्यास सत्रों में अनियमित रहे हैं।

मुंबई टीम के चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का मानना है कि शॉ का वजन पहले से ही अधिक है। यह भी देखा गया है कि वह नेट अभ्यास सत्रों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और उनमें अनियमित रूप से शामिल होते हैं। जबकि टीम में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी, जैसे श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और यहां तक कि कप्तान अजिंक्य रहाणे भी अपने अभ्यास में लगातार शामिल हो रहे हैं, शॉ लगातार अभ्यास सत्र छोड़ रहे हैं - कभी-कभी सस्ते में आउट होने के बाद भी वह हर दो सत्र छोड़ देते हैं।

शॉ ने पांच टेस्ट, छह वनडे और एक ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में शतक बनाने के बाद उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया था। हालांकि, क्रिकेट से बिल्कुल भी संबंधित नहीं होने वाले ऑफ-फील्ड मुद्दों ने उनके करियर को नीचे की ओर धकेल दिया है। इस सीजन में अब तक खेले गए दो रणजी मैचों में, उनका स्कोर 7 और 12 (बड़ौदा के खिलाफ), 1 और नाबाद 39 (महाराष्ट्र के खिलाफ) रहा है।

सीजन में अब तक खेले गए दो मैचों में से मुंबई ने एक में जीत दर्ज की है और एक में हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई अपना अगला मैच 26 से 29 अक्टूबर तक अगरतला के एमबीबी स्टेडियम में त्रिपुरा से खेलेगी।

मुंबई टीम: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अखिल हेरवाडकर, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), सिद्धांत अधातराव (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, कर्ष कोठारी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, मोहम्मद जुनेद खान और रॉयस्टन डायस।

पीकेएल-11: पुणेरी पलटन ने पटना पायरेट्स को 40-25 से हराया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कप्तान असलम इनामदार की अगुवाई में डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स को हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। पुणेरी ने सोमवार रात गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 8वें मैच में पटना को 40-25 से हरा दिया। पटना को सीजन के पहले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा।

पुणेरी ने डिफेंस में 20 और रेड में 15 अंक बटोरे। पलटन के लिए असलम (9 अंक) के अलावा मोहित गोयत (8 अंक), डिफेंडर अमन (6 अंक) और गौरव खत्री (6) ने भी दमदार प्रदर्शन किया। पटना के लिए देवांक (6 अंक) के अलावा अंकित (6 अंक) और अयान (5 अंक) ही अंक जुटा पाए।

डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहले तीन मिनट के अंदर की 4-0 की लीड बना ली। लेकिन तीन बार की चैंपियन पटना ने भी सुपर टैकल से अंक लेकर बेहतरीन आगाज किया। पायरेट्स ने डू ऑर डाई में मोहित गोयत को टैकल करके स्कोर को 4-4 की बराबरी पर ला दिया।

पुणेरी की टीम ने इसके बाद कप्तान असलम इनामदार के सुपर रेड के दम पर पहले 10 मिनट के खेल में खुद को 7-5 से आगे कर लिया। पहले हाफ के शुरुआती 10 मिनटों के अंदर असलम ने तीन और अमन ने डिफेंस में दो अंक जुटाए।

मौजूदा चैंपियन ने इसके बाद 13वें मिनट में जाकर पटना को मैच में पहली बार ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 13-6 तक पहुंचा दिया। पटना की टीम सिर्फ डिफेंस में अंक ले पा रही थी और रेडिंग में शुभम शिंदे की टीम पीछे चल रही थी। पुणेरी पलटन ने यहां से लगातार अंक लेते हुए 15वें मिनट तक अपने स्कोर को 16-8 का कर दिया। असलम की टीम डिफेंस और रेडिंग के अलावा लगातार बोनस के जरिए भी अंक जुटा रही थी।

उधर, पुणेरी का डिफेंस लगातार दहाड़ रहा था और इसकी बदौलत टीम 17वें मिनट तक 18-8 से आगे हो गई। पलटन के डू ऑर डाई स्पेशलिस्ट मोहित गोयत ने भी मैच में अपना तीसरा अंक लेकर टीम की लीड को और मजबूत कर दिया। अगले ही मिनट में अमन ने अपने पीकेएल करियर का पांचवां हाई-फाइव भी पूरा कर लिया।

हाफ टाइम से पहले ही पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। लेकिन पायरेट्स ने मोहित को सुपर टैकल करके खुद को ऑलआउट होने से बचा लिया। इसके बावजूद पुणेरी पलटन ने 20-10 से पहले हाफ को अपने पक्ष में रखा। पहले हाफ के अंदर ही जहां अमन ने अपना हाई फाइव पूरा किया तो वहीं कप्तान असलम ने सात अंक लिए।

सेकेंड हाफ के शुरू होने के बाद पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर थी, लेकिन अयान ने असलम को बाहर कर दिया। पायरेट्स ने फिर सुपर टैकल करके अपनी वापसी का ऐलान कर दिया। पारयेट्स की वापसी की कोशिश के बावजूद पुणेरी की टीम 25वें मिनट तक 10 अंकों से आगे थी और उसका स्कोर 23-13 का था।

संपादकीय

किसने दहलाई दिल्ली?

दिल्ली के सीआरपीएफ स्कूल के बाहर ऐसा विस्फोटक धमाका हुआ कि राजधानी दहल उठी और पूरी दिल्ली में 'अलर्ट' घोषित करना पड़ा। रोहिणी के प्रशांत विहार में यह धमाका हुआ। यह इलाका आउटर रिंग रोड से मात्र 800 मीटर दूर स्थित है और प्रमुख बाजारों में इसकी गिनती होती है। गनीमत है कि सुबह 7 बजे के करीब का वक्त था और रविवार छुट्टी का दिन था। हालांकि लोग 'करवा चौथ' पर्व मनाने को अपने-अपने घरों में मौजूद थे। सडक पर लगभग सन्नाटा था, क्योंकि आवाजाही नगण्य थी, लेकिन विस्फोटक धमाका इतना प्रचंड था कि स्कूल की वह दीवार ढह गई और वहां गहरा गड्ढा हो गया। करीब 15 बंद दुकानों की इमारतें, बोर्ड और शीशे क्षतिग्रस्त हुए। करीब 3 किलोमीटर तक धमाके की गूंज सुनाई दी। जो लोग आसपास के पार्क में टहल रहे थे, वे धमाके की आवाज सुनकर एकबारगी तो सुन्न हो गए। गनीमत है कि कोई हताहत या घायल नहीं हुआ, फिर भी इसे सामान्य घटना नहीं मान सकते। एक दिन पहले शनिवार को घटनास्थल के पास ही महिलाओं की भीड़ 'करवा चौथ' की मेंहदी रचा रही थीं। घटनास्थल पर लोग अपनी कारें खड़ी कर सामने पूड़ी-सब्जी की दुकान पर यह व्यंजन खाने आते थे। स्कूल आने वाले अभिभावक और अन्य लोग घटनास्थल की दीवार से सटा कर ही अपने वाहन लगाते थे। दीवार की तरफ ही स्कूल के भीतर प्रार्थना हुआ करती थी। यदि धमाके का दिन और वक्त कुछ और ही होता, तो भारी तबाही लगभग तय थी। यह महज दहशत पैदा करना अथवा कोई संदेश देने या शरारतपूर्ण घटना नहीं हो सकती। यह आतंकी हमला भी हो सकता है। जांच एजेंसियां इसी कोण से जांच कर रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल ने बहुएजेंसियों की जांच के आदेश दिए हैं। बम निरोधक दस्ते और विशेषज्ञ श्वान दस्ते ने भी जांच में अपनी भूमिका निभाई है। वैसे एनएसजी, एनआईए, दिल्ली पुलिस की स्पेशल शाखा, फोरेंसिक लैब, गुप्तचर ब्यूरो आदि ने शुरुआती जांच के लिए घटनास्थल से नमूने लिए हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई हैं। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। यह विस्फोटक धमाका 7 सितंबर, 2011 के आतंकी हमले के बाद हुआ है, लिहाजा आश्चर्यजनक और खौफजदा भी है। यदि आतंकी हमले पर 'शक की सुई' टिकती है, तो आतंकी गुट कौनसा हो सकता है? अथवा इस साजिशाना हमले का मकसद क्या हो सकता है? दिल्ली में बीते 20 सालों के दौरान एक दर्जन विस्फोटक धमाके हुए हैं। उनमें से सिर्फ तीन ही ऐसे हमले थे, जिनमें जान-माल का नुकसान खूब हुआ। 2011 का आतंकी हमला दिल्ली उच्च न्यायालय के गेट नंबर 5 पर सुबह 10.15 बजे के करीब हुआ था। उस विस्फोट में 17 लोगों की मौत हुई और 76 लोग घायल हुए। उसके बाद दिल्ली में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई। अब यह दीपावली का त्योहारी मौसम है। इस विस्फोटक धमाके ने दिल्ली की चिंताएं बढ़ा दी हैं। बाजारों में खरीददारी के लिए भीड़ उमड़ रही है, लिहाजा भीड़ की सुरक्षा सबसे अहम चुनौती है। सदर बाजार का ही उदाहरण लें, तो वहां 3-4 लाख लोग हर रोज खरीददारी करने आते हैं। दिल्ली के बाजारों पर आतंकी हमले किए जा चुके हैं। बहरहाल घटनास्थल से सफेद पाउडर जैसा रसायन मिला है। कुछ तारें भी बरामद की गई हैं। अभी तक की जांच में जो सामने आया है, वह घर पर बनाए बम की ओर संकेत कर रहा है, जिसकी तीव्रता कम थी और वह समय से पहले फट गया। हम किसी भी निष्कर्ष पर नहीं जाएंगे, क्योंकि बम वाले निष्कर्ष पर सभी एजेंसियां सहमत नहीं हैं। सवाल यह भी है कि क्या हमारे सुरक्षा बल आतंकियों के निशाने पर हैं? क्या इसीलिए सीआरपीएफ के स्कूल को निशाना बनाया गया? बताया गया है कि सोमवार 21 अक्तूबर को इसी स्कूल में पीटीएम का आयोजन होना था, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों के आने की संभावना थी। यदि यह धमाका आतंकी हमला साबित होता है, तो एक बार फिर राजधानी आतंकवाद के निशाने पर आती लगती है।

राजधानी दहल उठी और पूरी दिल्ली में 'अलर्ट' घोषित करना पड़ा। रोहिणी के प्रशांत विहार में यह धमाका हुआ। यह इलाका आउटर रिंग रोड से मात्र 800 मीटर दूर स्थित है और प्रमुख बाजारों में इसकी गिनती होती है। गनीमत है कि सुबह 7 बजे के करीब का वक्त था और रविवार छुट्टी का दिन था। हालांकि लोग 'करवा चौथ' पर्व मनाने को अपने-अपने घरों में मौजूद थे। सडक पर लगभग सन्नाटा था, क्योंकि आवाजाही नगण्य थी, लेकिन विस्फोटक धमाका इतना प्रचंड था कि स्कूल की वह दीवार ढह गई और वहां गहरा गड्ढा हो गया। करीब 15 बंद दुकानों की इमारतें, बोर्ड और शीशे क्षतिग्रस्त हुए। करीब 3 किलोमीटर तक धमाके की गूंज सुनाई दी।

पाकिस्तान जैसा ही होगा कनाडा का भी हश्र

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

पाकिस्तान और कनाडा में अगर कोई समानता है तो वह है भारत के आतंकियों को प्रश्रय और भारत में आतंक को बढ़ावा देने की। एक समय भारत के लोगों को अपने दिल में बसाने वाले कनाडा के साथ भारत के अच्छे रिश्तों को अगर किसी ने तार-तार किया तो वे रहे हैं, त्रूदो पिता-पुत्र यानी कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो और इनके पिता पियरे त्रूदो। पियरे त्रूदो 1969 से 1979 और फिर 1980 से 1984 तक, करीब 15 वर्ष कनाडा के प्रधानमंत्री रहे। अपने दोनों ने ही कार्यकालों में पियरे त्रूदो और फिर इनके पुत्र जस्टिन त्रूदो पाकिस्तान की तरह भारत के खालिस्तानियों को संरक्षण और हर तरह की मदद देते रहे और चुनावों में इन तत्वों का समर्थन और चुनावी चंदे के रूप में मोटी रकम भी पाते रहे हैं।

कनाडा द्वारा भारत के खालिस्तानी आतंकियों को समर्थन की शुरुआत में उस वक्त की एक घटना का जिक्र करना जरूरी है। जब एक खालिस्तान समर्थक आतंकी तलविंदर सिंह परमार पंजाब में दो पुलिस अधिकारियों की हत्या करके कनाडा भाग गया। तब भारत ने उसे भारत को सौंपने को कहा तो पियरे त्रूदो सरकार ने उसे सौंपने के बजाए संरक्षण दिया। आगे चलकर उसने एक बेहद खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। 23 जून 1985 को एयर इंडिया की उड़ान संख्या 182 ने कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर से उड़ान भरी। कनिष्क नामक इस विमान को मॉन्ट्रियल से ब्रिटेन के लंदन, फिर भारत के दिल्ली होते हुए मुंबई पहुंचना था। लेकिन इस विमान को आयरलैंड के हवाई क्षेत्र में 31,000 फीट की ऊंचाई पर बम से उड़ा दिया गया था। हादसे के बाद विमान अटलांटिक महासागर में गिर गया। इस विमान हादसे में 329 लोगों की मौत हुई। मारे गए लोगों में 22 हवाई यात्री भारत में जन्मे थे, जबकि 280 लोग भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। लेकिन कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री पियरे त्रूदो ने जांच के नाम पर कुछ नहीं किया और वह जांच कभी पूरी नहीं हुई। लेकिन तत्कालीन भारत सरकार कुछ नहीं कर सकी।

यहां इस बात का उल्लेख करना भी समीचीन होगा कि कनाडा के मूल निवासी आदिवासी थे जिनको वहां इंडियन कहा जाता था। बाकी तो भी लोग यहां आए वे बाहर से आए हैं जिन्होंने उन मूल आदिवासियों का दमन किया। भारत में मानवाधिकार की बात करने वाले इन बाहर से आए लोगों ने मूल आदिवासियों को संपत्ति से बेदखल कर उस पर अपना कब्जा किया और वहां के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा किया। 1970 में जब उन्होंने कनाडा से अलग होने के लिए स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया तो बड़े पैमाने पर षड्यंत्र पूर्वक उनकी हत्याएं की गई और उनका दमन किया। आज ये दमनकारी भारत को मानवाधिकार का पाठ पढ़ाने चले हैं।

वर्तमान में जस्टिन त्रूदो द्वारा खालिस्तान समर्थकों को खुश करने के लिए भारत सरकार से खुली शत्रुता के रवैये के पीछे हैं, अगले साल होने वाले चुनाव, जिसमें जस्टिन त्रूदो इनके वोट और नोट पाने के लिए इन्हें खुश करना चाहता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार जस्टिन त्रूदो की लोकप्रियता बहुत कम, करीब 22 प्रतिशत रह गई है। जबकि कनाडा की विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी त्रूदो की लोकप्रियता 45 प्रतिशत है।

कनाडा ने कहा कि भारत के उच्चायोग के सदस्यों पर या यूं कहें कि सीधे-सीधे भारत पर आरोप लगाया था कि भारत कनाडा में कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर, जो गैर कानूनी ढंग से कनाडा गया था, लेकिन ट्रूजो सरकार ने उसे नागरिकता दी थी। जून 2023 में उसकी हत्या हुई थी, जिसका आरोप कनाडा ने भारत पर लगाया था। उसने कनाडा की संसद में कहा था कि इसमें भारत का हाथ है। भारत लगातार कह रहा है कि यदि उसके पास इसका कोई प्रमाण हो तो दे। कनाडा के पास कोई सबूत नहीं है लेकिन वह आरोप लगाए जा रहा है क्योंकि उसे खालिस्तानी तत्वों का समर्थन चाहिए। उसने छह भारतीय राजनयिकों को कनाडा छोड़ने का आदेश दिया बदले में भारत ने भी कनाडा के उच्च आयोग के वरिष्ठ अधिकारी को बुलाया और कनाडा उच्चायोग के 6 सदस्यों को 19 अक्टूबर रात 12 बजे से पहले देश छोड़ने का आदेश दे दिया। इस प्रकार दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया।

भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और राजनयिकों को भी वापस बुलाया और कहा कि कहा कि कनाडा में हमारे राजनयिक सुरक्षित नहीं हैं। भारत ने 41 दिन में कनाडा के 41 राजनयिकों को भारत ने निकाल दिया। यह पहली घटना जहां तीसरी दुनिया के किसी देश यानी भारत ने 41 राजनीतिकों को एक साथ निकाला हो। आज भारत की स्थिति इतनी मजबूत है कि इतनी बड़ी घटना पर भी दुनिया का कोई देश कुछ नहीं कर पाया। भारत के नेतृत्व में परिवर्तन के कारण मोदी सरकार जिस प्रकार आतंकवाद से सख्ती से निपट रहे है, जस्टिन उसे नहीं समझ पाए । वे नहीं देख पा रहे कि आतंकवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी तरह का कोई समझौता नहीं करते। 2014 में उन्होंने पाकिस्तान को भी कहा था कि बम और गोली के शोर में आपसी संबंधों और व्यापार बढ़ाने की बात सुनाई नहीं देती। कनाडा ने इस मामले को कई वैश्विक मंचों पर उठाने की कोशिश की लेकिन कोई कुछ नहीं कर सका। जिस प्रकार पाकिस्तान भारत में आतंक को पाल- पोस रहा है भारत में यही काम कनाडा भी कर रहा है। वह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश भी करता रहा है, जिसे ले कर भारत ने कनाडा को बड़ी चेतावनी भी दी थी।

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जस्टिन त्रूदो के पिता पियरे त्रूदो क्यूबा, चीन और तत्कालीन सोवियत संघ जैसे वामपंथी देशों के काफी करीब थे। भारत में भी कथित किसान आंदोलन के पीछे जहां एक ओर कनाडा के पाले हुए खालिस्तान समर्थक थे

कनाडा ने कहा कि भारत के उच्चायोग के सदस्यों पर या यूं कहें कि सीधे-सीधे भारत पर आरोप लगाया था कि भारत कनाडा में कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर, जो गैर कानूनी ढंग से कनाडा गया था, लेकिन ट्रूजो सरकार ने उसे नागरिकता दी थी। जून 2023 में उसकी हत्या हुई थी, जिसका आरोप कनाडा ने भारत पर लगाया था। उसने कनाडा की संसद में कहा था कि इसमें भारत का हाथ है। भारत लगातार कह रहा है कि यदि उसके पास इसका कोई प्रमाण हो तो दे। कनाडा के पास कोई सबूत नहीं है लेकिन वह आरोप लगाए जा रहा है क्योंकि उसे खालिस्तानी तत्वों का समर्थन चाहिए। उसने छह भारतीय राजनयिकों को कनाडा छोड़ने का आदेश दिया बदले में भारत ने भी कनाडा के उच्च आयोग के वरिष्ठ अधिकारी को बुलाया और कनाडा उच्चायोग के 6 सदस्यों को 19 अक्टूबर रात 12 बजे से पहले देश छोड़ने का आदेश दे दिया। इस प्रकार दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया।

तो वहीं चीन के पाले हुए वामपंथी तथा पाकिस्तान के जिहादी भी पूरी तरह लगे हुए थे। इस आंदोलन का उद्देश्य कोई किसान हित नहीं बल्कि भाजपा के खिलाफ वातावरण तैयार करके उसे कमजोर करना था। बाद में आंदोलन के नेताओं ने दोनों ही बार तत्कालीन चुनावों के बाद स्वीकार भी किया कि ये आन्दोलन भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को मजबूत करने के लिए चलाया गया था हालांकि उन्हें चुनावों में जनता ने नकार दिया। ये सभी तत्व विपक्ष के साथ मिलकर इस आंदोलन की आग में घी डालकर भारत और भारतीय जनता पार्टी को कमजोर और बेबस बनाने पर लगे थे। यह भी कह सकते हैं कि कथित किसान आंदोलन देशविरोधी शक्तियों के कंधों पर खड़ा था। बाद में आंदोलन के नेताओं ने दोनों बार स्वीकार भी किया कि यह आंदोलन भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को मजबूत करने के लिए चलाया गया था हालांकि उन्हें चुनावों में जनता ने नकार दिया।

14 अक्टूबर को कनाडा ने यह कहा कि भारत अपनी जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जरिए भारत हत्याएं करवा रहा है और निज्जर की हत्या भी उसके माध्यम से ही करवाई गई थी। इस पर पाकिस्तान ने भी सुर में सुर मिलाते हुए अपने आतंकियों की हत्या का दोष भी लॉरेंस बिश्नोई के जरिए भारत की खुफिया एजेंसियों पर लगा दिया। लेकिन कनाडा सरकार के प्रधानमंत्री से लेकर अधिकारियों तक सब निज्जर की हत्या पर अलग-अलग बातें कर रहे हैं। जस्टिन त्रूदो कहते हैं हमारे पास कोई सबूत तो नहीं है लेकिन हमें पता है कि उसकी हत्या भारत ने करवाई है। प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो के ऐसे निराधार बयानों और भारत के साथ संबंधों को खराब करने पर विपक्ष के नेताओं ने भी प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो को आड़े हाथों लिया है। उधर इस पर पत्रकारों से बात करते हुए कनाडा के पुलिस प्रमुख से जब एक पत्रकार ने पूछा कि क्या भारत सिख विरोधी है? तो उसने कहा नहीं, भारत सिख विरोधी नहीं बल्कि खालिस्तानी विरोधी है। इस प्रकार उसने अनजाने में ही मान लिया कि कनाडा की धरती पर आतंकी हैं और फल-फूल रहे हैं।

कनाडा पुलिस प्रमुख का यह बयान भारत के बहुत काम आने वाला है। कनाडा के इस बयान को अब भारत सरकार वैश्विक मंचों पर उठाएगी कि कनाडा अपने यहां खालिस्तानी आतंकियों को संरक्षण दे रहा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जो उन देशों के विरुद्ध कार्रवाई करती हो जो किसी देश में ब्लैक मनी, आतंकवाद और ड्रग माफिया को संरक्षण देते हैं। यदि उन पर पर यह आरोप है अगर कोई प्रमाण मिलता है तो उन पर कार्रवाई कर सकती है, जैसा कि पाकिस्तान के साथ होता रहा है। वहां जो दो श्रेणियां हैं, एक पहली श्रेणी ग्रे में अगर किसी को डाल दिया जाए तो उसे कई तरह के निवेश अवसर नहीं मिलेंगे और कई तरह के प्रतिबंध लग सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध लगाकर ऐसे देश को एक सूची दी जाती है कि वह अपनी सरकार का काम का सुधारे और उसकी रिपोर्ट दे। ऐसे में कनाडा को सबूत देना पड़ेगा कि उसके यहां आतंकवादी नहीं हैं और वह आतंकवादियों को संरक्षण नहीं देता। जिस प्रकार अमेरिका हमेशा पाकिस्तान को काली सूची में जाने से बचा लेता है, वह कनाडा को भी बचा सकता है लेकिन अमेरिका में चुनावों के कारण सरकार अभी कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। अगर अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीतकर आ जाते हैं तो भी कनाडा की स्थितियों में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

एक बात तय है कि जब तक जस्टिन त्रूदो को खालिस्तानियों के वोटों का लाभ मिलता रहेगा तब तक जस्टिन त्रूदो इनके साथ खड़े रहेंगे लेकिन यदि सफलता नहीं मिली तो दृश्य बदल जाएगा। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कनाडा के ज्यादातर सिख न तो खालिस्तान के साथ हैं और न ही आतंकियों के साथ। यह भी कि वहां सिखों से ज्यादा आबादी भारतीय हिंदुओं की है। यदि ये सब एकजुट हो गए तो कनाडा के चुनाव के समीकरण बदल सकते हैं। यदि कनाडा भारत के लोगों पर वहां प्रतिबंध लगाता है तो भारत से कई गुना ज्यादा नुकसान खुद कनाडा का ही होगा।

कहा जाता है जो सांप पालता है, वे सांप एक दिन उसे भी काटते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि ये खालिस्तानी आगे चलकर कनाडा को भी उसी तरह डसेंगे जैसे पाकिस्तान के आतंकी पाकिस्तान को लहूलुहान कर रहे हैं। पाकिस्तान जो आतंकियों की फौज तैयार करता रहा है, आज खुद भी आतंक का शिकार हो रहा है। आज आतंक के मुद्दे और भारत विरोध पर जो स्थिति पाकिस्तान की है, वैसी ही कुछ कनाडा की है। उसका भी पाकिस्तान जैसा हश्र होता दिखता है।

कुछ अलग

वर्क फ्रॉम जेल...

आज़ादी के अमृत काल में शायद ही कोई ऐसा क्षण गुज़रता हो जब किसी को अपने भारतीय होने पर गौरव न होता हो। बाबा सिद्दिकी को मारने के बाद जब पुलिस हिरासत में बिश्नोई गैंग के शूटर ने पत्रकारों को सम्बोधित किया तो समझ में आया कि पिछले ग्यारह सालों में विश्व गुरू ने किसी पत्रकार वार्ता को सम्बोधित क्यों नहीं किया? ऐसे छोटे-मोटे कामों के लिए तो किसी गैंग के शूटर्स ही काफी हैं। चुनावी रैलियों में लोगों से बतियाने के लिए विश्व गुरू के पास पहले से ही मटन, मछली, भैंस, मंगलसूत्र जैसे कई अहम मुद्दे मौजूद हैं। फिर देश के अहम मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पक्षकारों को थोथे राष्ट्रवाद या प्राचीन गौरव की चाशनी ही तो चाहिए। ऐसे में क्या ज़रूरी कि विश्व गुरू हर ऐरे-ग़ैरे पक्षकार से बात करें या किसी पक्षकार वार्ता को सम्बोधित करें? वह तो हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता राजकुमार की तरह केवल अपनी पसन्द के पक्षकारों से बात करना पसन्द करते हैं, वह भी अपनी पसन्द के डिज़ायनर कपड़ों में अपनी पसन्द की लोकेशन, मुद्दों और अपनी पसन्द के वक्त के हिसाब से। सौदागर फिल्म में राजकुमार का मशहूर डायलॉग है-'जानी...हम तुम्हें मारेंगे और ज़रूर मारेंगे, पर बंदूक भी हमारी होगी और गोली भी हमारी होगी और वह वक्त भी हमारा होगा...।' इसी तरह विश्व गुरू भी अपना सारा काम अपनी पसन्द के हिसाब से करना पसन्द करते हैं। हां, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कोई शूटर, क्षमा करें माननीय भाई पुलिस हिरासत में भी पक्षकारों से मुख़ातिब हो सकता है। पुलिस की कोई पाबन्दी नहीं। अभी तक यह समझ में नहीं आया कि भाई को पुलिस ने पकड़ क्यों रखा है? जबकि भाई का कहना है कि उसने केवल बाबा सिद्दीकी जैसे बुरे आदमी को मारा है। बाबा सिद्दीकी के दाऊद इब्राहिम की गैंग से सम्बन्ध थे। लेकिन अगर उसके सम्बन्ध बिश्नोई गैंग से होते तो फिर उसे कौन मार सकता था। लेकिन लॉरेन्स भाई को लाख सलाम। नहीं, नहीं लाख नमस्कार। सलाम से आतताई धर्म की बू आती है। 'वर्क फ्रॉम जेल' की इससे बेहतर मिसाल नहीं मिल सकती। अरविंद केजरीवाल चाह कर भी तिहाड़ जेल से दिल्ली के मुख्यमंत्री का कामकाज नहीं देख पाए। लेकिन लॉरेन्स भाई की शान निराली है। खालिस्तानियों की हत्या में कनाडा और अमेरिका तक उसका नाम ले रहे हैं। भाई का नाम भी गजब है। लॉरेन्स, लॉरेन्स बिश्नोई। इसे कहते हैं देसी गधा और मुलतानी काठी। भाई 2015 से जेल में है। लेकिन जलवों की वही चमक बरक़रार है। अगर विश्वास नहीं तो फ़िल्मी भाई, मेरा मतलब है कि सलमान ख़ान से पूछ कर देखिए। सुनने में आया है कि जान के डर से फिल्मी भाई ने दो करोड़ की बुलेट प्रूफ गाड़ी ख़रीदी है। 'वॉटेन्ड' फ़िल्म में फ़िल्मी भाई ने बड़ी ठसक के साथ पुलिस अधिकारी के साथ-साथ भाई का रोल भी निभाया था। लेकिन असल ज़िंदगी का भाई इतना भारी पड़ा कि बेचारे को बुलेट प्रूफ गाड़ी ख़रीदनी पड़ी। फिर भी ज़रूरी नहीं कि जान बच जाए। मौसम चुनावी है और अगर बादशाह सलामत को लगा कि फिल्मी भाई के जाने से चुनाव में फायदा मिल सकता है, तो फिर उसकी जान बचाने की ज़िम्मेवारी ख़ुदा भी नहीं ले सकते। हां, लॉरेन्स की गैंग ने फ़िल्मी भाई की जान बख्शने की क़ीमत पांच करोड़ मांगी है। ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सऐप पर मैसेज भेज कर। पांच करोड़ में सौदा बुरा नहीं। पुलिस और भाइयों के बीच अमर प्रेम का यह बेहतरीन उदाहरण है। कोरोना के दौरान आपदा में अवसर का कितनों ने लाभ उठाया? पीएम केयर्स फंड के अलावा इसका कोई बड़ा उदाहरण सामने नहीं आया।

देश दुनिया से

स्वर्णऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अत: स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है। भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39,687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62,835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79,218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं। यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है। और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं।

आप का नजरिया

शानन सियासी पलड़ा नहीं

राजनीति पार्टी के दायरों के बाहर भी मुकम्मल हो सकती है, यह पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कई बार साबित किया है। मौजूदा दौर में वह वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के तमाम फैसलों के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। वह प्रदेश के अर्थतंत्र में किसी भी मुख्यमंत्री की दिक्कतों को समझते हैं, इसलिए सार्थक समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ हो जाते है। यह दीगर है कि प्रदेश की सियासत में भाजपा वर्तमान सरकार को आर्थिकी के हर मोर्चे पर कोस ही नहीं रही, बल्कि सुधार के हर फैसले का विरोध भी कर रही है। समर्थन की तहरीर में शानन विद्युत परियोजना है जिससे हिमाचल का खजाना राहत प्राप्त कर सकता है। पंजाब पुनर्गठन की भावना के विरोध में खड़े वातावरण में हिमाचल के वैधानिक अधिकार आज भी तिरोहित हैं, तो इस हमाम में हर तरह की राजनीति दोषी है। बड़े राज्यों के सियासी हितों के कारण पहाड़ी राज्य के आत्मसम्मान पर चोट लगी है। अगर पंजाब पुनर्गठन की आत्मा जिंदा रहती तो हिमाचल आज आत्मनिर्भर होता। आश्चर्य यह है कि जब पंजाब के पर्वतीय इलाके हिमाचल में शामिल हो रहे थे तो इसे सियासी चुनौती मानकर देखा गया, वरना यह एक बसी बसाई आर्थिकी का हस्तांतरण भी था। तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई एस परमार व उनके सियासी सलाहकार अगर सियासत के बजाय हिमाचल से स्थानांतरित अधिकारों को अपनी ढाल बनाते, तो बीबीएमबी विद्युत परियोजना के आर्थिक लाभ अब तक एक स्थायी आकार ले चुके होते। पौंग बांध परियोजना में हिमाचल के नाम आईं सिसकियां तब अपने पुनर्वास व आर्थिक उत्थान की पैरवी करतीं। पंजाब पुनर्गठन से चंडीगढ़ में हरियाणा-पंजाब की हिस्सेदारी में संपत्तियां बंट सकती हैं, तो 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी में हिमाचल को भी अपना क्षेत्रीय वजूद हासिल होता। इसी संदर्भ में अगर हिमाचल की कई संपत्तियों पर तत्कालीन पंजाब राज्य का उत्तराधिकार मौजूदा पंजाब को मिल रहा है, तो साडा हक चंडीगढ़ की विरासत में क्यों नहीं। शानन की पेचीदगी में यह जख्म और भी गहरा तथा अन्याय का प्रतीक बन रहा है। एक लीज अनुबंध के तहत मंडी के राजा ने ब्रिटिश शासन को बिजली का घर बनाने की इजाजत दी थी, जो अब अपनी अवधि व वैधता पूरी करके नई स्लेट पर स्वाभाविक अधिकार का मसौदा लिख रहा है। एक सौ दस मेगावाट की इस परियोजना का मालिकाना हक अब न्याय की ऐसी कसौटी है, जहां यह मसला केवल दो राज्यों का नहीं केंद्र की पैरवी का भी है और यहां शांता कुमार सरीखे नेता का मुख्यमंत्री के साथ खड़ा होना वास्तविक परख है। जाहिर तौर पर वरिष्ठ नेता के बयान ने भाजपा को याद दिलाया है कि शानन कोई राजनीतिक पलड़ा नहीं, बल्कि राज्य का अस्तित्व है जिसे कभी पहाड़ी रियासतों के गठबंधन से एक स्वरूप, एक संस्कृति और पर्वतीय अस्मिता का प्रतीक बनाया गया था। यह पर्वतीय इतिहास का दस्तावेज है, जिसका अधिकार हिमाचली खजाने के सरोकार को बुलंद करता है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

सर्राफा बाजार में तेजी से चमका सोना चांदी की कीमत भी 1 लाख के पार

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में 250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह चांदी ने उछल कर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर लिया है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये से लेकर 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73 हजार के स्तर को पार करके 73,160 रुपये से लेकर 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सर्राफा बाजार में चांदी ने भी 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। इस तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चांदी 1,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

लैब ग्रोन डायमंड ने बदल दी हीरे की लाइन, अब सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें सुनाई देने लगी है

नई दिल्ली। हीरे की मांग और कीमतों में गिरावट ने हीरा है सदा के लिए वाली लाइन को मंद कर दिया। रत्न एवं आभूषण उद्योग में अब हीरा है, सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें जोर शोर से सुनाई देने लगी है। प्राकृतिक हीरों की जगह बाजार में लैब में तैयार किये जा रहे हीरों मांग तेजी से बढ़ी है। बढ़ती मांग की वजह से लैब डायमंड के शोरूम तेजी से खुल रहे हैं। प्राकृतिक हीरों जैसे दिखने वाले कम कीमत वाले ये हीरे ग्राहकों को आकर्षित भी कर रहे हैं। हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा होती है कि वह डायमंड की ज्वेलरी पहने, लेकिन लेकिन हीरे की कीमतें अधिक होने के कारण ये आदमी की पहुंच से दूर बने हुए। हीरा पहने की आम आदमी की इच्छा लैब ग्रोन डायमंड पूरी कर रहे हैं। कुछ साल पहले तक बड़े आभूषण कारोबारी लैब ग्रोन हीरों को नकली हीरा बता कर इनसे दूरी बना रहे थे लेकिन अब ये हीरे उद्योग जगत के चहेते बन गए है। यही वजह से त्योहारी सीजन में लैब ग्रोन डायमंड से बने आभूषणों के शोरूम भी तेजी से खुल रहे हैं। चालू त्योहारी सीजन में मुंबई और आस पास के इलाकों में करीब एक दर्जन लैब ग्रोन डायमंड आभूषण के शोरूम खुल गए हैं। धनतेरस और दीपावली त्यौहार को देखते हुए फायरफ्लाय ब्रांड घाटकोपर स्थित आर सिटी मॉल में अपना शोरुम खोला। कंपनी के अधिकारी ने बताया है कि लैब ग्रोन डायमंड की क्वालिटी इतनी अच्छी है कि लैब ग्रोन डायमंड और नेचुरल डायमंड में कोई अंतर नहीं दिखाई देता। फायरफ्लाय ने लैब ग्रोन डायमंड की ज्वेलरी को प्रेशियस गोल्ड में बनाया गया है जो आम आदमी के बजट में आसानी से बैठ सकता है। सबसे बड़ी बात ग्राहकों को स्पष्ट पता होता है कि वह प्राकृतिक हीरा नहीं, लैब में तैयार किया गया हीरा खरीद रहे हैं जिससे लोगों में भरोसा होता है। बेहतरीन पैकिंग और नए आयडिया के साथ तैयार की गई ज्वेलरी युवाओं को पसंद आ रही है और वह बाजार को आगे ले जा रहे हैं।

अगले साल आएगा टाटा संस का आईपीओ, आरबीआई ने लिस्टिंग छूट देने से किया इनकार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह का प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया है,

जिसके तहत टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्टिंग से छूट देने का अनुरोध किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने इस प्रस्ताव को नहीं माना, जिसका मतलब है कि टाटा संस को अब सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ेगा। इस खबर के बाद टाटा केमिकल्स के शेयरों में 14 फीसदी तक की तेजी आई, जबकि बीएसई पर टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 9.5 फीसदी का उछाल देखा गया। आरबीआई के नियमों के अनुसार अपर-लेयर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत सभी संस्थाओं को सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य है। हालांकि, टाटा समूह ने इस विषय पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन सूत्रों के अनुसार टाटा समूह टाटा संस को लिस्ट कराने के लिए अनिच्छुक है।

सरकार ने शुरू किया ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन' पोर्टल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सरल और निर्बाध पहुंच प्रदान करना है। इस पहल से श्रमिकों को सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी होगी। इस कार्यक्रम के दौरान मांडविया ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल में रोजाना लगभग 60,000 से 90,000 श्रमिक जुड़ रहे हैं, जो इस प्रणाली पर बढ़ते भरोसे का संकेत है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम एकल खिड़की समाधान है, जो असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा। मांडविया ने इस पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यह असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि यह मंच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, जो श्रमिकों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न लाभों से जोड़ेगा और पंजीकरण प्रक्रिया को आसान और अधिक पारदर्शी बनाएगा। मंत्री ने सभी असंगठित श्रमिकों से ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने और उनके लाभ के लिए बनाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शेख हसीना...

एक घंटे के भीतर ही एक और कॉल आई, जिसमें कहा गया कि वह नहीं आ रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा, हर जगह अशांति की खबरें थीं। मैंने अपने सैन्य सचिव मेजर जनरल मोहम्मद आदिल चौधरी से इसे देखने को कहा। उनके पास भी कोई जानकारी नहीं थी। हम इंतजार कर रहे थे और टीवी देख रहे थे। कहीं कोई खबर नहीं थी। फिर, मैंने सुना कि शेख हसीना मुझे बताए बिना देश छोड़कर चली गई हैं।

राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, जब सेना प्रमुख जनरल वाकर बंगभवन आए, तो मैंने यह जानने की कोशिश की कि क्या प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया है? उनका भी जवाब यही था कि उन्होंने सुना है कि शेख हसीना ने इस्तीफ़ा दे दिया है, लेकिन शायद उन्हें इस औपचारिकता के लिए समय नहीं मिला। जबकि इस्तीफे की औपचारिकता अनिवार्य होती है, क्योंकि सरकारी दस्तावेजों में आगे की तमाम कार्रवाई उसी आधार पर बढ़ती है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कहा, सब कुछ नियंत्रण में आ गया तो एक दिन कैबिनेट सचिव शेख हसीना के इस्तीफे की प्रति लेने के लिए मेरे पास आए। मैंने उनसे कहा, मैं भी इसकी तलाश कर रहा हूं। तब कैबिनेट सचिव ने कहा कि इस पर अब बहस करने का कोई मतलब नहीं है। हसीना जा चुकी हैं और यह सच है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है।

राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के बयान के बाद बांग्लादेश में अब एक नया बवाल शुरू हो गया है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। अंतरिम सरकार के प्रमुख के बतौर मोहम्मद यूनुस को शपथ भी दिलाई जा चुकी है। इसके बाद अब स्थायी तौर पर सरकार के गठन की औपचारिकताएं होंगी, लेकिन शेख हसीना के इस्तीफे के बगैर सत्ता गठन की औपचारिकताएं कैसे आगे बढ़ेंगी, इस संवैधानिक संकट को दूर करने पर बांग्लादेश में माथापच्ची जारी है। लेकिन उसके पहले शेख हसीना के इस्तीफे के मसले पर भी एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराने का सिलसिला अधिक तेजी से शुरू हो गया है। दुनियाभर में निर्वासित सरकारों, निर्वासित प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों की लंबी श्रृंखला है। भारत के भी ऐसे कई निर्वासित प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहे हैं। बहुत पीछे न भी जाएं तो अंग्रेज सरकार के खिलाफ राजा महेंद्र प्रताप ने अफगानिस्तान में भारत की निर्वासित सरकार का गठन किया था। उस आजाद हिंदुस्तान की निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री मौलवी बरकतुल्लाह और गृह मंत्री मौलाना उबैदुल्लाह सिंधी बनाए गए थे। आजाद भारत की पहली निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति राजा महेंद्र प्रताप थे। दुनियाभर की अंग्रेज विरोधी शक्तियों ने आजा हिंदुस्तान की निर्वासित सरकार का समर्थन किया था। लेकिन अफगानिस्तान के अमीर की गद्दारी के कारण ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने का अभियान सफल नहीं हो पाया। बाद में उसी क्रम में नेताजी सुभाषचंद्र बोस निर्वासित भारत सरकार के प्रमुख बने थे। नेपाल के राजा त्रिभुवन वीर विक्रम शाह देव भी भारत में नेपाल के निर्वासित नरेश थे। दलाई लामा भी भारत में तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रमुख हैं।

हमारी दोस्ती...

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। पिछले तीन महीनों में मेरा दो बार रूस आना हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ब्रिक्स की सफलता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। 15 वर्षों में ब्रिक्स ने अपनी विशेष पहचान बनाई है और अब विश्व के सफल देश इससे जुड़ना चाहते हैं।इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, मुझे याद है कि जुलाई में हमारी मुलाकात हुई थी और कई मुद्दों पर हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई थी। हम कई बार टेलीफोन पर भी बात कर चुके हैं। कजान आने का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। आज हम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और उसके बाद रात्रिभोज करेंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, आज होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अन्य नेताओं के साथ मिलकर हमें कुछ बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेने चाहिए। अंतर सरकारी आयोग की अगली बैठक 12 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाली है। हमारी परियोजनाएं लगातार विकसित हो रही हैं। आपने कजान में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलने का फैसला किया है। हम इसका स्वागत करते हैं। भारत की नीतियों से हमारे सहयोग को फायदा होगा। हमें आपको और आपके प्रतिनिधिमंडल को रूस में देखकर बहुत खुशी हुई। पुतिन ने कहा, भारत और रूस की दोस्ती पारिवारिक रिश्ते की तरह है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को रूस के कजान पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर उनके जबरदस्त स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। प्रधानमंत्री मोदी कजान पहुंचने पर तातारस्तान गणराज्य के प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कजान में होटल कॉर्स्टन पहुंचने पर भारतीय प्रवासी समुदाय द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी के स्वागत में बड़े बड़े होर्डिंग्स लगवाए थे। प्रधानमंत्री ने अभिवादन स्वीकार करते हुए उनसे बातचीत की।उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स विश्व मंच पर शक्ति के नए केंद्र के रूप में उभरा है। संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ के देशों के नेतृत्व में सामूहिक-पश्चिम द्वारा रूस के खिलाफ जारी प्रतिबंधों के साथ-साथ यूक्रेन में नाटो ब्लॉक के साथ लगभग सीधे टकराव के बावजूद, रूस ने दुनिया में अपने आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव का विस्तार जारी रखा है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मेजबान व्लादिमीर पुतिन के अलावा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद भी शामिल हुए हैं। तुर्की अभी तक ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य नहीं है, लेकिन विशेष न्यौते पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन भी ब्रिक्स समिट में शामिल हुए। कुल मिलाकर, 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख ब्रिक्स समिट में शामिल हुए हैं। याद रखना चाहिए कि 1 जनवरी 2024 से ब्राजील, भारत, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इथियोपिया भी ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बन गए हैं। निकट भविष्य में इस सूची के और भी विस्तृत होने की संभावना है।ब्रिक्स संघ का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 60 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। यह आंकड़ा ग्रुप ऑफ सेवन (बिग सेवन) से अधिक है और लगातार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले दशक में पूरे विश्व में हुई जीडीपी वृद्धि का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आया था। वर्तमान में, ब्रिक्स के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची में अज़रबैजान, अल्जीरिया, बांग्लादेश, बहरीन, बेलारूस, बोलीविया, वेनेजुएला, वियतनाम, होंडुरास और जिम्बाब्वे शामिल हैं। इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, क्यूबा, कुवैत, मोरक्को, नाइजीरिया, निकारागुआ, फिलिस्तीन, पाकिस्तान, सेनेगल, सीरिया, थाईलैंड, तुर्की, युगांडा, चाड, श्रीलंका, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया और दक्षिण सूडान भी अंतरराज्यीय संघ में शामिल होना चाहते हैं।

ब्रिक्स को लेकिन जाहिर हो रही अमेरिकी बौखलाहट

वॉशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने कहा कि अमेरिका ब्रिक्स को किसी भी भू राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में विकसित होते हुए नहीं देख रहा है। पियरे ने कहा कि अमेरिका, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे अपने भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेगा। अमेरिका का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब 16वां ब्रिक्स सम्मेलन 22 अक्टूबर से रूस में आयोजित हो रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस पहुंच रहे हैं।ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जीन पियरे से पूछा गया कि क्या बाइडन सरकार इस बात को लेकर चिंतित है कि ब्रिक्स देश, अमेरिका की आर्थिक ताकत को कमजोर कर सकते हैं? इस पर जीन पियरे ने कहा कि हम दुनियाभर के भागीदार देशों के साथ काम करने और साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मजबूत संबंध बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम ब्रिक्स को भू-राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में विकसित होते हुए नहीं देख रहे हैं।

सीमा पर ...

इसके चलते सैन्य आमने-सामने की स्थिति अब सुलझ गई है। सहमति विशेष रूप से डेपसांग और डेमचौक क्षेत्रों में गश्त से संबंधित है। भारत-चीन के बीच एलएसी पर सीमा गश्त पर सहमति बनने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम कह सकते हैं कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। हम उस जगहों पर गश्त करने में सक्षम होंगे जहां हम 2020 से पहले कर रहे थे। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकास है।गलवान घाटी संघर्ष के बाद बढ़े टकराव के कारण दोनों देशों के 50 से 60 हजार सैनिक एलएसी पर तैनात थे। भारत ने चीन से निपटने के लिए डोकलाम की तरह ही रणनीति तैयार की। डोकलाम विवाद में भारत चीन से अपनी सेना हटाने की शर्त पर, तो इस विवाद में 2020 से पहले की स्थिति बहाल करने की शर्त पर अड़ा रहा। हालांकि सात साल पहले डोकलाम विवाद में चीन ने महज 72 दिन बाद अपने सुर नरम कर लिए थे, जबकि इस बार साढ़े चार साल तक खींचतान चलती रही। दोनों ही विवादों का निपटारा ब्रिक्स सम्मेलन से पहले हुआ। साल 2017 में चीन ने अपनी मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन से पीएम मोदी के गैरहाजिर रहने के संदेश के बाद डोकलाम से सैनिकों को पीछे हटाया था। इस बार भी रूस में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन से पहले चीन के रुख में नरमी आई।करीब साढ़े चार साल पहले 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में भारत व चीन के सैनिकों में हुए खूनी संघर्ष में भारत के कर्नल सहित 20 सैनिकों को बलिदान देना पड़ा था। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक इस संघर्ष में पीएलए के 40 कर्मियों की मौत हुई थी। साल 1962 के युद्ध के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों देशों की सेनाओं में सीधी भिड़ंत हुई थी।

अमेरिका ने दिया...

भारत में वेब्ले ने स्याल मैनुफैक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है, जिसमे टेक्नोलाजी वेब्ले की और उत्पादन स्याल मैनुफैक्चरर के अधीन है। कंपनी के निदेशक मनिंदर स्याल ने बताया कि यूपी की औद्योगिक नीति से प्रभावित होकर वेब्ले ने प्रदेश को अपना मुख्यालय बना लिया। गर्व की बात है कि अमेरिका जैसा देश यहां के बने रिवॉल्वर का इस्तेमाल करेगा। इसी के साथ अमेरिका का विशाल बाजार हमारे लिए खुल गया है।दरअसल एंटीक श्रेणी के 455 रिवॉल्वर की मांग लंबे समय से थी। यही वजह है कि यूपी में इसे दोबारा बनाने का फैसला वेब्ले ने लिया। 455 रिवॉल्वर ही मार्क सीरीज की रिवाल्वरों की जनक है। इसकी उत्कृष्टता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तक ब्रिटेन के सैन्य बलों के लिए ये मानक बना रहा। 1894 और 1897 में मूल डिजाइन में संशोधन के कारण मार्क-2 और मार्क-3 रिवॉल्वर की शुरुआत हुई।दूसरी तरफ, 8 नवंबर से आगरा में जूतों के अंतरराष्ट्रीय कारोबारियों का जमावड़ा लगने जा रहा है। आगरा में स्पेन, इटली, जर्मनी, यूके, अर्जेंटीना समेत 35 देशों के उद्यमी जूते की 200 से अधिक स्टॉल लगाएंगे। इनमें 6 हजार से अधिक ट्रेड विजिटर्स और 20 हजार लोग भ्रमण करेंगे। आगरा फुटवियर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) का मीट एट आगरा आयोजन 8 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। तीन दिवसीय मेला सींगना स्थित आगरा ट्रेड सेंटर में होगा। सोमवार को खंदारी बाईपास रोड स्थित होटल में पोस्टर जारी करते हुए पदाधिकारियों ने 5 हजार करोड़ रुपए के व्यापार होने की उम्मीद जताई।

अध्यक्ष पूरन डावर ने बताया कि मीट एट आगरा में इस बार 5 हजार करोड़ रुपए के व्यापार की उम्मीद है, पिछली बार 4 हजार करोड़ का व्यापार हुआ था। सिंथेटिक स्पोर्ट्स जूतों की बढ़ती मांग को देखते हुए इन पर भी मीट एट आगरा में जोर रहेगा। कमेटी के चेयरमैन गोपाल गुप्ता ने बताया कि इसमें नई तकनीक, नवाचार, व्यापार कैसे बढ़ाएं और देश-दुनिया के बाजार की जानकारी एक छत के नीचे मिल सकेगी। उपाध्यक्ष राजेश सहगल और महासचिव राजीव वासन ने बताया कि जूता कारोबार में चीन के मुकाबले भारत मजबूत विकल्प बन रहा है। कई बड़ी कंपनियों ने चीन से आयात भी बंद कर दिया है। हम घरेलू व्यापार को दुनिया के बाजार को देखते हुए विकसित कर रहे हैं।प्रदीप वासन ने कहा कि दुनिया में जूते का 13 फीसदी उत्पादन भारत में होता है। ऐसे में निर्यात और व्यापार बढ़ाने में मीट एट आगरा विशेष भूमिका निभा रहा है। पोस्टर विमोचन में फ्रेटरनिटी ऑफ आगरा फुटवियर मैनुफैक्चरर्स के अध्यक्ष कुलदीप सिंह, कैप्टन एसएस राना, श्याम बंसल, अनिरुद्ध तिवारी, नकुल मनचंदा, उपेंद्र सिंह लवली आदि मौजूद थे।एफमेक अध्यक्ष ने बताया कि मीट एट आगरा में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के व्यापारी नहीं आएंगे। चीन के मुकाबले ताइवान को प्राथमिकता दी जा रही है। यहां की 8 स्टॉल लगेंगी। ताइवान की तकनीक, कंपोनेंट और गुणवत्ता चीन के मुकाबले बेहतर और जर्मनी के समतुल्य है। एफमेक सचिव ललित अरोड़ा ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रति साल 1500 रुपए जूतों पर खर्च करते हैं, ये अन्य देशों के मुकाबले काफी कम है। इसमें 70 फीसदी चमड़े का जूता है। भारत देश-दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बना है और आर्थिक तरक्की कर रहा है, ऐसे में उम्मीद है कि ये खर्च 5000 रुपए हो जाएगा।

फिर 30...

इंडिगो के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को उसके चार विमानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिला है। वे 6ई 164 (मंगलुरु से मुंबई), 6ई 75 (अहमदाबाद से जेद्दा), 6ई 67 (हैदराबाद से जेद्दा) और 6ई 118 (लखनऊ से पुणे) हैं। अलर्ट के बाद हमने संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया। इन उड़ानों के यात्री सुरक्षित रूप से उतर गए। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने भी इस बात की पुष्टि की कि सोमवार को उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की कुछ उड़ानों को धमकी मिली थी। निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क किया गया और नियामक अधिकारियों तथा सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया गया।

विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा कि सोमवार को संचालित होने वाली उसकी कुछ उड़ानों को सोशल मीडिया पर सुरक्षा संबंधी धमकियां मिली थीं। हमने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सतर्क कर दिया और उनके निर्देश के मुताबिक सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहे। पिछले एक सप्ताह में भारतीय विमानन कंपनियों की 120 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि बम की धमकी अफवाह है, लेकिन इन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस बीच, सरकार एयरलाइनों को बम की धमकी से निपटने के लिए विधायी कार्रवाई की योजना बना रही है, जिसमें अपराधियों को नो-फ्लाई सूची में रखना शामिल है।

जेड मोड़ ...

जेड-मोड़ सुरंग 6.4 किलोमीटर लंबी सुरंग है जो सोनमार्ग हेल्थ रिसॉर्ट को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के कंगन शहर से जोड़ती है। यह सुरंग दो लेन वाली है और इसका निर्माण कार्य लगभग पूरा होने को है। इस परियोजना का उद्देश्य श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग क्षेत्र में साल भर सुगम यातायात सुनिश्चित करना है। यहां क्षेत्र की ऊंचाई 8,500 फीट से अधिक है और सड़कें पहाड़ियों पर है। ऐसे में जब भूस्खलन और बर्फबारी घाटी में होती है तो रास्ते बंद हो जाते हैं। अगर ये निर्माण पूरा होता है तो आवागमन आसान हो जाएगा। लोग अभी जिस सफर को घंटों में पूरा करते हैं वो मिनटों में निपटेगा। सबसे जरूरी सेना का निर्बाध आवागमन होता है, सुरंग बनने से सेना के आवागमन की सुविधा बढ़ जाएगी।इस परियोजना का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह श्रीनगर और करगिल के बीच बिना रुकावट यात्रा को सुनिश्चित करेगा और सेना के जवानों को लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों तक पहुंचाने में मददगार बनेगा। प्रदेश के विकास के नजरिए से इस सुरंग का निर्माण बहुत जरूरी है। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में इंटेलिजेंट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली और आपातकालीन स्थिति के लिए एस्केप टनल जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। ये सुविधाएं यातायात को बेहतर तरीके से नियंत्रित करेंगी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी।उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल के गगनगीर इलाके में रविवार को आतंकी हमला हुआ था। इस दौरान आतंकियों ने श्रमिकों के कैंप पर अंधाधुंध गोलियां चलाई थीं। हमले में सात लोगों की मौत हुई थी। इन सात लोगों में सुरंग में काम करने वाले छह श्रमिक और एक डॉक्टर शामिल थे। आतंकियों की गोली का शिकार होने वालों में मध्य प्रदेश से आए अनिल शुक्ला, बिहार के फहीम, नासिर, मोहम्मद हारिफ, कलीम, पंजाब के गुरमीत और जम्मू कश्मीर के रहने वाले शशि अबरोल और डॉ. शाहनवाज शामिल थे।

करवा चौथ व्रत ...

इस तरह इंडियन एक्सप्रेस ने बड़े ही सुनियोजित तरीके से हिंदू पर्व त्यौहार के खिलाफ एक मनोवैज्ञानिक भय का सृजन करने का कुत्सित प्रयास किया है। इंडियन एक्सप्रेस ने एक दिन का उपवास रखने वाली महिलाओं को यह भी भड़काया है कि व्रतियों को पूरे दिन पानी पीते रहना चाहिए और पूरे दिन प्रोटीन युक्त डाइट लेनी चाहिए ताकि स्ट्रेस और तनाव ने हो।विडंबना यह है कि इंडियन एक्सप्रेस एक तरफ करवा चौथ की एक दिन के उपवास (फास्टिंग) को स्त्रियों के लिए बेहद नुकसानदायक बता रहा है वही इंडियन एक्प्रेस रमजान की महीनेभर की फास्टिंग के अनगिनत फायदे बताता है। आप समझ सकते हैं कि दोनों लेखों में कैसे नजरिए का फर्क पता चलता है। करवा चौथ से पहले छपे लेख में साफ तौर पर सिर्फ नकारात्मक पहलू बताए गए। अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे समझाया गया कि अगर शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ रहना है तो व्रत नहीं करना बेहतर है। वहीं दूसरी ओर रमजान के रोजों के समय ये बताया गया कि कैसे रोजाधारियों को इसका फायदा होगा।हैरानी यह है कि इंडियन एक्सप्रेस ने यह दोगला रवैया तब दिखाया गया जब करवा चौथ का व्रत था। वह भी करवा चौथ एक दिन का त्यौहार है जबकि रोजा पूरे महीने रखा जाता है। करवा चौथ, दिवाली, होली या अन्य हिंदू पर्व त्यौहारों की परंपरा को खत्म करने का प्रयास अकेले इंडियन एक्सप्रेस ही नहीं कर रहा। तमाम फर्जी वामपंथी, दुर्गतिगामी प्रगतिशील और मतिशून्य फेमिनिस्ट हिंदू त्यौहारों का मजाक बनाते हुए दिखते हैं। लेकिन मुस्लिमों के त्यौहारों पर बड़े उल्लास और धार्मिक भाव का भौंडा प्रदर्शन करते हुए दिखते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

आरआरआर प्रभावित किसानों ने सड़क और भवन मंत्री के आवास पर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए जमीन के जबरन अधिग्रहण के खिलाफ अपना विरोध तेज करते हुए, यदाद्रि भोंगिर जिले के रायगिरी मंडल के किसानों ने मंगलवार को हैदराबाद में सुबह सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के आवास पर प्रदर्शन किया। किसान सुबह 4 बजे से ही मंत्री के गेट के बाहर बड़ी संख्या में जमा हो गए और उन्होंने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए नारे लगाए, क्योंकि उन्होंने तुरंत उनका जवाब नहीं दिया।

सुबह 8.30 बजे के बाद जैसे ही मंत्री अपने आवास के बाहर निकले, किसान उनसे भिड़ गए और उन्हें वहां से जाने से रोक दिया। पुलिस ने हस्तक्षेप करने और किसानों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी आवाज सुनाने पर अड़े रहे। उन्होंने मंत्री को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना का एलाइनमेंट बदलने का पूर्व में किए गए वादे को पूरा करने की मांग की।

किसानों ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्री ने यह कहकर उनकी चिंताओं को टाल दिया कि मामला मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हाथ में है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों पर जबरन उनकी जमीनें हड़पने का आरोप लगाया और मंत्री से उनकी मदद करने का आग्रह किया। किसानों ने आरोप लगाया कि राजस्व अधिकारी यह दावा करके उन्हें गुमराह कर रहे हैं कि दूसरों ने पहले ही अपनी पासबुक, आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण जमा कर दिया है, और यदि वे अनुपालन नहीं करते हैं तो उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा। किसानों ने अन्य बातों के अलावा आरआरआर को उसके वर्तमान स्थान से 40 किलोमीटर दूर फिर से व्यवस्थित करने, उनकी भूमि के बदले में भूमि का आवंटन करने या रोज-गार के अवसरों के साथ खुले बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा देने की मांग की।

महेश अग्रवाल महात्मा गांधी ग्लोबल पीस अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सिटीजंस काउंसिल के तत्वावधान में मंगलवार को तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागृह में महात्मा गांधी जन्म शताब्दी समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के चयनित समाजसेवियों को महात्मा गांधी ग्लोबल पीस अवार्ड 2024 प्रदान किया गया ।

तेलंगाना विधान परिषद के उपाध्यक्ष डॉक्टर बन्दा प्रकाश मुख्य अतिथि के द्वारा तेलंगाना राज्य गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल को उनके द्वारा गोशाला विकास के लिए किए गए सुधारों के लिए एवं सेन्द्रिय खेती द्वारा किसानों की आत्महत्याओं को कम करने के लिए उठाए गए क्रांतिकारी कदमों के लिए महात्मा गांधी ग्लोबल पीस अवार्ड प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम में तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य बोगरापू दयानंद, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस चंद्राकुमार एवं तेलंगाना पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष निरंजन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राजनारायण ने की।

दीपावली और छठ पर्व के मद्देनजर दमरे चला रहा 804 विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) जनता की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने और सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। इस संबंध में, जोन दशहरा त्योहार के मद्देनजर अक्टूबर माह के दौरान लगातार विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन कर रहा है। दीपावली और छठ पूजा अवधि के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए दमरे ने अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। पिछले त्योहारी सीज़न के दौरान ज़ोन ने 626 विशेष ट्रेनें संचालित कीं। चालू वर्ष में, जोन ने विभिन्न गंतव्यों के बीच 804 विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित करने की योजना बनाई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 28% अधिक है।

त्योहारी सीज़न के दौरान पूर्वी राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, बिहार आदि और उत्तरी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली आदि की ओर भारी यातायात होगा। तदनुसार, जनता की मांगों को पूरा करने के लिए, विशेष ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। दमरे के प्रमुख स्टेशनों जैसे सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा से अन्य राज्यों जैसे शालीमार, रक्सौल, जयपुर, लालगढ़, हिसार, गोरखपुर, शिरडी, दाना-पुर, निज़ामुद्दीन, कटक, अगरतला, संतरागाछी आदि स्टेशनों की ओर लोकप्रिय मार्गों पर विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। मदुरै, इरोड, नागरकोइल, कोल्लम, बेंगलुरु, पनवेल, दादर आदि जैसे अन्य मांग वाले गंतव्यों के लिए भी संचालित किया जा रहा है।

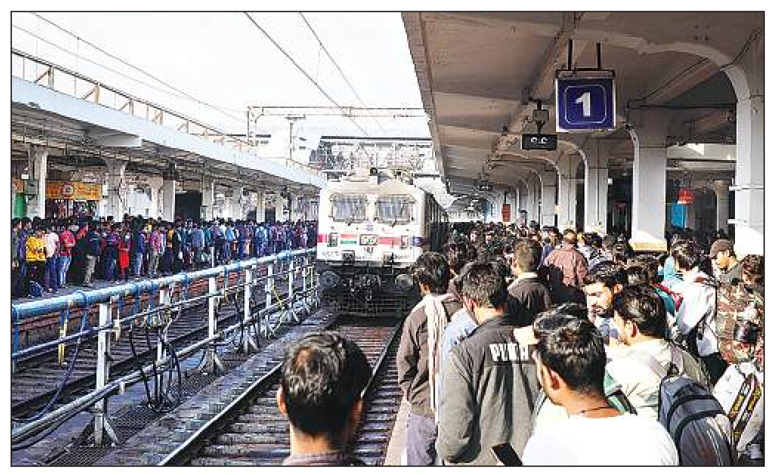

भारतीय रेलवे ने 30 नवंबर तक दिवाली और छठ पूजा सीजन के दौरान यात्रियों के लिए सुगम यात्रा की सुविधा के लिए देश भर में लगभग 6560 विशेष ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है। हर साल त्योहारों के दौरान विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और इस साल यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की संख्या में काफी वृद्धि की गई है। इन विशेष ट्रेनों में सभी वर्गों के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरक्षित और अनारक्षित दोनों श्रेणियों के एसी और गैर एसी श्रेणियों के विभिन्न कोचों की व्यवस्था की गई है। दक्षिण मध्य रेलवे अनारक्षित कोचों से यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों को मोबाइल पर यूटीएस के माध्यम से अपने टिकट खरीदने की सलाह देता है। जिससे सामान्य काउंटरों पर कतार में खड़े होने से बचा जा सके। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि जोन लगातार जनता की मांगों की निगरानी कर रहा है और यात्रियों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई है। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे जोन द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त यात्रा सुविधा के इस अवसर का उपयोग करें और अपनी यात्रा को सुरक्षित, आरामदायक और परेशानी मुक्त बनाएं।

आरसीआई में राजभाषा पक्ष समापन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रयो-गशाला अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) हैदराबाद में 18 अक्टूबर को राजभाषा पक्ष समापन, हिंदी दिवस के साथ हिंदी राजभाषा की हीरक जयंती का समारोह आ-रसीआई के निदेशक अनिंद्य बिस्वास, विशिष्ट वैज्ञानिक की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह समारोह दो चरणों में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती बेला, उप निदेशक हिंदी शिक्षण योजना एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, हैदराबाद, अनिंद्य बिस्वास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आरसीआई, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष, डॉ पी अनिल कुमार, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष, सदस्य सचिव डॉ. एम के गुप्ता, राजभाषा प्रभारी काज़िम अहमद, सहायक निदेशक (राजभाषा) का मंच पर स्वागत से हुआ। तत्पश्चात् निदेशक एवं मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया और मंच संचालक सूरज कुमार पाण्डेय ने अपनी मधुर वाणी में वंदना प्रस्तुत की। आरसीआई की वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपलब्धियों से संबंधित हिंदी में निर्मित वीडियो भी प्रस्तुत किया गया।

सभा का स्वागत करते हुए काज़िम अहमद, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के मनाए जाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए प्रयोगशाला की गत वर्ष में हुई राजभाषा गतिविधियों से संबंधित संक्षित रिपोर्ट प्रस्तुत की और सभा को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई। इसके पश्चात् गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार और अध्यक्ष, डीआरडीओ द्वारा प्राप्त संदेशों का वाचन वैज्ञानिक-ई, मदनलाल कसौटिया जी ने किया। अनिंद्य बिस्वास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं आरसीआई के निदेशक ने अपने संभाषण में सभी को हिंदी दिवस एवं हिंदी राजभाषा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर राजभाषा के हीरक जयंती की शुभकानाएं दी। उन्होंने हिंदी के संवैधानिक पहलूओ के साथ इसके साहित्यिक पक्ष में भी चर्चा की तथा उन्होने हिंदी की सरसता को बताते हुए कबीरदास जी के दोहे का भी संदर्भ दिया साथ ही उन्होंने सभागृह में उपस्थित सभी वैज्ञानिको, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को 10-11 जनवरी 2025 को आरसीआई में आयोजित होने वाली द्वितीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन- उन्मेष-2025 के विषय में भी अवगत कराया। डॉ. एम के गुप्ता, वैज्ञानिक एवं सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अपने संबोधन में हिंदी दिवस की सभी को शुभकामनाएं दी और तथा सभागृह में उपस्थित सभी कार्मिकों के हिंदी के उत्साह की सराहना कीतथा तकनीकी क्षेत्रों में भी हिंदी बहुतायत प्रयोग हेतु प्रेरणा दी। इसके पश्चात डॉ. पी अनिल कुमार, निदेशक प्रबंध सेवाएँ एवं उपाध्यक्ष ने प्रशासन प्रभाग में हिंदी में किए जा रहे कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की अपील की। इसके पश्चात समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती बेला, उप निदेशक हिंदी शिक्षण योजना एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, हैदराबाद ने अपने संबोधन में सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि हिंदी एक लोकप्रिय भाषा है तथा अपने अनुभव को साझा करते हुए आरसीआई में हो रहे हिंदी के कार्यों की अन्य सरकारी कार्योलयों एवं उपक्रमों की तुलनात्मक गतिविधियों मे सराहना की।

इसके बाद राजभाषा पक्ष के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ज्ञातव्य है कि राजभाषा पक्ष के दौरान कुल बारह प्रतियोगिताएं निबंध, सुलेख, अनुवाद, आशुभाषण, श्रुतलेख, हिंदी टंकण, हिंदी प्रश्न-ोत्तरी, कविता-पाठ, गायन, अंत्याक्षरी, तकनीकी लेख, टिप्पणी एवं मसौदा आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं को हिंदी एवं हिंदीतर वर्गों में आयोजित किया गया जिनमें प्रयोगशाला के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के निर्णायकों और आयोजकों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जी विजय दुर्गा, वैज्ञानिक-जी, डॉ. विशाल कुमार, वैज्ञानिक-एफ, डॉ. एम के गुप्ता, वैज्ञानिक-जी, संतोष कुमार सतनामी, वैज्ञानिक-एफ, संजय कुमार गुप्ता, संयुक्त निदेशक (प्रशासन), अजय कुमार मिश्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, एमएम जय बाबू, वरिष्ठ लेखा अधिकारी-1, डॉ. रवि चंद्रा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, सिकन्दराबाद, डॉ. शीला बालाजी, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज, किरण केसकर, सहायक निदेशक (राजभाषा), डॉ अर्चना पाण्डेय, सहायक निदेशक (राजभाषा), काज़िम अहमद, सहायक निदेशक (राजभाषा), शुभ्रा मोहंतो, संगीत शिक्षिका, दिव्या नायर, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सूरज कुमार पाण्डेय, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने प्रतियोगिताओं के निर्णायकों की भूमिका अदा की। इसके साथ हिंदी गृह पत्रिका एवं अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी हेतु लेख लिखने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

दूसरे चरण में रंगारंग एवं मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बॉलीवुड के सुपरहित गीत, सेक्सोफोन वादन एवं नृत्य प्रस्तुत किये गए। इस उपलक्ष्य में एक कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसका संचालन काज़िम अहमद ने किया। प्रयोगशाला के प्रतिभाशाली कवियों ने अपनी स्वरचित कविताएं बहुत ही मनमोहक शैली में प्रस्तुत कीं। इन कवियों में गोविंद अक्षय, नीलांग त्रिवेदी, शलभ मेहता एवं रजत का नाम प्रमुख हैं। सभी कवियों ने विभिन्न रसों में उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवि सम्मेलन के पश्चात् गीत संगीत का कार्यक्रम आयोजित हुआ। काज़िम अहमद, विक्की कुमार, देबाशीष नंदी ने सुपरहिट हिंदी गीत प्रस्तुत किए। इस गीत संगीत के कार्यक्रम में संगीत साधना की संचालिका एवं विख्यात गायिका शुभ्रा मोहांतो के साथ कल्पना डॉग एवं ऋचा चौधरी ने बहुत ही सुंदर गीत प्रस्तुत किए। इन सभी गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मध्य में आरसीआई कलामंच द्वारा दूसरी क्रांति'नामक नाटक का भी मंचन किया गया जिसमें शलभ मेहता, डॉ विशाल कुमार, आनंद प्रकाश पाण्डेय, कमलेश कुमार, कुंदन कुमार, गौतम कुमार महतो, अभिषेक कुमार झा, अशोक कुमार, शशिकांत साहू, बिपिन कुमार तथा संजय कुमार दास नें इस नाटक के प्रमुख पात्रो के रुप में भाग किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आयोजकों में राजभाषा प्रभाग के अतिरिक्त राजीव रंजन, विशाल कुमार, विशाल सुनील डंके, कुंदन कुमार झा, खुशाल गुढ़धे, विकास कुमार, विक्की कुमार, आदि नाम उल्लेखनीय है।

अंत में गौतम कुमार महतो ने मंचासीन अतिथियों, विभिन्न प्रयो-गशालाओं से पधारे अतिथियों, सभा में उपस्थित सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा समारोह के सफल आयोजन में सक्रिय रूप से योगदान देने वाले सभी आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया।

एनआईआईएमएच ने 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर चलाया जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 9वें आयुर्वेदीय दिवस उत्सव के तहत केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीनस्थ राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा, संस्थान, हैदराबाद द्वारा श्री व्यंकटेश्वर जूनियर कॉलेज दिलसुखनगर हैदराबाद के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ को इस वर्ष मनाए जा रहे समारोह के प्रमुख विषय वैश्विक स्वास्थ के लिए आयुर्वेद नवाचार के संबंधित अवगत करने एवं इसमें जनसहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, के विशेष मार्गदर्शन में इसे आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के साथ साथ आयुष मंत्रालय एवं केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। डॉ. सिंधु, वरिष्ट अनुसंधानकर्ता द्वारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद के सिद्धांतों की जानकारी दी तथा डॉ. चंद्रमोहन टी, वरिष्ट अनुसंधानकर्ता ने आयुर्वेद में वर्णित भोजन से संबंधित कतिपय सिद्धांतों के महत्व को सरलता से उजागर किया। इस दौरान के श्रीनिवास राव, एलआईए ने सूचना शिक्षा और संचार सामग्री का वितरण किया। इसके अलावा छात्र-छात्राओं द्वारा उपस्थित किए गए सवालों का समाधान भी किया गया। श्री व्यंकटेश्वर जूनियर डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्या कामेश्वर राव एवं दामोदर रेड्डी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस जागरूकता अभियान से कुलमिलाकर 100 छात्र-छात्राओं 05 शिक्षक लाभान्वित हुए।

वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में वाल्मीकि समाज द्वारा कार्यक्रम में पधारे श्री जगन्नाथ मठ माधवदास झीरा के महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय महाराज का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अवसर पर स्वामीजी ने संदेश देते हुए कहा कि सेवा को माध्यम बनाकर सात्विक जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए और जातपात दूर कर हिंदू-हिंदू भाई-भाई का नारा भी बुलंद करना होगा।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने शुरू किया

सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के लिए मिड-करियर इंटरैक्शन कार्यक्रम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने 22 अक्टूबर, 2024 को नागरिक-केंद्रित शासन पर सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के बीच मिड-करियर इंटरैक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम को भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा प्रायोजित किया गया है।

संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव आईएएस डॉ. शशांक गोयल, जो उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, ने कहा कि सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों जैसे विविध पेशेवर विशेषज्ञता और अनुभवों वाले अधिकारियों के बीच बातचीत, हमारे सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज के वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और शासन को बेहतर बनाने और अंततः नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

डॉ. शशांक ने कहा कि प्रशासनिक पदानुक्रम के विभिन्न स्तरों पर सहानुभूति और अनुकूलनशीलता प्रदान करने के लिए हमारे संस्थानों के भीतर एक सांस्कृतिक बदलाव की आवश्यकता है।

सीएलपी और सीआईएस की पाठ्यक्रम निदेशक और केंद्र प्रमुख डॉ. माधवी रावुलपति ने कहा कि बातचीत कार्यक्रम, अन्य बातों के अलावा, नागरिक-केंद्रित शासन के विभिन्न पहलुओं पर सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों से संबंधित प्रतिभागियों के बीच चर्चा और प्रस्तुतियाँ भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विचार और आवश्यक कार्रवाई के लिए एक रिपोर्ट डीओपीटी को भेजी जाएगी। उन्होंने बातचीत कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं के बारे में भी बात की और उपस्थित लोगों का स्वागत भी किया।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास का 'चक्रव्यूह' कार्यक्रम 26 को

हैदराबाद, 22 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार की हैदराबाद इकाई द्वारा "चक्रव्यूह" महाभारत फेम नीतिश भारद्वाज द्वारा अभिनीत एवं अतुल सत्यकौशिक द्वारा निर्देशित विशेष कार्यक्रम का मंचन हैदराबाद में शनिवार 26 अक्टूबर को सायं 4.00 बजे से जेएनटीयू, कुकटपल्ली में आयोजित किया जाएगा।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में नार्थ पीपुल्स एसोशिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल) ने संयुक्तरूप से बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार के प्रख्यात समाज सेवी डॉ. अशीष गौतम की अगुवाई में वृद्ध, बीमार, असहाय और जरूरतमंद लोगों,देश के विभिन्न भागों में एवं हरिद्वार स्थित आश्रमों में सैकड़ों लोगों की सेवार्थयह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष राजनारायण सिंह,कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल), डॉ.मोहन गुप्ता, सीए मधुसुदन अग्रवाल ने प्रवासी समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधार कर सफल बनावें।

इस अवसर पर "चक्रव्यूह" का पोस्टर डॉ. अशीष गौतम, नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल) एवं विरेंद्र सिंह ने जारी किया।

नारायणगुड़ा में स्थापित श्री हनुमान मंदिर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायवाल। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक अभिषेक यादव ने श्री जायसवाल का शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में श्याम सुंदर रेड्डी, नितिन भंडारी, नरसिंह, भाजपा एवं वीएचपी के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एचआईसीसी में शुरू हुई तीन दिवसीय हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी

हैद्राबाद, 22 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विवाह उत्सवों को ध्यान में रखते हुए हाईलाइफ़ की ब्राइड्स प्रदर्शनी मंगलवार को एचआईसीसी नोवोटेल में शुरु हुई। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में देश भर के डिजाइनर अपने नये कलेक्शन का प्रदर्शन कर रहे हैं।हाईलाइफ़ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य संचालक अबे डोमिनिक एवं अभिनेत्री आशु रेड्डी, अभिनेत्री श्रीसाई रेड्डी, अभिनेत्री श्रीपप्पा ने किया। अवसर पर बड़ी संख्या में मॉडलों ने परिधान एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया। उद्घाटन के बाद मुख्य आयोजक एवं हाईलाइफ के सीईओ अबे डोमिनिक ने कहा कि दीपावली उत्सव के जश्न को समर्पित इस प्रदर्शनी में 350 से अधिक डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहारों का समय है और त्योहारों के मौसम के साथ ही कुछ शादी ब्याह के समारोह शुरू होंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए फैशन प्रेमियों को उत्सव और शादी की खरीददारी का असाधारण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह के रूप में हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। अबे डोमनिक ने कहा कि फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और विलासिता का एक रोमांचक प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में दर्शनीय है। नवीनतम फैशन एवं डिज़ाइनर वियर, वेडिंग कलेक्शन, ज्वेलरी, एसेसरीज आदि की विस्तृतश्रृंखला प्रदर्शनी में उपलब्ध है। यह प्रदर्शनी 24 अक्तूबर तक जारी रहेगी। श्री अबे डोमिनिक ने कहा कि हाईलाइफ़ की ब्राइड्स प्रदर्शनी के लोगों के उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रमाण यह है कि हर शादी ब्याह के मौसम में इसके आयोजन की मांग बढती जा रही है।

मतदाता पंजीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेडी ने कहा कि जो भी पात्र हैं उन्हें शिक्षकों और स्नातकों के एमएलसी चुनावों में वोट देने के लिए अपना आधिकार दर्ज कराना चाहिए। हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलेक्टरों, अपर कलेक्टरों, आरडीओ और एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाता अधिकारों के पंजीकरण पर समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने कहा कि योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो इसके लिए चुनाव रिट्निंग अधिकारी लगातार निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि भारी यातायात वाले क्षेत्रों में फ्लेक्सी लगाई जाए और पर्चे बांटे जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के साथ बैठकें की जाएं तथा रैलियों के संचालित कार्यक्रमों तथा दुकानों पर जागरूकता पैदा करने की व्यवस्था की जाए। बाद में जिलाधिकारी कुमार दीपक एवं जिला अपर समाहर्ता मोतीलाल ने जिले के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

अत्तापुर में प्रमुख न्यूरोलॉजिस्टर डॉ. ए.के. पुरोहित दम्पत्ति का सम्मान करते हुए समाज सेवी अमृत कुमार जैन। अवसर पर मीनाक्षी जैन, आरती जैन एवं प्रेक्षा जैन उपस्थित थे।

दिव्य प्रेम सेवा मिशनन्यास हरिद्वार के सेवा प्रकल्पों को समर्पित चक्रव्यूह कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विधायक जी. विवेक, डॉ. भगवंत राव, समाज सेवी महेश्वर हिरमथ, मोहन पटेल, नवीन पटेल, उत्तम सिंह राजपुरोहित, चिंतलपल्ली धननजय, साईबाबा, संजय राठी, बालाप्रसाद मोदानी, लॉयन श्रीधर आदि को आमंत्रित करते हुए डॉ. आशीष गौतम, जसमत पटेल, संतोष राव, रंजीत नायक, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य।

जल्द ही मुत्यालम्मा मंदिर में देवी की नई मूर्ति स्थापित की जाएगी : तलसानी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने घोषणा की कि जल्द ही मुत्यालम्मा मंदिर में देवी की एक नई मूर्ति स्थापित की जाएगी।

श्री यादव ने मंगलवार को पश्चिम मराडपल्ली स्थित अपने कार्यालय में प्रसिद्ध मंदिरों के विद्वानों और कुम्हार बस्ती के कई निवासियों के साथ बैठक की। तत्पश्चात वे विद्वानों के साथ कुम्मारिगुड़ा गये और बस्तीवासियों से बातचीत की और अम्मावरी मंदिर में पूजा की।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि देवी की प्रतिमा को खंडित करना बेहद दुखद और दुष्ट कृत्य है। उन्होंने मांग कि की आरोपियों को कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने अफसोस जताया कि चूंकि यह घटना शांतिपूर्ण सिकंदराबाद इलाके में हुई है।

उन्होंने कहा कि बुद्धिजीवियों के सुझाव और सलाह पर, तीन दिनों के भीतर नई देवी की मूर्ति की स्थापना, पूजा, कुंभाभिषेकम, शांति प्रार्थना और होमम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूजा कार्यक्रम बिना किसी राजनीति और क्षेत्रीय निवासियों की उपस्थिति में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बताया गया कि माता की मूर्ति की पूजा-अर्चना की तारीखें जल्द ही घोषित की जाएगी। इस अवसर पर मोंडा मार्केट के पूर्व पार्षद अकुला रूपा, मंदिर के ट्रस्टी सदस्य किरण, किशोर, महेश, एलेश, साई, बस्ती निवासी मुरली, रवि, सुनीता, बीआरएस पार्टी डिवीजन अध्यक्ष अकुला हरिकृष्ण, नेता तलसानी स्काई लैब यादव, नागुलु, रामुलु, महेश यादव, सत्यनारायण, जयराज, बीआरएस पार्टी डिवीजन अध्यक्ष अत्तिली श्रीनिवास गौड़, अत्तिली मल्लिकार्जुन गौड़, वेंकटेशन राजू, नेता ऐसुरी महेश, श्रीकांत रेड्डी, लक्ष्मीपति, प्रेम, श्रीहरि और अन्य उपस्थित थे।

विद्यार्थियों में पढ़ने की क्षमता का विकास किया जाए : मोतीलाल

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के अपर समाहर्ता सबावत मोतीलाल ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर विद्यर्थियों में पढ़ने की क्षमता को बेहतर बनाया जाए। उन्होंने सोमवार को हाजीपुर मंडल के पद्दनपल्ली पुनर्वास कॉलोनी में मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय में स्थापित मॉडल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने बताया कि रूम टू रीड द्वारा स्थापित मॉडल लाइब्रेरी में विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी कहानी की किताबें एवं पठन सामग्री उपलब्ध है। कार्यक्रम में डीईओ यादा अय्या, रूम टूरीड तेलंगाना राज्य प्रबंधक नरसिम्हाचारी, जिला वयस्क शिक्षा अधिकारी पुरूषोत्तम नायके,एससी निगम ईडी दुर्गाप्रसाद, व्यापक दंड क्षेत्रीय अधिकारी चौधरी, सत्यनारायणमूर्ति, एमईओ तिरुपति रेड्डी, कॉम्लेक्स प्रिंसिपल हनमंडलु और अन्य ने भाग लिया।

शहर की समस्याओं का समाधान हो : गोदा श्रीरामुलु

यादगिरिगुट्टा, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीपीआई की बैठक में मंगलवार को कॉमरेड मटुरी मलैया की अध्यक्षता में स्थानीय पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे सीपीआई के जिला सचिव गोदा श्रीरामुलु ने कहा कि शहर में लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पुरानी गुट्टा सड़क की हालत खराब होने के कारण श्रद्धालु पुरानी गुट्टा सड़क पर बोर्ड लगाकर उसे बंद करने के कारण वहां नहीं जा रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि पुरानी गुट्टा की ओर जाने वाली सड़क के पास एक सर्कल बनाया जाए। साइनबोर्ड लगाने से पता चला कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाली बसें शहर के बस स्टैंड पर नहीं रुकतीं। उन्होंने मांग की कि सभी क्षेत्रों से आने वाली बसों को शहर के बस स्टैंड पर रोका जाए। परिसर में व्यवसाय नहीं चल रहे हैं और दुकानें बंद हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 26 दिसंबर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का 100वां स्थापना दिवस मनाने का आह्वान किया। बैठक में सीपीआई जिला कार्यकारिणी सदस्य खानेम कृष्णा, जिला समिति सदस्य बब्बुरी श्रीधर, मंडल सचिव कल्लापल्ली महेंदर, सहायक सचिव पेराबोइना महेंदर, नगर सचिव अरिचगनी रोजा नगर सहयोग सदस्य पेराबोइना पेंटय्या, मंडल वर्किंग ग्रुप के सदस्य पेराबोइना बंगारू, अरे पुस्पा, पी. बैठक में वेंकटेशम, बी रामुलु, इस्तारी, यदागिरी, इस्मालु, श्रीनु, प्रदीप, सत्तीबाबू नरसिम्हा और अन्य शामिल हुए।

1.5 करोड़ के कैसीनो कॉइन बरामद, सभी युवा रईसजादे

मेरठ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के गढ़ रोड स्थित होटल हारमनी इन में सोमवार आधी रात पुलिस की टीम ने छापेमारी कर अवैध कैसीनो पकड़ा। यहां दिल्ली और मुंबई की लड़कियां सौ टेबल लगाकर कैसीनो चला रही थीं। छापेमारी में 1.5 करोड़ कॉइन बरामद हुए। छह युवतियों और 15 रईसजादों से पूछताछ जारी है। मामले में मालिक सहित छह पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा को सूचना मिली कि होटल हारमनी इन में कैसीनो चलाया जा रहा है, जिसमें दिल्ली और मुंबई समेत कई राज्यों के लोग शामिल हैं। एसएसपी ने एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम में सीओ ब्रह्मपुरी, सीओ कोतवाली और सीओ दौराला के साथ इन सर्किल के थानेदार भी शामिल रहे। जैसे ही टीम हारमनी इन होटल के प्रथम तल पर पहुंची तो वहां दिल्ली और मुंबई की

मालिक सहित छह पर रिपोर्ट

युवतियां कैसीनो चला रही थीं। ऑनलाइन पार्टी बुक की गई थी। यहां पर अर्द्धनग्न अवस्था में युवतियां डांस करती देखी गईं। पुलिस ने मौके से छह युवतियों और 15 रईसजादों को हिरासत में लिया है। बाकी 35 से ज्यादा लोग पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गए। एसएसपी ने बताया कि होटल में अवैध तरीके से कैसीनो चल रहा था। होटल मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

सीओ दौराला शुचिता सिंह भी मौके पर पहुंची। सीओ ने मालिक नवीन अरोड़ा से पूछताछ की। पार्टी में कहां-कहां से लोग शामिल हुए है। इन सब की जानकारी होटल मालिक से रात को सीओ ने ली है। पुलिस के पहुंचने से पहले सूचना लीक हो गई थी, जिससे पहले होटल में अंधेरा कर दिया गया था। जब वहां टीम पहुंची तो वहां लोग भाग गए। कुछ लोग टेबल के नीचे छिप गए। सीसीटीवी फुटेज भी देखी जा रही है। नौचंदी पुलिस को इस पूरी कार्रवाई से दूर रखा गया।

नौचंदी पुलिस की भूमिका संदिग्ध हो सकती है। इसको देखते हुए एसएसपी ने दूसरे थानों की फोर्स के साथ छापा लगवाया है। छापा मारने के बाद नौचंदी थाना पुलिस को बुलाया गया। बताया जा रहा है कि होटल नौचंदी थाना क्षेत्र में है, जिसमें थाना पुलिस की भूमिका संदिग्ध हो सकती है, जिससे छापे से दूर रखा गया।

केजरीवाल अब माफी मांगने के विशेषज्ञ बन गए : रवि शंकर

भाजपा नेता ने केजरीवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर मानहानि के मामले को रद्द करने की याचिका को रद्द करने से इनकार करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है।

श्री प्रसाद ने कहा है कि श्री केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए भाजपा उनकी कड़ी निंदा करती है। उन्होंने मंगलवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश आने के बाद उम्मीद कर सकते हैं कि श्री केजरीवाल आगे से इस प्रकार के झूठे आरोप नहीं लगाएंगे और किसी भी व्यक्ति की मानहानि नहीं करेंगे। श्री प्रसाद ने श्री केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि श्री केजरीवाल देश को बदलने का ख्वाब लेकर आए थे और आजकल माफी मांगने के विशेषज्ञ बन गए हैं। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर मानहानि मामले को रद्द करने की मांग याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने (श्री केजरीवाल ने) गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

भाजपा नेता ने कहा कि एक समय प्रधानमंत्री जी की शैक्षणिक योग्यता एवं डिग्री को लेकर श्री केजरीवाल की रूची बहुत बढ़ गयी थी। श्री केजरीवाल रोज सवाल पूछते थे कि प्रधानमंत्री जी कहां से पढ़े हैं? कितना पढ़े हैं? प्रधानमंत्री अपनी डिग्री दिखाइए। उन्होंने अपने शुभचिंतकों द्वारा इस मामले में सूचना के अधिकार के तहत डिटेल ब्योरा भी मांगा था। बाद में अदालत ने उस सूचना के अधिकाथ (आरटीआई) की प्रक्रिया को खारिज कर दिया था। उस दौरान आम आदमी पार्टी के श्री केजरीवाल, संजय सिंह सहित अन्य लोगों ने गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाफ भी अनाप-शनाप बातें कही थी। तब गुजरात विश्वविद्यालय ने अपने रजिस्ट्रार के माध्यम से एक मानहानि का मामला दायर किया था। तत्पश्चात इस मामले में मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लिया और समन

जारी किया। तब, श्री केजरीवाल सत्र न्यायालय में मानहानि के मामले को निरस्त करने के लिए याचिका दायर की, जिसे सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद श्री केजरीवाल उच्च न्यायालय पहुंचे और उच्च न्यायालय ने भी उनकी याचिका को खारिज कर दिया। उनको कहा कि कल सोमवार को श्री केजरीवाल इस मानहानि मामले को निरस्त करने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय पहुंचे और उच्चतम न्यायालय ने भी उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले आप नेता संजय सिंह ने इस मानहानि मामले को निरस्त करने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी और जिसे उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

श्री प्रसाद ने कहा कि चर्चा में है कि उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान ही श्री केजरीवाल ने माफीनामे का आग्रह किया था। कहा जा रहा है कि उन्होंने कहा कि यह नहीं चलेगा, यदि माफीनाम देना था तो पहले देना चाहिए था। अब या तो वरियता पर फैसला करेंगे या याचिका स्वीकार नहीं करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने मानहानि मामले को रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर कोर्ट में ट्रायल चलेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईमानदारी और भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट बांटने वाले अरविंद केजरीवाल का असली चेहरा देश के सामने आ गया है। भ्रष्टाचार मामले में श्री केजारीवाल लंबे समय तक जेल में रहे। रिसर्च करने से पता चला कि श्री केजरीवाल झूठे आरोप लगाने के लिए मानहानि मामले में अबतक दस बार माफी मांग चुके हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की जमानत मंजूर की

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की जमानत याचिका मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति एम एस सोनक की अध्यक्षता वाली पीठ ने वाजे को जमानत देते हुए कहा कि इसके लिए शर्तें विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत निर्धारित करेगी। वाजे एंटीलिया बम कांड मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, इसलिए वह अभी जेल में ही रहेंगे। वर्तमान में न्यायिक हिरासत में बंद वाजे ने मामले में सरकारी गवाह होने का दावा करते हुए जमानत पर रिहा किए जाने की मांग की थी। उन्होंने मामले में अन्य आरोपियों को दी गयी जमानत का हवाला देते हुए समानता के आधार पर राहत मांगी थी।वाजे के वकील आबाद पोंडा ने कहा था कि चूंकि उनका मुवक्किल सरकारी गवाह है, इसलिए उसके खिलाफ कोई आरोपपत्र नहीं है और वह कभी दोषी नहीं ठहराया जायेगा या जेल नहीं जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वाजे को सरकारी गवाह घोषित किए जाने के बाद भी जेल में रखना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। सीबीआई ने याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि वाजे ने अभी तक मामले में गवाही नहीं दी है और उन्हें जमानत पर रिहा करना मामले के हित में नहीं होगा।

बजरंग पूनिया बने किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी में शामिल हुए पहलवान बजरंग पूनिया को किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है और कहा है कि पार्टी ने हमेशा अन्नदाता को महत्व दिया है उम्मीद जताई कि श्री पुनिया युवा शक्ति को जोड़कर किसान कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेंगे।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखपाल खैरा तथा हाल में कांग्रेस में शामिल हुई विनेश फोगाट की मौजूदगी में श्री पुनिया को यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को

संवाददाता सम्मेलन के दौरान किसान कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंप गई। सुश्री सैलजा ने इस मौके पर कहा कि पार्टी ने श्री पूनिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है और उन्हें उम्मीद है कि श्री पूनिया किसान कांग्रेस की मजबूती के लिए श्री खैर के साथ सहयोग करेंगे और किसान कांग्रेस को नई बुलंदी तक पहुंचाएंगे। श्री चौधरी ने कहा श्री पुनिया के नेतृत्व में किसान कांग्रेस मजबूत होगी और उन्होंने जिस तरह से पहलवानी की क्षेत्र में काम किया है इस कुशलता के साथ किसान कांग्रेस को भी मजबूत करेंगे। किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद श्री पूनिया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके कार्यालय में अन्य नेताओं के साथ मुलाकात की।

हिमाचल में माइनस में पहुंचा पारा

21 अक्टूबर सीजन की सबसे ठंडी रात

शिमला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है। राज्य के जनजातीय क्षेत्रों के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। खासकर पहाड़ी व उच्च पर्वतीय इलाकों में रातें ठंडी बढ़ती जा रही हैं। जनजातीय इलाकों में पारा जमाव बिंदु के नीचे चला गया है और प्राकृतिक जल स्रोतों व नदी-नालों और झरनों का पानी बर्फ में तब्दील होना शुरू हो गया है।

सोमवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विभाग ने आगामी 28 अक्टूबर तक बारिश-बर्फबारी की संभावना से इनकार किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान तो सामान्य बना रहेगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की रिपोर्ट के मुताबिक लाहौल-स्पीति जिला का ताबो सबसे ठंडा स्थल रहा, जहां न्यूनतम तापमान -1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री, केलांग में 3.1 डिग्री, समधो में 5.5 डिग्री, किन्नौर के कल्पा में 4.6 डिग्री व रिकांगपिओ में 8 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य शहरों की बात करें तो शिमला में न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री, सुंदरनगर में 11.4 डिग्री, भुंतर में 9.5 डिग्री, धर्मशाला में 14.9 डिग्री, उना में 15 डिग्री, नाहन में 17.5 डिग्री, पालमपुर में 12 डिग्री, सोलन में 9.6 डिग्री, मनाली में 8.3 डिग्री, कांगड़ा में 14.2 डिग्री, मंडी में 13.3 डिग्री, बिलासपुर में 15.1 डिग्री, हमीरपुर में 15.6 डिग्री, चंबा में 14.5 डिग्री, डल्हौजी में 13 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 13.8 डिग्री, कुफरी में 10.6 डिग्री, कुकुमसेरी में 1.5 डिग्री, नारकंडा में 9 डिग्री, भरमौर में 11.1 डिग्री, सियोबाग में 8.5 डिग्री, धौलाकूआं में 16.7 डिग्री, बरठीं में 13.5 डिग्री, कसौली में 14.3 डिग्री, पांवटा साहिब में 20 डिग्री, सराहन में 9 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 16 डिग्री, मशोबरा में 11 डिग्री, नेरी में 17.5 डिग्री, सैंज में 11 डिग्री और बजुआरा में 10 डिग्री सेल्सियस रहा।

आईएएस संजीव हंस के अवैध धनशोधन मामले में एक और को भेजा गया जेल

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पटना की विशेष अदालत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ दर्ज करोड़ों रुपए के अवैध धनशोधन मामले में गिरफ्तार एक और अभियुक्त को आज न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कोलकाता से इस मामले के एक और अभियुक्त पुष्पराज बजाज को गिरफ्तार करने के बाद आज पटना स्थित ईडी की विशेष अदालत के न्यायाधीश सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें अधिकृत न्यायिक दंडाधिकारी पटना की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में लेने के बाद जेल भेजे जाने का आदेश दिया। इस मामले मे संजीव हंस और बिहार के झंझारपुर से पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत चार लोग पहले से ही जेल में बंद हैं।

इस बीच आईएएस संजीव हंस से हिरासती पूछताछ के लिए ईडी की ओर से दाखिल की गई याचिका पर विशेष अदालत ने आज सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है जबकि पूर्व विधायक गुलाब यादव से हिरासती पूछताछ के लिए दाखिल की गई ईडी की याचिका पर सुनवाई 23 अक्टूबर 2024 को होगी। ईडी ने विशेष अदालत में एक याचिका दाखिल कर आईएएस संजीव हंस से हिरासती पूछताछ के लिए 14 दिनों की पुलिस रिमांड पर दिए जाने की प्रार्थना की है।

गौरतलब है कि ईडी संजीव हंस के खिलाफ अवैध धनश-ोधन के मामले में जांच कर रही है। जांच के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया।

भाजपा ने मुंबई में योगी का पोस्टर बटेंगे तो कटेंगे लगाया

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव की गहमागहमी जोर पकड़ने लगी है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता ने मुंबई महानगर के विभिन्न हिस्सों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों के साथ-साथ बटेंगे तो कटेंगे के नारे वाले पोस्टर लगाए हैं।

मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में पोस्टर लगाने वाले भाजपा सदस्य विश्वबंधु राय ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विपक्ष राजनीतिक चालें चल रहा है, इसलिए उन्होंने उसका जवाब दिया है। उन्होंने कहा, उत्तर भारत के लोग योगी और उनके नारे बटेंगे तो कटेंगे पर विश्वास करते हैं, इसलिए हमने महाराष्ट्र में भी विपक्ष की चालों का जवाब देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, हरियाणा में आपने देखा है कि कैसे लोग एकजुट होकर भाजपा का समर्थन कर रहे हैं। हम अब इसे महाराष्ट्र में भी लागू करने जा रहे हैं।

CHANGE OF NAME AND DOB

I, VIDHUSHA SWATHI spouse of Service No.14340532X Ex.Nk D ARAVINDHA CHARY, R/o.9-27, Srinivasa Nagar Colony, Nellutla, Gayathri Degree College, Suryapet Road, Jangaon, Po:Jangaon, Dist:Warangal, Telangana - 506167 have changed my name and DOB from **VIDHUSHA SWATHI**, DOB:**07-07-1965** to **DHARIPALLI SWATHI**, DOB: **08-06-1966** vide affidavit dt:21-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

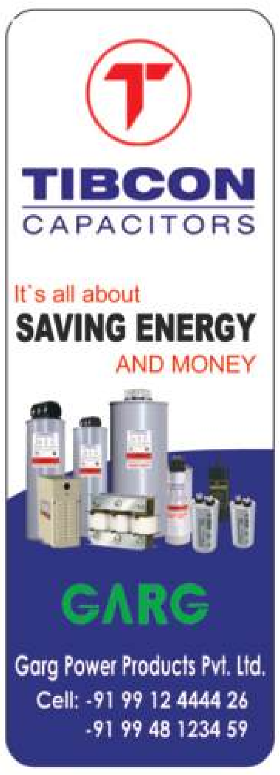

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,220.72
-930.55 -1.15% ↓
एनएसई :24,472.10
-309.00 (-1.25%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,960/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,02,190/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

भारत-सिंगापुर रक्षा सहयोग बढाने तथा इसे मजबूत बनाने पर सहमत

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और सिंगापुर ने रक्षा सहयोग का दायरा बढाते हुए इसे मजबूत बनाने तथा इसे नयी उंचाई पर ले जाने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एन जी इंग हेन के बीच मंगलवार को यहां हुई छठी भारत-सिंगापुर रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता के दौरान इस आशय की सहमति बनी। दोनों रक्षा मंत्रियों ने इस वार्ता की सह-अध्यक्षता की और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता तथा सुरक्षा पर दृष्टिकोण साझा किए।

इस बैठक को भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक पूरे होने की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें सिंगापुर ने आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक कनेक्टिविटी विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच नियमित बातचीत हुई है। वर्ष 2025 में भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 साल पूरे हो रहे हैं दोनों मंत्री रक्षा सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए और नई उपलब्धियां हासिल करने पर सहमत हुए। वे संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण पर द्विपक्षीय समझौते को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

दोनों देश रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन शुरू करने के लिए स्वाभाविक भागीदार हैं, दोनों पक्ष उद्योग सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, जिसमें स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशिष्ट डोमेन में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना भी शामिल है। दोनों मंत्रियों ने साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का भी निर्णय लिया। श्री सिंह ने 2021 से 2024 तक आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक - प्लस में भारत के लिए समन्वयक देश के रूप में सिंगापुर के समर्थन के लिए डॉ. एनजी इंग हेन को धन्यवाद दिया। सिंगापुर के रक्षा मंत्री ने माना कि भारत एशिया की शांति और स्थिरता के लिए एक रणनीतिक आवाज है। हाल ही में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। वार्ता से पहले सिंगापुर के रक्षा मंत्री का औपचारिक स्वागत किया गया और तीनों सेनाओं की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इससे पहले, सिंगापुर के रक्षा मंत्री ने यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि दी।

मूसी परियोजना एक उत्कृष्ट विचार, पर विशेषज्ञ परामर्श जरूरी : चिंता मोहन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता चिंता मोहन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा प्रस्तावित मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना की सराहना करते हुए इसे एक उत्कृष्ट पहल बताया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री से परियोजना पर आगे बढ़ने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेने का आग्रह किया।

मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, चिंता मोहन ने उल्लेख किया कि परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित एक प्रतिनिधिमंडल इसी तरह की परियोजनाओं पर प्रत्यक्ष जानकारी इकट्ठा करने के लिए वर्तमान में सियोल, दक्षिण कोरिया का दौरा कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को मूसी

नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों के कल्याण पर विचार करने की भी सलाह दी। मोहन ने कहा, मैं मूसी नदी परियोजना के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण की सराहना करता हूं, लेकिन उन्हें विशेषज्ञों से परामर्श करना चाहिए और वरिष्ठ नेताओं एवं हितधारकों की राय भी सुननी चाहिए।

अन्य मुद्दों की ओर मुड़ते हुए, मोहन ने अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण को संबोधित करते हुए इसे एक राष्ट्रीय मुद्दा बताया।

उन्होंने सरकार से इस मामले को संवेदनशीलता के साथ संभालने और ऐसे फैसले लेने में जल्दबाजी नहीं करने का आग्रह किया जो देश की अखंडता को प्रभावित कर सकते हैं।

हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की हालिया हार पर टिप्पणी करते हुए मोहन ने हार के लिए अति आत्मविश्वास को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन यह भी आरोप लगाया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़ ने इसमें भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, हमारे पास ईवीएम से छेड़छाड़ के सबूत हैं।

हमें संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह मतपत्र प्रणाली पर लौटने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर उन क्षेत्रों में ईवीएम में हेरफेर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया, जहां विपक्ष कमजोर है।

मोहन ने प्रसिद्ध तिरुमाला लड्डू में प्रयुक्त सामग्री के बारे में गलत बयान देने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की भी आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसकी तैयारी में किसी भी मांसाहारी तेल का उपयोग नहीं किया गया है, लेकिन ध्यान दिया कि डालडा सहित शाकाहारी तेलों का मिश्रण शामिल है। अंत में, उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से सुपर सिक्स वादों को लागू करने का आग्रह किया, जिसका लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस बल तैनात

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल एमएलसी टी जीवन रेड्डी के करीबी सहयोगी और कांग्रेस नेता एवं पूर्व एमपीटीसी मारू गंगा रेड्डी (58) की मंगलवार सुबह जगतियाल ग्रामीण मंडल के जबीथापुर में अज्ञात व्यक्तियों ने हत्या कर दी। आरोपियों ने गंगा रेड्डी की बाइक को पीछे से कार से टक्कर मारी और बाद में उन पर चाकुओं से अंधाधुंध हमला किया। इस घटना में गंगा रेड्डी गंभीर रूप से घायल हो गए।

उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। एमएलसी जीवन रेड्डी जगतियाल

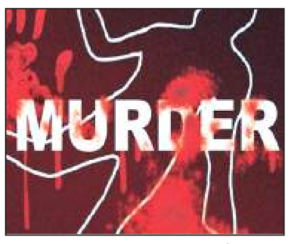

सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां गंगा रेड्डी का शव रखा गया। घटना से गुस्साए जीवन रेड्डी ने अपने समर्थकों के साथ जगतियाल धर्मपुरी मुख्य मार्ग पर धरना दिया और पुलिस से आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और कार्रवाई करने की मांग की। जीवन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपने भाई को खो दिया है और बदमाशों ने गंगा रेड्डी की हत्या पूरी योजना के साथ की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद जिले में कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा नहीं है और जगतियाल में बीआरएस का शासन जारी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सड़क पर धरना देने से यातायात ठप्प हो गया। पुलिस ने यातायात को बाईपास मार्ग से डायवर्ट कर दिया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या का कारण भूमि विवाद था या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव के साथ-साथ जगतियाल में भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

टैंक विस्फोट को लेकर कांग्रेस में आंतरिक कलह उजागर

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर शहर के बाहरी इलाके में शनिगाकुंटा सिंचाई टैंक के अधिशेष बांध को कथित तौर पर विस्फोट करके नष्ट करने की घटना ने संयोगवश चैनूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी में आंतरिक मुद्दों को जन्म दे दिया है। इस घटना के सिलसिले में पुलिस द्वारा दो कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिए जाने और एक

अन्य कांग्रेस नेता द्वारा हस्तक्षेप करके उन्हें रिहा करवाने के बाद इस नेता के हस्तक्षेप को लेकर कांग्रेस के भीतर तनाव है। कथित तौर पर दूसरे निर्वाचन क्षेत्र के एक विधायक की मदद से 16 सितंबर को टैंक के बांध को कथित रूप से विस्फोट करने के आरोप में चौदह व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों में 11वें वार्ड की पार्षद स्वर्णलता के पति पेंड्याला लक्ष्मीनारायण उनके मित्र भीम मधुकर, ड्राइवर, रसमल्ला श्रीनिवास, दिहाड़ी मजदूर, सभी चैनूर के अलग-अलग इलाकों से और गोगुला दानैया, मंचेरियाल के एसीसी कॉलोनी के पत्थर काटने वाले शामिल थे।

शेष आरोपियों को 3 और 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान लक्ष्मीनारायण ने तीनों की मदद से सिंचाई टैंक के बैकवाटर के कारण कुछ घरों को जलमग्न होने से बचाने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। उसने नलगोंडा में दानैया के संपर्को से प्राप्त जिलेटिन की छड़ों का उपयोग करके बांध को उड़ाने की बात स्वीकार की। मधुकर और दानैया ने बांध में छेद किए और संरचना को उड़ाने के लिए विस्फोटकों की योजना बनाई। पुलिस की जांच में पता चला कि नादिपेल्ली लक्ष्मण राव, लक्कम बापू राव, रामलाल गिल्डा, बत्तुला सम्मैय्या, पेद्दिन्ति श्रीनिवास, पोगुला शेखर, एन्नाम बनैया, इप्पा संपत, उमेश गिल्डा ने एक समूह बनाया और तालाब से सटी 15.20 एकड़ जमीन खरीदी। उन्होंने गोडिशेला बापू रेड्डी नामक एक व्यक्ति के साथ संपत्ति बेचने का समझौता किया लेकिन, केवल 4 एकड़ जमीन बापू रेड्डी को हस्तांतरित की गई जबकि शेष संपत्ति पूरी तरह से तालाब के स्तर पर पाई गई।

विस्फोट की जांच के दौरान कांग्रेस के दोनों नेताओं बापू रेड्डी और पेद्दिन्ति श्रीनिवास को चेन्नूर पुलिस स्टेशन ने हिरासत में लिया था। हालांकि, कथित तौर पर एक स्थानीय नेता द्वारा पुलिस पर दबाव डालने के बाद उन्हें तुरंत रिहा कर दिया गया।

पार्टी के करीब 300 कार्यकर्ता भी बापू रेड्डी और श्रीनिवास की रिहाई की मांग को लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचे पता चला कि स्थानीय नेता ने चैनूर क्षेत्र के बाहर एक विधायक से संपर्क करके बापू रेड्डी और श्रीनिवास के खिलाफ मामला दर्ज होने और गिरफ्तारी से बचने में कामयाबी हासिल की। जिससे स्थानीय विधायक डॉ.जी विवेक नाराज हो गए। कथित तौर पर नेता और उनके समर्थकों को दूसरे विधायक की मदद लेने के कारण चैनूर शहर में विवेक के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति नहीं है।

सेल्फी पॉइंट हटाने वालों के खिलाफ की जाए कड़ी कार्रवाई : दिवाकर राव

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल पूर्व विधायक नदिपेल्ली दिवाकर राव ने नगरपालिका अधिकारियों और पुलिस से अंबेडकर चौरास्ता पर सेल्फी पॉइंट मंचि मंचेरियाल हटाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है दिवाकर राव ने पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पी राजैया के साथ मंगलवार को यहां मौके का निरीक्षण किया। दिवाकर राव ने साइनबोर्ड के गायब होने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि नगर निगम आयुक्त को इस बात की

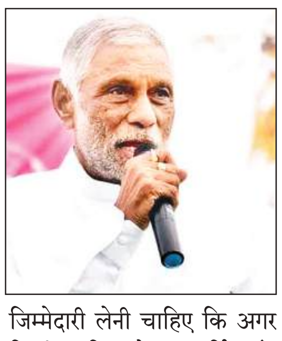

जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि अगर किसी व्यक्ति को यह मूर्ति पसंद नहीं आई तो उसने इसे हटा दिया। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी न देने के लिए कमिश्नर को दोषी ठहराया। उन्होंने याद दिलाया कि यह मुद्दा शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर बनाया गया था। पूर्व विधायक ने अधिकारियों से जल्द से जल्द अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पुलिस से अपराधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा। उन्होंने कहा कि हर कोई जंक्शन पर वह जगह देखना चाहेगा जहां पहले से ही डॉ. बीआर अंबेडकर और भगवान हनुमान की मूर्तियां लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह जगह न केवल स्थानीय लोगों के लिए बल्कि जिले के कई हिस्सों के लोगों के लिए भी सेल्फी लेने का स्थान है। उन्होंने बताया कि शहर के समृद्ध इतिहास को दर्शाने के लिए मूर्ति स्थापित की गई थी। उन्होंने तर्क दिया कि यह मूर्ति इसलिए बनाई गई क्योंकि भगवान राम एक बार पुराने मंचेरियाल इलाके में रुके थे।

तेलंगाना में बिजली कड़कने और तेज हवा चलने के आसार

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवा के चलने का अनुमान जताया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने

मंगलवार को कहा कि इससे प्रभावित होने वाले जिले भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दी-पेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, और जोगुलाम्बा गडवाल होंगे।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में अगले 48 घंटों में कुछ इलाकों साथ साथ 26, 27 और 28 अक्टूबर को राज्य भर के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया गया है, हालांकि, विभाग ने 24 और 25 अक्टूबर को मौसम शुष्क बना रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटों में कुछ स्थानों पर बारिश दर्ज की गई।

गांजे के साथ तीन महिलाओं सहित चार गिरफ्तार

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के हाजीपुर मंडल एसएसआई रमेश सुरेश ने बताया कि हाजीपुर मंडल के रापल्ली गांव के बाहरी इलाके से 83 ग्राम गांजा जब्त किया गया। मंडल के रापल्ली उपनगर में गांजा का सेवन कर रहे चार लोगों को उस समय पकड़ा गया जब वे पुलिस को देखकर भाग रहे थे। एसएसआई ने बताया कि पकड़े गए लोगों में मारुति और तीन महिलाएं शामिल है। 83 ग्राम गांजा और तीन सेलफोन जब्त कर मामला दर्ज किया गया।

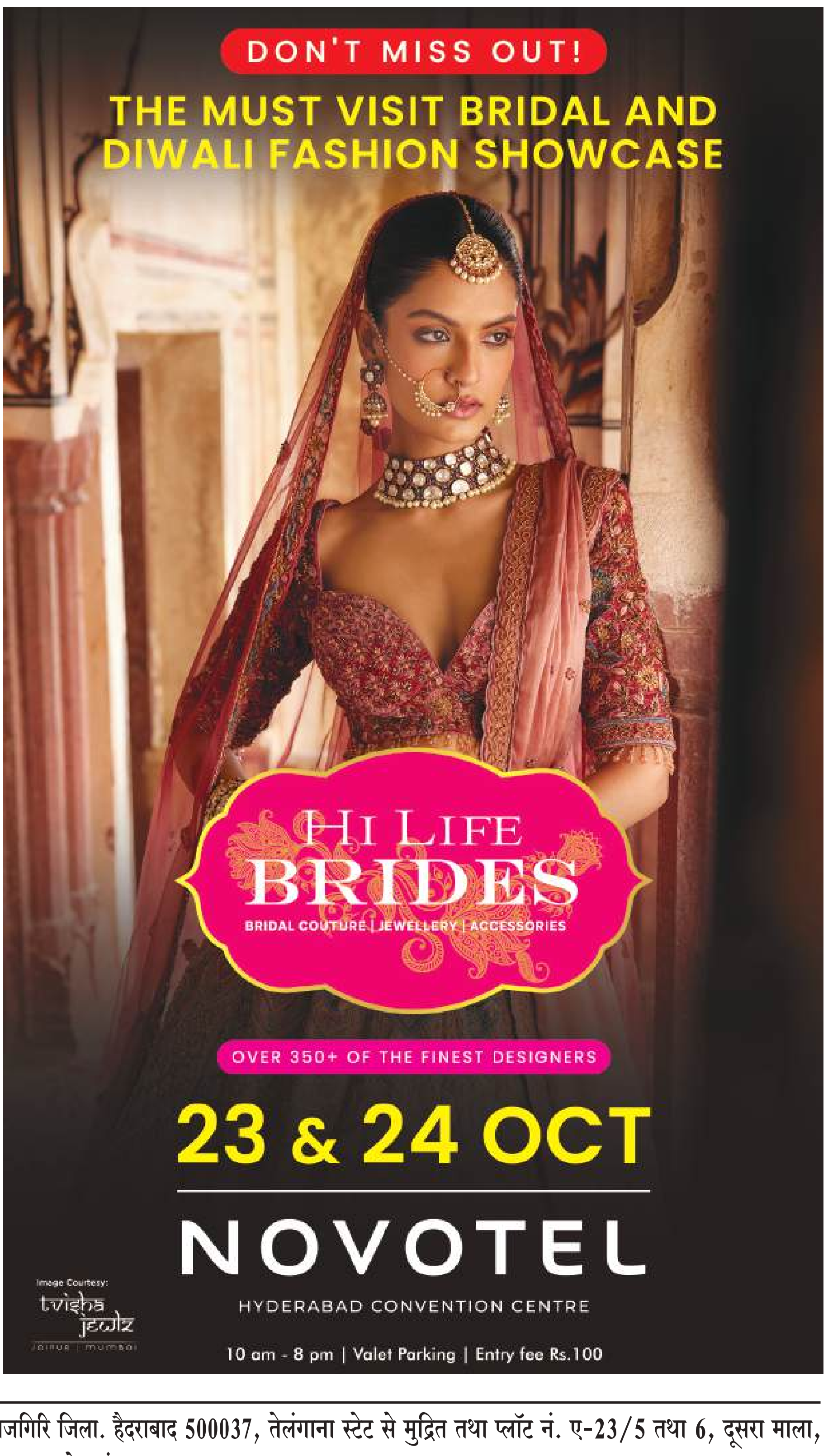

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.